{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शुक्रवार 31 जुलाई 2026
श्रावण कृष्ण 02 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 307
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स - 77,654.60
निफ्टी - 24,250.20
सोना - 151756
चांदी - 235000
डॉलर - 95.80

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

जितेंद्र सिंह ने विपक्ष को घेरा...दशकों तक पेपर लीक को लेकर कोई कानून क्यों नहीं बना

राज्यसभा में पेपर लीक विरोधी बिल पेश

राज्यसभा में एंटी पेपर लीक बिल पर चर्चा के दौरान मल्लिकार्जुन खडगे की टिप्पणी पर सदन में हंगामा

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने गुरुवार राज्यसभा में लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2024 पेश किया। इस दौरान उन्होंने पेपर लीक की समस्या पर विपक्ष को आड़े हाथों लेकर यूपीए शासनकाल और 2014 के बाद विपक्ष शासित राज्यों में हुई ऐसी घटनाओं उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि यह विधेयक निचले सदन से पहले ही पारित हो चुका है, जहां इस पर चर्चा के लिए 10 घंटे का समय आवंटित था, जो हंगामे के बीच भी पूरी हुई। केंद्रीय मंत्री सिंह ने राज्यसभा को बुजुर्गों, वरिष्ठों और समझदार लोगों का सदन बताया, जहां परिपक्व चर्चा की उम्मीद थी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पेपर लीक की घटनाओं की जांच स्पेशल टास्क फोर्स द्वारा 2-3 महीने के भीतर पूरी कर ली जाएगी। उन्होंने सवाल उठाया कि दशकों तक सरकारी परीक्षाओं में पेपर लीक से निपटने के लिए कोई व्यापक कानून क्यों नहीं था, जबकि नरेंद्र मोदी सरकार ने 2024 में यह मूल कानून पेश किया। विधेयक पर चर्चा के दौरान सदन में तीखी नोकझोंक देखने को मिली, खासकर नीट प्रश्नपत्र लीक की पृष्ठभूमि में लाए इस संशोधन को लेकर माहौल गर्म रहा। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की कुछ टिप्पणियों को लेकर सत्ता और विपक्ष के बीच विवाद बढ़ गया, इसकारण सदन की कार्यवाही को दो बार स्थगित करना पड़ा। कांग्रेस सांसदों के 'एलओपी को बोलने दो' के नारों और हंगामे के बीच ही प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री सिंह ने चर्चा का जवाब दिया, जिसके बाद सदन ने ध्वनिमत से विधेयक को मंजूरी प्रदान कर दी। विधेयक पारित होने के बाद भी कांग्रेस सांसदों की नारेबाजी जारी रही और अध्यक्ष ओम बिरला ने कार्यवाही को दिनभर के लिए स्थगित कर दिया।

नीट प्रश्नपत्र लीक मामले पर सरकार की त्वरित कार्रवाई पर प्रकाश डालते हुए जितेंद्र सिंह ने बताया कि 12 जुलाई को जांच सीबीआई को सौंपी गई थी। उन्होंने यह भी कहा कि इस मामले में कल आरोपपत्र दायर कर दिया गया है और आज से सुनवाई शुरू हो गई है। सिंह ने भरोसा दिलाया कि नए संशोधन विधेयक के प्रभाव में आने के बाद फास्ट ट्रैक अदालत में सुनवाई के साथ इस मामले में पांच महीने के भीतर फैसला आ जाएगा।

शिक्षा कुछ लोगों का विशेषाधिकार नहीं

मल्लिकार्जुन खडगे ने कहा कि कुछ वर्षों में 152 परीक्षाओं के पेपर लीक हुए हैं। लेकिन एक को भी सजा नहीं हुई। सरकार क्या कर रही थी। क्या एजेंसियां सो रही थीं। शिक्षा कुछ लोगों का विशेषाधिकार नहीं है। शैक्षणिक संस्थाओं पर आरएसएस का कब्जा है। बजट में छह फीसदी भागीदारी शिक्षा बजट की होनी चाहिए, लेकिन तीन फीसदी से भी कम है। खडगे ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा क आपका कहना है कि विश्वविद्यालयों में अच्छे शिक्षक, अच्छे वीसी आएं। लेकिन आप जो सिलेबस बदल रहे हैं, उसमें ये भी आ रहा है- शूद्र के वेद पाठ सुनने पर शीशे और जस्ते से उसके कान भर दिए जाए। वेद मंत्र का उच्चारण करने पर उसकी जीभ काट ली जाए। ये आरएसएस सिलेबस है। ऐसे विचारों की निंदा करता हूं। ऐसी सामग्री को सिलेबस से हटाया जाए। यूनिवर्सिटी में आरएसएस के लोग भरे जा रहे हैं। यूपीए सरकार ने सबको समान शिक्षा के लिए शिक्षा का अधिकार कानून लागू किया।

12 साल में सवा लाख छात्रों ने सुसाइड किया

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने राज्यसभा में दावा किया कि पीएम मोदी के 12 साल के कार्यकाल में सवा लाख छात्रों ने सुसाइड किया है। खडगे ने कहा- 12 साल में पहली बार शिक्षा मंत्री का इस्तीफा हुआ। सरकार ने पेपर लीक और प्रदर्शन के दौरान छात्रों की बात नहीं सुनी। बाद में जेपी नड्डा ने उन्हें बुलाया। ये पहले हो गया होता तो छात्रों को लाठी नहीं खानी पड़ती। खडगे ने कहा कि पेपर लीक से जुड़े पब्लिक एग्जामिनेशन (अनफेयर मीन्स की रोकथाम) संशोधन बिल में कुछ नया नहीं है। सिर्फ आंकड़े बदले हैं। इससे कोई फर्क पडने वाला नहीं है। पेपर चुराने वाले बचते रहेंगे। छात्र पिटते रहेंगे। इससे पहले, केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने राज्यसभा में पेपर लीक से जुड़ा बिल पेश किया। लोकसभा में बुधवार को करीब 7 घंटे बहस के बाद पेपर लीक से जुड़ा बिल पारित हुआ था।

राज्यसभा में गुरूवार को राज्यसभा में एंटी पेपर लीक बिल पर चर्चा के दौरान जमकर हंगामा हुआ। दरअसल, एंटी पेपर लीक बिल को राज्यमंत्री डॉक्टर जितेंद्र सिंह ने राज्यसभा में पेश किया। इस बिल पर चर्चा की शुरुआत राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खडगे ने कहा कि शिक्षा संस्थानों में मनुस्मृति मानने वाले बढ़ गए हैं, इससे शूद्र को पढने का अधिकार छिन गया है। इस पर सदन में हंगामा शुरू हो गया। जेपी नड्डा ने टोकते हुए कहा कि खडगे का बयान तथ्यों से परे है। इससे अशांति फैल सकती है। इसके बाद सभापति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि मनुस्मृति वाला बयान रिकॉर्ड से हटा दिया जाएगा। खडगे ने कहा कि 12 साल में पहली बार शिक्षा मंत्री का इस्तीफा हुआ। सरकार ने पेपर लीक और प्रदर्शन के दौरान छात्रों की बात नहीं सुनी। बाद में जेपी नड्डा ने उन्हें बुलाया। ये पहले हो गया होता तो छात्रों को लाठी नहीं खानी पड़ती। खडगे ने इस दौरान मनुस्मृति को लेकर चर्चा की, जिसके चलते राज्यसभा में जोरदार हंगामा देखने को मिला। विपक्ष के हंगामे के कारण प्रश्नकाल नहीं चल सका।

राज्यसभा में अपने भाषण के दौरान विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खडगे की मनुस्मृति के बारे में की गई टिप्पणी ने विवाद को बढ़ाया। खडगे ने आरोप लगाया कि मनुस्मृति ने शिक्षा के क्षेत्र में जातिवाद को बढ़ावा दिया है, जिस पर राजकोषीय पीठ ने कड़ी आपत्ति जताई। जैसे ही मल्लिकार्जुन खडगे ने आरोप लगाया कि मनुस्मृति शिक्षा के क्षेत्र में जातिवाद को बढ़ावा देती है, राज्यसभा में भारी हंगामा मच गया। विपक्षी सांसदों ने सदन में माफी माफी के नारे लगाने शुरू कर दिए, वहीं सत्ता पक्ष के सदस्यों ने खडगे द्वारा की गई टिप्पणियों पर आपत्ति जताई। वहीं विपक्ष ने सदन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की अनुपस्थिति पर सवाल खड़े किए।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार को दिया आदेश....

पैलेट गन से घायल प्रदर्शनकारियों का इलाज कराएं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को दिल्ली सरकार को आदेश दिया कि 20 जुलाई को कॉकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च में बैलेट गन से घायल प्रदर्शनकारियों का इलाज कराया जाए। वहीं कोर्ट ने केंद्र से कहा कि जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान तैनात आरएफ के हथियारों और गोला-बारूद के इस्तेमाल का पूरा रिकॉर्ड सुरक्षित रखा जाए। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहन की बेंच ने पैलेट गन के इस्तेमाल पर फिलहाल रोक लगाने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि पुलिस विशेष स्थितियों में इसका इस्तेमाल कर सकती है।

कोर्ट ने कहा कि जब तक पैलेट गन के इस्तेमाल की परमिशन देने वाले पुलिस नियमों को चुनौती नहीं दी जाती, तब तक इस पर रोक लगाने का आदेश देना मुश्किल है। कोर्ट ने इसके इस्तेमाल से जुड़ी गाइडलाइन पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। पूर्व आईपीएस अधिकारी यशोवर्धन आजाद, प्रशांत कुमार सिंह और शेख इरशाद मंसूरी (दोनों पीड़ित) ने याचिका में पैलेट गन पर बैन लगाने की मांग की थी। उन्होंने दावा किया था कि संसद मार्च में रैपिड एक्शन फोर्स ने छात्रों पर पैलेट गन चलाई थी।

100 से ज्यादा प्रदर्शनकारी घायल हुए

कॉकरोच जनता पार्टी ने 20 जुलाई को जंतर-मंतर से संसद तक मार्च निकाला था। सुबह 8 से शाम 5 बजे तक प्रदर्शन में कई बार प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हुई थी। कुछ प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़े, संसद की ओर मार्च किया। ये लोग जंतर-मंतर से संसद मार्ग, जनपथ चौराहा, वॉर मेमोरियल, कर्तव्य पथ, विजय चौक से संसद के करीब पहुंच गए थे। इन लोगों ने संसद में घुसने की कोशिश की थी। इसके बाद पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े थे। दावा किया गया कि छात्रों पर पैलेट गन भी चलाई गई। देर शाम को पथराव की तस्वीरें भी सामने आईं।

पीएम मोदी ने केंद्रीय मंत्रियों के साथ की उच्चस्तरीय बैठक

-राजनाथ सिंह, एस. जयशंकर, निर्मला सीतारमण समेत कई वरिष्ठ मंत्री और एनएसए अजीत डोभाल रहे मौजूद

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को संसद स्थित अपने कार्यालय में केंद्रीय मंत्रिपरिषद के वरिष्ठ सदस्यों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक की। बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेश नीति और शासन से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा होने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि बैठक के एजेंडे को लेकर आधिकारिक जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस जयशंकर और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सहित कई वरिष्ठ केंद्रीय मंत्री शामिल हुए। इसके अलावा केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री पियूष गोयल, हरदीप सिंह पुरी तथा सर्बानंद सोनोवाल भी बैठक में उपस्थित रहे। बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल की मौजूदगी को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के प्रधान सचिव प्रमोद कुमार मिश्रा भी बैठक में शामिल हुए। संसद के मानसून सत्र के बीच हुई इस बैठक को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि सरकार की ओर से बैठक में हुई चर्चा या लिए गए निर्णयों के संबंध में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

खास खबर

ग्वालियर में बनेगा देश का पहला टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन

नई दिल्ली। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने ऐलान किया कि केंद्र सरकार और मध्य प्रदेश सरकार ग्वालियर में देश के पहले टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन (टीएमजेड) की स्थापना के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर करेंगे। इस अवसर पर मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव भी मौजूद रहेंगे। यह एमओयू गुरुवार को नई दिल्ली में भारत सरकार के दूरसंचार विभाग और मध्य प्रदेश सरकार के औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग के बीच हस्ताक्षरित किया जाएगा। प्रस्तावित टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन को करीब 350 एकड़ क्षेत्र में प्लग-एंड-प्ले मॉडल पर विकसित किया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक परियोजना के पहले चरण में आधारभूत ढांचे के निर्माण के लिए केंद्र सरकार ने 493 करोड़ रुपए की 100 फीसदी वित्तीय मदद को मंजूरी दी है।

बॉलीवुड अभिनेत्री कीर्ति कुल्हारी साइबर ठगी का शिकार

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री और निर्माता कीर्ति कुल्हारी साइबर ठगी का शिकार हो गई हैं। अज्ञात साइबर अपराधियों ने कथित तौर पर उनके क्रेडिट कार्ड की जानकारी का दुरुपयोग कर कुछ ही मिनटों में 2 लाख 43 हजार 852 रुपये की अवैध निकासी कर ली। मामले की शिकायत के बाद मुंबई की अंबोली पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, कीर्ति कुल्हारी मुंबई के वर्सोवा स्थित यारी रोड के संगीता अपार्टमेंट में किराए पर रहती हैं। 24 जुलाई की रात करीब 9.30 बजे वह अंधेरी पश्चिम स्थित एक मल्टीप्लेक्स में फिल्म देख रही थीं। इसी दौरान उनके मोबाइल पर क्रेडिट कार्ड से एअरोमेक्सिको एयरलाइंस के नाम पर 2,525 अमेरिकी डॉलर का भुगतान किए जाने का अलर्ट संदेश प्राप्त हुआ। विदेश में हुए इस संदिग्ध लेनदेन की जानकारी मिलते ही अभिनेत्री ने तुरंत बैंक के टोल-फ्री नंबर पर संपर्क किया।

सुप्रीम कोर्ट से पर्यावरण मंजूरी नियम असंवैधानिक घोषित

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार के 2021 के उस कार्यालय ज्ञापन को असंवैधानिक करार दिया है। जिसके तहत परियोजनाओं को पर्यावरणीय मंजूरी बाद में प्राप्त करने की अनुमति दी गई थी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जयमाला बागची और न्यायमूर्ति विपुल पंचोली की पीठ ने कहा कि यह व्यवस्था संविधान के अनुच्छेद 14 और 21 का उल्लंघन है। अदालत ने माना, प्रशासनिक आदेश के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण कानून और 2006 की अधिसूचना को दरकिनार नहीं किया जा सकता है।

मैग्मा जनरल इंश्योरेंस कंपनी को पतंजलि ग्रुप खरीदेगा

आईआरडीएआई से मंजूरी मिली, मार्च 2025 में हुई थी डील; 3 महीने में पूरी होगी प्रोसेस

नई दिल्ली। पतंजलि आयुर्वेद और धर्मपाल सत्यपाल ग्रुप को मैग्मा जनरल इंश्योरेंस में हिस्सेदारी खरीदने के लिए बीमा नियामक आईआरडीएआई से मंजूरी मिल गई है। कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में इसकी जानकारी दी। मीडिया रिर्पोट्स के अनुसार लगभग 4,500 करोड़ रुपए में ये डील हुई है। नियामक ने 28 जुलाई 2026 के पत्र के जरिए इस अधिग्रहण को हरी झंडी दी है।यह मंजूरी पत्र जारी होने की तारीख से अगले 3 महीने तक मान्य रहेगी।

73.6 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी पतंजलि

इस डील के तहत पतंजलि आयुर्वेद 73.6 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी, जबकि धर्मपाल सत्यपाल ग्रुप 24.5 प्रतिशत हिस्सेदारी का मालिक बनेगा। इससे पहले इस कंपनी की सबसे बड़ी हिस्सेदार सनोटी प्रॉपर्टीज (आदार पूनावाला समूह) थी। आईआरडीएआई की मंजूरी मिलने के बाद अब पतंजलि मैग्मा जनरल इंश्योरेंस की प्रमोटर कंपनी बन जाएगी।

पत्थर कारोबारी के घर 28 करोड़ कैश, 15 किलो सोना मिला

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में पुलिस ने बुधवार रात एक छापेमारी में 28.5 करोड़ रूपए से ज्यादा कैश और 15 किलो सोना बरामद किया। सोने की कीमत करीब 21.5 रूपए करोड़ आंकी गई है। इस तरह कुल बरामदगी करीब 50 करोड़ रूपए की है। नोटों का ढेर इतना बड़ा था कि उन्हें गिनते-गिनते 5 करेंसी काउंटिंग मशीनें खराब हो गईं। पुलिस ने आरोपी मिनार मंडल को गिरफ्तार किया है। वह पहले राज्य परिवहन विभाग में बस ड्राइवर था और बाद में स्टोन कारोबार से जुड़ गया। आरोपी फरार पत्थर कारोबारी तुलु मंडल उर्फ मोहम्मद नजीबुद्दीन का मैनेजर और साला है। तुलु मंडल वही शख्स है, जिसने 2024 में अपनी बेटी की करीब 100 करोड़ रूपए की आलीशान शादी कराई थी। तुलु मंडल को पूर्व टीएमसी नेता अनुब्रत मंडल का करीबी माना जाता है। अनुब्रत जून में टीएमसी के बागी ऋाब्रत बनर्जी गुट में शामिल हो गए थे। बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा है कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने सराहनीय काम किया है। उन्होंने छापेमारी की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर शेयर कीं।

भोजशाला से सटी दरगाह भूमि पर होगी जुमे की नमाज

नई दिल्ली। धार स्थित भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को महत्वपूर्ण अंतरिम आदेश जारी करते हुए मध्यप्रदेश प्रशासन को निर्देश दिया कि मुस्लिम समुदाय को हर शुक्रवार दोपहर 1 बजे से 3 बजे के बीच खसरा नंबर 596 की भूमि पर जुमे की नमाज अदा करने की अनुमति दी जाए। कोर्ट ने माना कि यह भूमि विवादित परिसर से सटी हुई है और नमाज के लिए उपयुक्त है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ, जिसमें सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना शामिल थे, ने कहा कि मुस्लिम समुदाय को नमाज के लिए परिसर से लगभग 1.3 किलोमीटर दूर भेजना उचित नहीं है। अदालत के इस आदेश के बाद अब प्रशासन को विवादित परिसर के समीप स्थित निर्धारित भूमि पर नमाज की व्यवस्था करनी होगी।

सुनवाई के दौरान मुस्लिम पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता हुजैफा अहमदी ने दलील दी कि सुप्रीम कोर्ट के पूर्व आदेश के बावजूद जिला प्रशासन ने नमाज के लिए विवादित स्थल से काफी दूर स्थान आवंटित कर दिया, जिससे आदेश की मंशा पूरी नहीं हुई। उन्होंने बताया कि मुस्लिम पक्ष ने परिसर के पास वक्फ बोर्ड की चार वैकल्पिक खाली जमीनों का प्रस्ताव दिया था, लेकिन प्रशासन ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए सभी प्रस्ताव खारिज कर दिए।

वर्तमान व्यवस्था अंतरिम

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि वर्तमान व्यवस्था अंतरिम है और यदि भविष्य में हिंदू तथा मुस्लिम पक्ष आपसी सहमति से किसी अन्य वैकल्पिक स्थान पर सहमत होते हैं तो यह आदेश उसमें बाधा नहीं बनेगा। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने पूरे क्षेत्र का आधिकारिक साइट प्लान भी देखा। नक्शे के आधार पर अदालत ने पाया कि दरगाह से लगी भूमि पर कानून-व्यवस्था बनाए रखते हुए नमाज कराई जा सकती है और हिंदू श्रद्धालुओं के लिए अलग प्रवेश एवं निकास की व्यवस्था भी संभव है।

मौजूदा सत्र में नहीं लाया जाएगा वन नेशन, वन इलेक्शन विधेयक

नई दिल्ली। संसद के मौजूदा मॉनसून सत्र में 'एक देश, एक चुनाव' (वन नेशन, वन इलेक्शन) से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक पेश नहीं किया जाएगा। इसके साथ ही इस विधेयक की जांच के लिए गठित संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का कार्यकाल भी बढ़ा दिया गया है। अब समिति को अपनी रिपोर्ट संसद के शीतकालीन सत्र के अंतिम सप्ताह के पहले दिन तक प्रस्तुत करनी होगी।

दरअसल जेपीसी का कार्यकाल बढ़ने के बाद यह स्पष्ट हो गया, कि समिति अपनी रिपोर्ट मौजूदा सत्र के दौरान पेश नहीं करेगी। ऐसे में विधेयक पर आगे की संसदीय प्रक्रिया अब शीतकालीन सत्र में रिपोर्ट आने के बाद ही आगे बढ़ने की संभावना है। 'एक देश, एक चुनाव' को लेकर सरकार लंबे समय से विचार कर रही है। इसी क्रम में मार्च 2026 में प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) ने एक विस्तृत रिपोर्ट जारी की थी। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने से सरकारी खर्च में उल्लेखनीय कमी आएगी और प्रशासनिक व्यवस्था अधिक प्रभावी बन सकेगी। रिपोर्ट के अनुसार, यदि देशभर में एक साथ चुनाव कराए जाते हैं तो पांच वर्ष के चुनावी चक्र में चुनाव ड्यूटी में लगाए जाने वाले कर्मचारियों की संख्या में लगभग 26 लाख (करीब 28 प्रतिशत) की कमी आ सकती है। साथ ही चुनावी प्रक्रिया में लगने वाले करीब 1.04 करोड़ कार्य-दिवसों की बचत होने का अनुमान व्यक्त किया गया है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि चुनाव ड्यूटी में बड़ी संख्या में शिक्षक लगाए जाते हैं और अधिकांश मतदान केंद्र स्कूलों में बनाए जाते हैं। बार-बार चुनाव नहीं होने से शिक्षकों की चुनावी ड्यूटी कम होगी, जिससे विद्यालयों में पढ़ाई प्रभावित नहीं होगी और विद्यार्थियों की शिक्षा पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

हालांकि, निर्वाचन आयोग का मानना है कि पूरे देश में एक साथ चुनाव कराने के लिए सुरक्षा व्यवस्था और संसाधनों की व्यापक तैयारी करनी होगी। इसके बावजूद अलग-अलग राज्यों में बार-बार सुरक्षा बलों की तैनाती की आवश्यकता कम होने से प्रशासनिक बोझ घटने की संभावना है।

बच्ची का इलाज करने से मना करना निजी अस्पताल की आपराधिक लापरवाही- सुप्रीम कोर्ट

-गाजियाबाद दुष्कर्म एवं हत्या मामले में एसआईटी रिपोर्ट पर सुनवाई टली

नई दिल्ली। गाजियाबाद में चार वर्षीय बच्ची के दुष्कर्म और हत्या के मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने इलाज से इनकार करने वाले निजी अस्पतालों के रवैये पर कड़ी टिप्पणी करते हुए उन्हें आपराधिक रूप से लापरवाह बताया। अदालत ने कहा कि प्रथम दृष्टया यह मामला गंभीर लापरवाही और संवेदनहीनता का प्रतीत होता है।

सुप्रीम कोर्ट की पीठ, जिसमें भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बाग्ची और न्यायमूर्ति वी मोहन शामिल थे, को अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने विशेष जांच दल (एसआईटी) की रिपोर्ट से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि एसआईटी ने दो निजी अस्पतालों और संबंधित थाना प्रभारी (एसएचओ) के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश की है।

अदालत को बताया गया कि संबंधित एसएचओ को पद से हटाकर पुलिस लाइन भेज दिया गया है। साथ ही संबंधित थाने में छह महीने तक सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने की व्यवस्था की जा रही है। जिस क्षेत्र में असामाजिक गतिविधियों की शिकायतें थीं, वहां सफाई अभियान चलाया गया है और सामाजिक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं, ताकि क्षेत्र का माहौल बेहतर बनाया जा सके।

सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि पिछली सुनवाई में अदालत ने पाया था कि यह मामला घोर आपराधिक लापरवाही और संवेदनशीलता की कमी का है, विशेषकर इसलिए क्योंकि पीड़ित बच्ची एक गरीब परिवार से थी। उन्होंने कहा कि अस्पतालों को पहले ही आवश्यक सुझाव दिए जा चुके हैं और अब यह देखना होगा कि वे उन पर क्या कदम उठाते हैं। पीड़ित पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता एन. हरिहरन ने अदालत को बताया कि एसआईटी रिपोर्ट का अध्ययन करने के बाद यदि कोई सुझाव होगा तो वह अदालत के समक्ष रखा जाएगा। इसके बाद अदालत ने सभी पक्षों को रिपोर्ट का अवलोकन करने का समय देते हुए मामले की सुनवाई स्थगित कर दी।

गौरतलब है कि 24 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में एसआईटी गठित करने का आदेश दिया था। अदालत ने निजी अस्पतालों की भूमिका की स्वतंत्र जांच के निर्देश भी दिए थे। याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया था कि पीड़ित बच्ची के पिता पर पुलिस अधिकारियों ने बयान दर्ज कराने के दौरान दबाव बनाया था। वहीं राज्य सरकार ने अदालत को बताया कि मुख्य आरोपी के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया जा चुका है और संबंधित अदालत ने उसका संज्ञान भी ले लिया है। सुप्रीम कोर्ट ने पहले भी स्पष्ट किया था कि अपराध की गंभीरता और जांच को लेकर उठे सवालों को देखते हुए मामले की निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच आवश्यक है।

कुछ ना कहना

आदिवासी अंचल में संक्रमण का कहर, मलेरिया-डायरिया और टाइफाइड से जूझ रहे मासूम

बैगा बाहुल्य गांवों में बिगड़े हालात, 5 बच्चों की मौत का दावा

स्वास्थ्य विभाग ने गांवों में डाला डेरा, गंभीर मरीजों को किया जा रहा जिला अस्पताल रिफर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के बैगा आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में फैला मौसमी बीमारियों का संक्रमण अब गंभीर स्वास्थ्य संकट का रूप लेता जा रहा है। बैहर और बिरसा विकासखंड के दूरस्थ बैगा गांवों में मलेरिया, डायरिया और टाइफाइड जैसी बीमारियों ने सबसे अधिक बच्चों को अपनी चपेट में लिया है। लगातार बढ़ रहे मरीजों के बीच ग्रामीणों में भय का माहौल है। ग्रामीणों का दावा है कि संक्रमण के कारण अब तक 5 बच्चों की मौत हो चुकी है, जबकि बड़ी संख्या में बच्चे बीमार होकर अस्पतालों में भर्ती हैं। स्वास्थ्य विभाग ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रभावित गांवों में चिकित्सा दल तैनात कर दिया है, लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि शुरुआती लापरवाही के कारण हालात बिगड़े हैं।

इन क्षेत्रो में देखा जा रहा संक्रमण का प्रकोप

स्थानीय जनों से मिली जानकारी के अनुसार बैहर-बिरसा क्षेत्र के बोंदारी, मच्छुरदा, कुंडेकसा, लिमोटी, जालदा सहित लगभग आधा दर्जन बैगा गांव संक्रमण की चपेट में हैं। इन गांवों में तेज बुखार, शरीर पर लाल दाने, उल्टी-दस्त और कमजोरी जैसे लक्षण तेजी से फैल रहे हैं। सबसे अधिक असर छोटे बच्चों पर दिखाई दे रहा है, जिन्हें गंभीर स्थिति में जिला अस्पताल रिफर किया जा रहा है।

अचानक शरीर पर निकल रहे दाने, फिर बढ़ रहा संक्रमण

स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार बीमारी की शुरुआत शरीर पर दाने निकलने से होती है। इसके बाद तेज बुखार, शरीर में दर्द और कमजोरी बढ़ने लगती है। कई बच्चों की हालत इतनी गंभीर हो गई कि उन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। जिला अस्पताल में भर्ती बच्चों का उपचार जारी है और चिकित्सकों के अनुसार अधिकांश बच्चों की स्थिति में सुधार हो रहा है।

एम्बुलेंस सेवा पर उठे सवाल

संक्रमण के बीच ग्रामीणों ने स्वास्थ्य सेवाओं पर भी सवाल खड़े किए हैं। उनका आरोप है कि कई बार 108 एम्बुलेंस को सूचना देने के बावजूद वाहन समय पर नहीं पहुंचता, जिससे मजबूरी में किराये के वाहन से मरीजों को अस्पताल ले जाना पड़ता है। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि कुछ क्षेत्रों में स्वास्थ्य अमला समय पर नहीं पहुंचा, जिससे बीमारी तेजी से फैलती गई।

स्वास्थ्य विभाग अलर्ट, गांव-गांव पहुंच रही मेडिकल टीमें

संक्रमण बढ़ने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने प्रभावित गांवों में विशेष चिकित्सा दल भेज दिए हैं। बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों की लगातार जांच की जा रही है। जिन मरीजों में मलेरिया या अन्य संक्रमण की पुष्टि हो रही है, उन्हें तत्काल उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। गंभीर मरीजों को जिला अस्पताल रिफर किया जा रहा है।

अलर्ट मोड़ पर स्वास्थ अमला

लगातार बढ़ते संक्रमण ने एक बार फिर दूरस्थ आदिवासी अंचलों की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि समय पर जांच, स्वच्छ पेयजल, साफ-सफाई, मच्छर नियंत्रण और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत किए बिना इस चुनौती से निपटना आसान नहीं होगा। फिलहाल स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर है, लेकिन बैगा अंचल के गांवों में संक्रमण की रफ्तार प्रशासन के लिए बड़ी परीक्षा बन गई है।

एक नजर में

- बैहर-बिरसा के बोंदारी, मच्छुरदा, कुंडेकसा, लिमोटी और जालदा सहित कई गांव संक्रमण की चपेट में।

-मलेरिया, डायरिया और टाइफाइड के मरीजों में सबसे अधिक बच्चे प्रभावित।

-ग्रामीणों का दावा—संक्रमण से अब तक 5 बच्चों की हो चुकी है मौत।

-मेडिकल टीम गांव-गांव पहुंचकर कर रही जांच, गंभीर मरीज जिला अस्पताल रिफर

-एम्बुलेंस सेवा और शुरुआती स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर ग्रामीणों ने उठाए सवाल।

6- 7 से अधिक बच्चे अभी भी गांव में बीमार है- चेतु सिंह धुर्वे

ग्राम लिमोटी निवासी चेतू सिंह धुर्वे ने बताया कि उनके बच्चों को 3 दिन से बुखार आ रहा था। एंबुलेंस बुलाए और उन्हें बिठली के अस्पताल लेकर गए वहां पर मलेरिया निकला। गोली दवाई खिलाई तो बच्चे और अधिक बीमार हो गए, इसीलिए बस से उन्हें जिला अस्पताल लेकर आए। इसके पहले भी गांव के कई बच्चो को जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया गया था। हमारे गांव और आसपास गांवों में बच्चों की तबीयत ज्यादा खराब हो रही है, मलेरिया सर दर्द बुखार शरीर पर दाने आना ऐसी शिकायत आ रही है. 6- 7 से अधिक बच्चे अभी भी गांव में बीमार है।

गांव तरफ बीमारी लगातार बढ़ रही है- जगह सिंह

वही जालदा निवासी जगन सिंह मरकाम ने बताया कि बच्चों की तबीयत खराब होने पर एंबुलेंस 108 से उन्हें बिठली के अस्पताल लेकर आए,बच्चों को बुखार आ रहा था शरीर पर दाने हो गए थे उनका वहां उपचार कराया, दवाई गोली खिलाई पर बुखार लगातार बढ़ते जा रहा था ,इसीलिए बस से तीन बच्चों को लेकर जिला अस्पताल लाए हैं। गांव तरफ बीमारी लगातार बढ़ रही है जांच करने की टीम कभी-कभी आती है वहां के अस्पताल में उपचार ठीक से नहीं मिलता, आज जिला अस्पताल से बच्चों की छुट्टी हो गई है उन्हें घर लेकर जा रहे हैं।

घरेलू उपचार भी बन रहा परेशानी का कारण- सरपंच

अडोरी पंचायत के सरपंच के अनुसार गांवों में संक्रमण तो फैला है, लेकिन कुछ लोग शुरुआती लक्षणों को नजरअंदाज कर घरेलू नुस्खों पर भरोसा करते हैं। समय पर अस्पताल नहीं पहुंचने के कारण मरीजों की स्थिति गंभीर हो जाती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि बुखार या अन्य लक्षण दिखाई देने पर तुरंत स्वास्थ्य केंद्र पहुंचें।

आदिवासी अंचलों से आ रहे अधिक मरीज- बांगरे

जिला अस्पताल के शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. आशुतोष बांगरे ने बताया कि बारिश के मौसम में मच्छर जनित बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। आदिवासी क्षेत्रों से मलेरिया सहित अन्य संक्रमण के अधिक मरीज सामने आ रहे हैं। अस्पताल में भर्ती सभी बच्चों का बेहतर उपचार किया जा रहा है और पूरी कोशिश है कि प्रत्येक बच्चा स्वस्थ होकर घर लौटे। हमारी पूरी टीम अलर्ट मोड़ पर है।संक्रमित गांवों की लगातार निगरानी की जा रही है। उन्होंने आगे बताया कि बरसात के समय में सोनगुड्डा, बिरसा, लांजी क्षेत्र से अधिक पेशेंट आ रहे हैं, ज्यादातर पेशेंट रिफर वाले हैं संक्रमण से बचाना है तो मच्छरदानी का उपयोग करना होगा मच्छर से बचाव ही इस बीमारी का उपाय है।

मध्य प्रदेश में लापता बालिकाओं की तलाश में ढिलाई, मानव तस्करी की आशंका बढ़ी

भोपाल। मध्यप्रदेश में लापता नाबालिग बालिकाओं की तलाश में पुलिस की सुस्त कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। पुलिस मुख्यालय की महिला सुरक्षा शाखा की मई 2026 की समीक्षा रिपोर्ट के अनुसार, नवंबर 2025 से मई 2026 के बीच लापता बालिकाओं की संख्या में चिंताजनक रूप से 27 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। नवंबर 2025 में जहां 2,545 बालिकाएं लापता थीं, वहीं मई 2026 तक यह आंकड़ा बढ़कर 3,241 हो गया।

रिपोर्ट बताती है कि इंदौर (नगरीय), नर्मदापुरम, सागर, रीवा और शहडोल जोन का प्रदर्शन असंतोषजनक रहा है। सागर जिले में 271 मामलों में से करीब 75 प्रतिशत अब भी अनसुलझे हैं। छतरपुर में 140 मामलों में से करीब 65 प्रतिशत की जांच लंबित है, जबकि सतना और दमोह में 40 प्रतिशत से अधिक मामलों का अब तक निराकरण नहीं हुआ है। रीवा, रायसेन और दमोह को भी रेड जोन की श्रेणी में रखा गया है। कमिश्नरेट क्षेत्रों में भी स्थिति गंभीर है, जहां इंदौर और भोपाल में बड़ी संख्या में बालिकाओं का पता नहीं चला है।

इस गंभीर स्थिति को देखकर विशेष पुलिस महानिदेशक (महिला सुरक्षा) अनिल कुमार ने सभी संबंधित जोन और जिलों को लंबित मामलों के शीघ्र निपटान और हर महीने की 15 तारीख तक प्रगति रिपोर्ट देने के आदेश दिए हैं। विशेषज्ञों ने हर गुमशुदा नाबालिग के मामले में शुरुआत से ही मानव तस्करी के कोण से जांच करने की वकालत की है। सेवानिवृत्त विशेष पुलिस महानिदेशक अन्वेष मंगलम का मानना है कि एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (एएचटीयू) को प्रभावी बनाने के लिए 25 हजार प्रशिक्षित पुलिसकर्मियों की एक विशेष टीम गठित करने की आवश्यकता है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़े बताते हैं कि मध्य प्रदेश में मानव तस्करी के 46 प्रतिशत मामले जबरन मजदूरी, 25 प्रतिशत जबरन विवाह और 21 प्रतिशत यौन शोषण से जुड़े हैं। गुना, रायसेन, धार, खरगोन और सतना जैसे जिले मानव तस्करी के प्रमुख हॉटस्पॉट हैं। राज्य सरकार भी समस्या से निपटने के लिए सक्रिय है। श्रम विभाग के सचिव रघुराज एम.आर. ने बताया कि मानव तस्करी से जुड़े मामलों के लिए नई मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) लागू की गई है, जिसके तहत पुलिस, जिला प्रशासन और श्रम विभाग संयुक्त रूप से बचाव अभियान चलाते हैं तथा पीड़ितों के पुनर्वास और सरकारी योजनाओं से जोड़ने की व्यवस्था सुनिश्चित करते हैं।

मूंग खरीदी को लेकर सरकार स्थिति स्पष्ट करे -किसान सभा

भोपाल। मध्य प्रदेश किसान सभा ने मूंग खरीदी को लेकर केंद्र और राज्य सरकार के दावों में विरोधाभास बताते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है। संगठन ने कहा कि किसानों में यह भ्रम दूर किया जाए कि समर्थन मूल्य पर खरीदी केवल कुछ जिलों तक सीमित है या पूरे प्रदेश में लागू होगी। इसके लिए खरीदी संबंधी पोर्टल सार्वजनिक रूप से संचालित किया जाए, ताकि किसान स्वयं जानकारी देख सकें।

किसान सभा के अध्यक्ष अशोक तिवारी, महासचिव अखिलेश यादव, कार्यकारी अध्यक्ष रामजीत सिंह और सहायक महासचिव जगदीश पटेल ने संयुक्त बयान में कहा कि मूंग खरीदी के मुद्दे पर केंद्र और राज्य सरकार एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डाल रही हैं। संगठन के अनुसार, जहां राज्य सरकार सीमित खरीद के लिए केंद्र की तय सीमा को जिम्मेदार बता रही है, वहीं केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का कहना है कि मध्य प्रदेश को पर्याप्त खरीदी की स्वीकृति पहले ही दी जा चुकी है, लेकिन खरीद अपेक्षा से काफी कम हुई है।

किसान सभा ने कहा कि यदि केंद्रीय मंत्री का दावा गलत है तो राज्य सरकार उसका खंडन करे, और यदि सही है तो प्रदेश सरकार किसानों के सामने स्थिति स्पष्ट करे तथा खरीदी में हुई देरी की जिम्मेदारी तय करे।

संगठन ने मांग की कि प्रदेश में उत्पादित संपूर्ण मूंग की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर बिना किसी कोटा या सीमा के की जाए। साथ ही आंदोलनरत किसानों के संघर्ष को सफल बताते हुए किसान सभा ने सभी इकाइयों से खरीदी व्यवस्था के प्रभावी क्रियान्वयन पर नजर रखने की अपील की।

नाम सूधार सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै अक्षत कुमार आयु 20 वर्ष पिता अनमोल मेश्राम निवासी वार्ड नं. 13 रविदास भवन बूढी बालाघाट तह. व जिला बालाघाट म.प्र. का निवासी हुँ।

यह कि मेरे अंकसूची, आधार कार्ड, पेन कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, अन्य दसतावेजों में मेरा नाम अक्षत कुमार (AKSHAT KUMAR) अंकित है। एवं मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम अक्षत (AKSHAT) दर्ज है जो कि त्रुटिवश है।

अत: भविष्य में मेरे सभी दस्तावेजों में मेरा नाम अक्षत कुमार (AKSHAT KUMAR) ही पढा व सही समझा जाये।

अक्षत कुमार (AKSHAT KUMAR)
पिता अनमोल मेश्राम
वार्ड नं. 13 रविदास भवन बूढी
बालाघाट(म.प्र.)

नाम सूधार सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं ललित गौतम, ग्राम पोस्ट खरपड़िया तहसील परसवाड़ा का स्थाई निवासी हु, यह कि मेरे दो पहिया ड्राइविंग लाइसेंन्स क्रमांक -MP50N-2014-0103979 मे दर्ज त्रुटिवश नाम - ललित कुमार गौतम उम्र -46 वर्ष पिता श्री तेजराम गौतम जन्मतिथि -25/01/1980 दर्ज हैं। जबकि मेरे सभी दस्तावेजों में मेरा नाम ललित गौतम है।

अत: मुझे मेरे नाम ललित गौतम के नाम से जाना व पहचाना जाए।

ललित गौतम
ग्राम खरपडिया
तह. परसवाड़ा जिला बालाघाट(म.प्र.)

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम अंकिता चन्द्रकान्त अग्रवाल था जिसे बदलकर अंकिता अग्रवाल कर दिया गया है।

अत: मुझे अंकिता अग्रवाल (ANKITA AGRAWAL) पति हिमांशु अग्रवाल(HIMANSHU AGRAWAL) के नाम से जाना व पहचाना जावे।

सही नाम
अंकिता अग्रवाल
वार्ड न. 28 गुरूनानक पेट्रोल पंप
के पास गोंदिया रोड बालाघाट(म.प्र.)

न्यायालय तहसीलदार लालबर्रा, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट म.प्र.

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र. 0072/अ-20(3)/2025-26
मौजा पांढरवानी प.ह.नं. 26
रा.नि.मं. लालबर्रा तहसील लालबर्रा

एतद द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति लालबर्रा तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र. द्वारा ग्राम पांढरवानी रा.नि.मं. लालबर्रा तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र. स्थित शासकीय भूमि खसरा नंबर 318/1-319/1 रकबा 2.13 एकड़ में से 0.63 एकड़ भूमि पर कौशल उन्नयन व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र/शॉपिंग काम्प्लेक्स के निर्माण हेतु भूमि कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति लालबर्रा तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट को भूमि आवंटन किये जाने हेतु माननीय न्यायालय कलेक्टर, जिला बालाघाट म.प्र. में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में ग्राम पांढरवानी रा.नि.मं. लालबर्रा तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र. स्थित शासकीय भूमि खसरा नंबर 318/1-319/1 रकबा 2.13 एकड़ में से 0.63 एकड़ भूमि पर कौशल उन्नयन व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र/शॉपिंग काम्प्लेक्स के निर्माण हेतु भूमि कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति लालबर्रा तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट को भूमि आवंटन किये जाने पर किसी भी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा या आपत्ति है तो दिनांक 12/08/2026 के पूर्व स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। इसके पश्चात प्राप्त किसी भी दावा या आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 28/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा सहित जारी किया गया।

स्थान- लालबर्रा
दिनांक - 28/07/2026

तहसीलदार
तहसील-लालबर्रा, जिला-बालाघाट म.प्र.

आम सूचना

सूचित किया जाता है कि क्रेता श्रीमती कृष्णा साहु, पति श्री राधाकृष्ण साहु एवं श्री रामकृष्ण साहु पिता श्री राधाकृष्ण साहु निवासी बुढीमाई, महाराजपुर तह. जिला मण्डला (म.प्र.) के द्वारा दिनांक 08.12.2004 को क्रमश: खसरा न. 172/2, रकबा 0.03 हे. एवं खसरा नं. 172/1 रकबा 0.02 हे. एवं खसरा नं. 172/3 रकबा 0.01 हे. कुल रकबा 0.06 हे. प.ह.नं. 190/29/16 रा. नि.मं. बम्हनी ग्राम पेटेगांव तह. जिला मण्डला (म.प्र.) की भूमि विक्रेता क्रमश: श्री रामप्रसाद भावरे, पिता दयाल भावरे, निवासी पेटेगांव तह. जिला मण्डला (म.प्र.) एवं श्री सुमारू भावरे, पिता श्री पुरूषोत्तम भावरे ग्राम पेटेगांव तह. जिला मण्डला (म.प्र.) एवं श्री श्री भागचंद भावरे, पिता श्री पुरूषोत्तम भावरे निवासी ग्राम पेटेगावं तह. जिला मण्डला (म.प्र.) से क्रय किया गया हैं । उक्त रजिस्टर्ड विक्रय पत्र सब रजिस्ट्रार मण्डला के कार्यालय में क्रमश: दस्तावेज क्रं 1892, 1893, 1894 देकर पंजीबद्ध किया गया है।

यह कि श्रीमती कृष्णा साहु पति श्री राधाकृष्ण साहु का दिनांक 28.08.2025 को मृत्यु हो जाने के कारण तहसीलदार मण्डला के राजस्व प्रकरण क्रं. 950/अ-6/2025-26 दिनांक 12.12.2025 के आदेशानुसार श्री रामकृष्ण पिता श्री राधाकृष्ण साहु निवासी ग्राम पेटेगावं तह. जिला मण्डला (म.प्र.) का नाम वर्तमान खसरा नं. 172/1 रकबा 0.02 हे. एवं खसरा नं. 172/2 रकबा 0.03 हे. एवं खसरा नं. 172/3 रकबा 0.01 हे. कुल रकबा 0.06 हे. राजस्व अभिलेखो मे रामकृष्ण पिता राधाकृष्ण के नाम दर्ज है।

यह कि श्री रामकृष्ण साहु पिता श्री राधाकृष्ण साहु निवासी बुढीमाई, महाराजपुर तह. जिला मण्डला (म.प्र.) के द्वारा केपरी ग्लोबल केपिटल लिमिटेड, शाखा बालाघाट से अपनी अचल सम्पत्ति को बंधक कर ऋष्ण लिया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति या संस्था या विधिक वारसान उक्त अचल सम्पत्ति खसरा नं. 172/1 रकबा 0.02 हे. एवं खसरा नं. 172/2 रकबा 0.03 हे. एवं खसरा नं. 172/3 रकबा 0.01 हे. कुल रकबा 0.06 हे पर अपना विधिक अधिकार रखता है या किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हे तो वह प्रकाशन के 7 दिनों के अन्दर केपरी ग्लोबल केपिटल लिमिटेड, शाखा बालाघाट के अधिकृत अधिवक्ता श्री चित्रेश बहादुर श्रीवास्तव के समक्ष उपस्थित होकर अपनी आपत्ति या अपना दावा दर्ज करवा सकता है। इसके उपरांत किसी भी प्रकार की कोई भी आपत्ति अमान्य एवं शून्य होगी एवं केपरी ग्लोबल केपिटल लिमिटेड, शाखा बालाघाट पर बंधनकारी नहीं होगी।

सबब सूचना प्रेषित है।

चित्रेश बहादुर श्रीवास्तव

न्यायालय नायब तहसीलदार किरनापुर, जिला बालाघाट म.प्र.

रा.प्र.क्र./0030/ड-154/वर्ष 2026-27
रा.नि.मं. माटे तहसील किरनापुर
साकिन:- मुर्री प.ह.नं.42

समाचार पत्र प्रकाशन

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक केशोराम पिता घस्सू जाति मरार निवासी ग्राम मुर्री तहसील किरनापुर द्वारा अपने पिताजी घस्सू पिता घुडन कावरे की मृत्यु दिनांक 10/02/1995 को ग्राम मुर्री में मृत्यु हो जाने से मत्यु के 1 वर्ष पश्चात पंजीयन की अनुमति मिलने हेतु लोकसेवा केन्द्र किरनापुर के माध्यम से आवेदन पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया है।

अत: उक्त के संबंध में हित रखने वाले सभी व्यक्तियों को सूचित किया जाता है, कि वे निश्चित दिनांक 30/07/2026 को या तो स्वयं, किसी अभिभाषक अथवा प्रतिनिधी द्वारा उपस्थित होकर कोई आपत्ति हो तो प्रस्तुत करें। नियत दिनांक के बाद प्रस्तुत आपत्तियों पर कोई विचार नही किया जावेंगा। नियत दिनांक के पश्चात प्रस्तुत आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।आज दिनांक 16/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर के अधीन जारी किया गया।

तहसीलदार किरनापुर

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

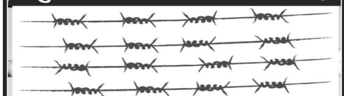

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

एफसीआरए मामले में वी.डी. सतीशन को क्लीन चिट

तिरुवनंतपुरम। केरल के गृह मंत्री रमेश चेन्निथला ने घोषणा की कि सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (वीएसीबी) ने वी.डी. सतीशन के खिलाफ 'पुनर्जनी' बाढ़ पुनर्वास परियोजना में विदेश अंशदान (विनियमन) अधिनियम (एफसीआरए) के कथित उल्लंघन से संबंधित जांच बंद कर दी है।

चेन्निथला ने बताया कि वीएसीबी को इस परियोजना में किसी भी अनियमितता या एफसीआरए के कथित उल्लंघन से सतीशन को जोड़ने वाला कोई सबूत नहीं मिला है। यह परियोजना सतीशन के परवूर निर्वाचन क्षेत्र में 2018 की बाढ़ से प्रभावित लोगों के पुनर्वास के लिए शुरू की गई थी। गृहमंत्री ने कहा कि जांच में पाया गया कि सतीशन किसी भी वित्तीय लेनदेन में सीधे तौर पर शामिल नहीं थे और उनके खिलाफ कोई निर्णायक सबूत नहीं मिला। उन्होंने उन आरोपों को खारिज किया कि राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद सतीशन को क्लीन चिट दी गई है। चेन्निथला ने स्पष्ट किया कि यह फैसला पूरी तरह से सतर्कता जांच के नतीजों और वीएसीबी निदेशक द्वारा सौंपी गई रिपोर्ट पर आधारित है।

मंत्री ने कहा कि जांच से यह साबित हुआ है कि सतीशन, मामला दर्ज करने के समय नेता प्रतिपक्ष थे, और उनका इस परियोजना से जुड़े किसी भी वित्तीय लेन-देन से कोई संबंध नहीं था। सभी वित्तीय लेनदेन मनापट्ठू फाउंडेशन के खातों के माध्यम से किए गए थे। जांच में निष्कर्ष निकाला गया है कि सतीशन ने 'भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम' के संबंधित प्रावधानों के तहत कोई अपराध नहीं किया था।

उल्लेखनीय है कि इस साल जनवरी में, पिनरायी विजयन के नेतृत्व वाली पिछली एलडीएफ सरकार के कार्यकाल के दौरान, वीएसीबी ने पुनर्जनी परियोजना के लिए विदेश से प्राप्त चंदे में हेराफेरी के आरोपों पर सतीशन के खिलाफ सीबीआई जांच की सिफारिश की थी। तब उन पर केंद्र से निजी यात्रा की अनुमति के बाद विदेश यात्रा करने और वहां से धन एकत्र कर केरल में अंतरित करने का आरोप था।

कर्नाटक में एचआईवी संकट गहराया- कॉलेजों में अनिवार्य हुए टेस्ट

बेंगलुरु। कर्नाटक में 18 से 25 साल की उम्र के छात्रों और युवाओं में एचआईवी संक्रमण के मामलों में तेज़ी से बढ़ोतरी देखी गई है। हाल ही में 7,000 से ज़्यादा युवा वायरस से संक्रमित मिले हैं, इस बात ने चिंता बढ़ा दी है। इन गंभीर आंकड़ों को देखकर कर्नाटक राज्य एड्स रोकथाम सोसाइटी के निर्देश पर राज्य सरकार ने सभी सरकारी, सहायता प्राप्त और निजी कॉलेजों में एचआईवी टेस्टिंग और काउंसलिंग कैंप लगाना अनिवार्य किया है। नेशनल एड्स कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन (एनएसीओ) के आंकड़ों के अनुसार, एचआईवी के साथ जी रहे लोगों की संख्या के मामले में कर्नाटक देश में तीसरे स्थान पर है। राज्य में लगभग 2,60,000 लोग वायरस के साथ जी रहे हैं, जिनमें से 2,05,000 एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी (एटीआर) ले रहे हैं। चिंताजनक बात यह है कि अनुमानित 56,406 लोगों को अभी भी अपने एचआईवी स्टेटस के बारे में पता नहीं है, जिससे शुरुआती जांच और उपचार में बाधा आ रही है। आंकड़ों से पता चलता है कि 18 से 35 साल के आयु वर्ग में संक्रमण सबसे तेज़ी से फैल रहा है, जिसके 2025-26 तक 66,600 मामलों तक पहुँचने का अनुमान है। युवाओं में असुरक्षित यौन संबंध, विशेषकर पुरुषों के बीच होने वाले यौन संबंधों से जुड़े जोखिमों के प्रति जागरूकता की कमी एक बड़ा कारण है। साथ ही, सामाजिक बदनामी, भेदभाव का डर और यह धारणा कि उन्हें कोई खतरा नहीं है, स्वैच्छिक परीक्षण में कमी ला रही है। इस चुनौती का सामना करने के लिए, इंजीनियरिंग और डिग्री कॉलेजों में एकीकृत स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे। इस पहल को लागू करने में विश्वेश्वरैया टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी (वीटीयू) और डिपार्टमेंट ऑफ़ कॉलेजिएट एजुकेशन सक्रिय भूमिका निभाएंगे। इसके अलावा, कॉलेजों में सक्रिय रेड रिबन क्लब पहले से ही बहस, नाटक और विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से जागरूकता फैलाने में मदद कर रहे हैं, ताकि युवाओं को सुरक्षित व्यवहार और समय पर जांच के महत्व के बारे में शिक्षित किया जा सके।

न्यूज गैलरी

पानी में डुबने से मृत व्यक्ति की पत्नी को 04 लाख रुपए की सहायता राशि मंजूर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट तहसील के ग्राम भरवेली के निवासी बिसन ठवरे की 02 जून 2026 को कुए के पानी में डुबने से मृत्यु हो जाने के कारण बालाघाट के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व गोपाल सोनी ने राजस्व पुस्तक परिपत्र 06-04 के प्रावधानों के तहत उसकी वारिस पत्नी रूखमा ठवरे को 04 लाख रुपए की सहायता राशि मंजूर की है। बालाघाट तहसीलदार को निर्देशित किया गया है कि कोषालय में देयक प्रस्तुत कर रूखमा ठवरे के बैंक खाते में ईपेमेंट से शीघ्र 04 लाख रुपए की राशि जमा कराए।

लोन की किस्त जमा नहीं कर पाने से परेशान युवक ने किया सल्फास का सेवन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लामता थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम चरेगांव में लोन की किस्त जमा नहीं कर पाने से परेशान होकर एक युवक ने सल्फास का सेवन कर लिया। सल्फास के सेवन से अस्वस्थ युवक हर्षवर्धन पिता सत्यनारायण डहेरिया को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार हर्षवर्धन दो भाई मैं छोटा है। बताया गया है कि हर्षवर्धन ने प्राइवेट फाइनेंस कंपनी से लोन लिया था। किंतु लोन की किस्त जमा नही होने पर फाइनेंस कंपनी वाले किस्त लेने के लिए उसके घर में लगातार आ जा रहे थे। लोन की किस्त ना पटाने के कारण हर्षवर्धन परेशानी में चल रहा था। 29 जुलाई के शाम 5:30 बजे लोन की किस्त ना पटाने के परेशान होकर हर्षवर्धन ने घर में रखी सल्फास का सेवन कर लिया। जिसे उसके परिजनों ने जिला अस्पताल बालाघाट में लाकर भर्ती किये। जिसका इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है।

डबल मनी मामलें में फिर खुलेंगे राज, मास्टरमाइंड सोमेंद्र समेत तीन आरोपी पांच दिन की पुलिस रिमांड पर

कोर्ट ने दोबारा पूछताछ की दी अनुमति, 263 निवेशकों की सूची जारी, एसआईटी ने जांच तेज की

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के बहुचर्चित करोड़ों रुपये के डबल मनी मामलें में पुलिस की विशेष जांच टीम (एसआईटी) एक बार फिर बड़ी कार्रवाई की तैयारी में है। पहले चरण की पूछताछ पूरी होने के बाद गुरुवार को पुलिस ने मुख्य आरोपी एवं मास्टरमाइंड सोमेंद्र कंकरायने सहित अन्य आरोपियों को न्यायालय में पेश कर दोबारा पुलिस रिमांड की मांग की। पुलिस ने अदालत के समक्ष तर्क दिया कि मामले की जांच अभी कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर अधूरी है और आरोपियों से पूछताछ के आधार पर लगातार नए तथ्य सामने आ रहे हैं। सुनवाई के बाद न्यायालय ने सोमेंद्र कंकरायने, तामेश मंसुरे और प्रदीप कंकरायने को पांच दिन की पुलिस रिमांड पर सौंप दिया, जबकि अन्य पांच आरोपी राकेश मंसुरे, दिनेश कंकरायने, रामप्रसाद मंसुरे, प्रदुम कंकरायने और रूखचंद हरदे को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

डबल मनी प्रकरण में यह दूसरी बार है जब मुख्य आरोपी को पुलिस रिमांड मिली है। इससे पहले हुई पूछताछ के दौरान एसआईटी ने आरोपियों के ठिकानों से करोड़ों रुपये की संपत्ति से जुड़े दस्तावेज, बड़ी संख्या में रजिस्टर, बैंक चेक, जमीनों की रजिस्ट्रियां, बैंक रिकॉर्ड और अन्य वित्तीय दस्तावेज जब्त किए थे। हाल ही में पुलिस ने सोमेंद्र कंकरायने से जुड़े दो लग्जरी वाहन भी जब्त किए हैं। लगातार मिल रहे दस्तावेजों और नए सुरागों के बाद पुलिस का मानना है कि मामले में अभी कई महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आना बाकी हैं। यही कारण है कि दोबारा रिमांड लेकर आरोपियों से विस्तृत पूछताछ की जा रही है। पुलिस रिमांड बढ़ने के बाद पूरे जिले में एक बार फिर डबल मनी प्रकरण चर्चा का विषय बन गया है। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक इस बात की चर्चा है कि एसआईटी की आगामी पूछताछ में और कौन-कौन से नाम सामने आ सकते हैं। लोगों के बीच यह भी जिज्ञासा बनी हुई है कि करोड़ों रुपये के इस नेटवर्क में धन के निवेश, संपत्तियों की खरीद, लेन-देन और कथित सहयोगियों से जुड़े कौन से नए तथ्य उजागर होंगे। हालांकि पुलिस ने अभी तक किसी नई गिरफ्तारी या नए नामों की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है और जांच को पूरी तरह गोपनीय रखा गया है। इधर एसआईटी निवेशकों की पहचान और उनके दावों के सत्यापन की प्रक्रिया भी लगातार आगे बढ़ा रही है। आरोपियों के कब्जे से जब्त रजिस्टरों के आधार पर पुलिस ने अब तक दो चरणों में कुल 263 निवेशकों की सूची सार्वजनिक की है। पहली सूची में 113 और दूसरी सूची में 150 निवेशकों के नाम जारी किए गए हैं। सूची में शामिल निवेशकों को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में बनाए गए विशेष हेल्प डेस्क पर बुलाकर आवेदन, बैंक दस्तावेज, चेक और निवेश से संबंधित अन्य अभिलेख जमा कराए जा रहे हैं, ताकि प्रत्येक निवेशक के दावे का रिकॉर्ड तैयार किया जा सके। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में प्रतिदिन बड़ी संख्या में निवेशक पहुंच रहे हैं। कोई वर्षों पहले जमा की गई अपनी जीवनभर की बचत का रिकॉर्ड लेकर पहुंच रहा है तो कोई अपने परिजनों द्वारा किए गए निवेश का दावा दर्ज करा रहा है। वहीं बड़ी संख्या में ऐसे निवेशक भी हैं, जिनके नाम अभी तक जारी सूची में शामिल नहीं हुए हैं। ऐसे लोगों से पुलिस लगातार धैर्य बनाए रखने और अगली सूची जारी होने तक प्रतीक्षा करने की अपील कर रही है। एसआईटी का कहना है कि जब्त रजिस्टरों का सत्यापन चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा है और जैसे-जैसे रिकॉर्ड की जांच पूरी होगी, नई सूची भी जारी की जाएगी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि डबल मनी घोटाले की जांच केवल आरोपियों की गिरफ्तारी तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे आर्थिक नेटवर्क को खंगालने पर फोकस किया जा रहा है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि निवेशकों से एकत्र की गई राशि कहां-कहां निवेश की गई, किन संपत्तियों की खरीद में उसका उपयोग हुआ और इस पूरे नेटवर्क में किन-किन लोगों की क्या भूमिका रही। पांच दिन की नई पुलिस रिमांड को इसी जांच का अहम चरण माना जा रहा है। अब सबकी नजर एसआईटी की पूछताछ पर है कि आने वाले दिनों में इस बहुचर्चित घोटाले से जुड़े और कौन से नए तथ्य सामने आते हैं।

पावन श्रावण मास में पूरे महीने चलेगा अखंड श्रीरामचरितमानस पाठ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पावन श्रावण मास के शुभ अवसर पर श्री सिद्धपीठ विष्णुधाम मंदिर, हीरापुर (भरवेली) में धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण के बीच अखंड श्रीरामचरितमानस पाठ का विधिवत शुभारंभ किया गया है। यह अखंड पाठ संपूर्ण श्रावण मास के दौरान निरंतर आयोजित किया जाएगा।बताया गया कि यह धार्मिक आयोजन विश्व की सबसे ऊंची 205 फीट दिव्य श्री हनुमान जी महाराज की प्रतिमा एवं भव्य मंदिर निर्माण के महा संकल्प की सिद्धि के लिए आयोजित किया जा रहा है। इसके साथ ही भगवान श्रीराम एवं पवनपुत्र श्री हनुमान जी महाराज की कृपा, धर्म रक्षा, राष्ट्र कल्याण एवं समस्त मानव समाज के मंगल की कामना की जा रही है। प्रात: विधि-विधान एवं पूजन-अर्चन के साथ अखंड श्रीरामचरितमानस पाठ का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीराम, माता सीता एवं पवनपुत्र हनुमान जी का पूजन कर अखंड मानस पाठ का संकल्प लिया। मंदिर परिसर में रामचरितमानस की चौपाइयों एवं भगवान श्रीराम के जयकारों से भक्तिमय वातावरण निर्मित हो गया।

श्रावण मास में निरंतर होगा मानस पाठ

बताया गया कि पूरे श्रावण मास में श्रीरामचरितमानस का अखंड पाठ जारी रहेगा। इसमें श्रीरामायण पाठ मंडलियों, भजन मंडलियों, श्रद्धालुओं एवं धर्मप्रेमी नागरिकों की सहभागिता रहेगी। आयोजन समिति ने सभी धर्मप्रेमी नागरिकों से इस पावन आयोजन में सहभागी बनने का आह्वान किया है।सिद्धपीठ विष्णुधाम मंदिर के अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी ने बताया कि श्रावण मास की पावन बेला में अखंड श्रीरामचरितमानस पाठ का आयोजन भगवान श्रीराम एवं पवनपुत्र श्री हनुमान जी महाराज की कृपा प्राप्त करने और 205 फीट दिव्य श्री हनुमान जी महाराज की प्रतिमा एवं भव्य मंदिर निर्माण के महा संकल्प को सिद्ध करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि धर्म, संस्कृति, राष्ट्र कल्याण और जन-जन की आस्था से जुड़ा महा संकल्प है। उन्होंने सभी रामभक्तों एवं धर्मप्रेमी नागरिकों से इस आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में जुड़ने की अपील की।

पूर्णाहुति, महायज्ञ के साथ किया गया प्रसाद वितरण

अखंड श्रीरामचरितमानस पाठ की पूर्णाहुति 30 अगस्त 2026 को होगी। इस अवसर पर प्रात: अखंड पाठ की पूर्णाहुति के साथ वैदिक हवन एवं पूर्णाहुति महायज्ञ आयोजित किया जाएगा। इसके बाद सेवक एवं पाठ में सहभागी रहे पाठकों का सम्मान समारोह होगा तथा शाम को श्रीराम भोज एवं महाप्रसाद का आयोजन किया जाएगा।समापन समारोह में आयोजन से जुड़े सेवाभावी श्रद्धालुओं एवं पाठकों को सम्मान-पत्र, स्मृति-चिह्न (मोमेंटो) एवं विशेष उपहार प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा।

कल से जिले की सभी 126 समितियों में लटकेंगे ताले ?

वर्षो से लंबीत मांगों को लेकर सहकारिता कर्मचारियों ने भरी हुंकार : मप्र सहकारी समिति कर्मचारी महासंघ के बैनर तले सौपा ज्ञापन : मांग पूरी करने 31 जुलाई तक का दिया अल्टीमेटम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वर्षों से लंबित अपनी विभिन्न सूत्रीय मांगे पूरी न होने से सहकारिता कर्मचारी प्रदेश सरकार से खासा नाराज है। जहां अपनी विभिन्न मांगों को लेकर बार-बार आवेदन निवेदन करने और ज्ञापन सौंपने के बावजूद भी उनकी समस्याओं का निराकरण नहीं किया जा रहा है।जिस पर अपनी नाराजगी जताते हुए अब सहकारिता कर्मचारियों ने आंदोलन किए जाने की रणनीति बनाई है।जिसकी जानकारी देने और वर्षो से लम्बित जिला व प्रदेश स्तरीय विभिन्न मांगों को लेकर सहकारिता कर्मचारियों ने जिला सहकारी बैंक मर्यादित बालाघाट में एक ज्ञापन सौपा है।मध्य प्रदेश सहकारिता समिति कर्मचारी महासंघ के बैनर तले सौंपे गए इस ज्ञापन में वेतनमान वृद्धि ,पदोन्नति, वादे के मुताबिक अतिरिक्त भुगतान सहित अन्य स्थानीय व प्रदेश स्तरीय मांगों को तत्काल पूरा किए जाने की गुहार लगाई गई है। मुख्यमंत्री, सहकारिता मंत्री और खाद्य मंत्री के नाम सौपे गए इस ज्ञापन में महासंघ द्वारा शासन को 31 जुलाई तक का अल्टीमेटम दिया गया है।जहां उन्होंने मांग पूरी ना होने पर जिले की सभी समितियों में ताले जड़कर, अनिश्चितकालीन हड़ताल किए जाने की चेतावनी दी है ।

इन मांगों को लेकर सौपा ज्ञापन

सौंपे गए इस ज्ञापन में मप्र सहकारिता समिति कर्मचारी महासंघ द्वारा कमीशन वृद्धि ,अन्य खर्चो की भरपाई ,तौल और मानदेय ,केडर भर्ती में पारदर्शिता और सहकारी

समितियों से सीनियारिटी के हिसाब से केडर में 60प्रतिशत भर्ती वेतन व्रद्धि, नियमितीकरण नियमित सेवा नियमानुसार वेतन का भुगतान करने, सभी कर्मचारी के वेतन में वृद्धि किए जाने, पैक्स कर्मचारियों को बैंक में चयनित करने, तत्काल पदोन्नति किए जाने, अक्टूबर 2023 से वादे के अनुरूप 3000 रु प्रति विक्रेता वेतन देने, किसानों को समितियो द्वारा किए जाने वाले धान उपार्जन का तत्काल बकाया भुगतान किए जाने सहित अन्य स्थानीय व प्रदेश स्तर की समस्त मांगों को तत्काल पूरा किए जाने की गुहार लगाई है।

हड़ताल से राशन वितरण प्रणाली पर पड़ेगा सबसे अधिक असर

बताया गया कि सहकारी समितियों के हड़ताल पर जाने से हमेशा की तरह किसानों और गरीब राशन उपभोक्ताओं की परेशानियां बढ़ जाएगी जिसमे खाद वितरण ,नगदी चेक भुगतान व जमा राशन वितरण जैसी समस्याये आएगी ! सहकारी कर्मियों का कहना है कि पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान ने वर्ष 2022-23 में सभी विभागों के कर्मचारियों के लिए उच्च वेतनमान ,नियमितीकरण संविदा कर्मचारियों को स्थाई वेतनमान एवं सेवानिवृत्त होने पर सम्मानजनक राशि दिए जाने के आदेश दिए थे लेकिन सहकारिता कर्मचारियों को किसी प्रकार का लाभ आजतक नही दिया जा रहा है

कई बार लगा चुके है गुहार नही हो रही सुनवाई- पीसी चौहान

ज्ञापन को लेकर की गई चर्चा के दौरान मध्यप्रदेश सहकारी कर्मचारी महासंघ जिला अध्यक्ष पिसी चौहान ने बताया कि प्रदेश संगठन के आव्हान पर आज जिला सहकारी कर्मचारी महासंघ बालाघाट के सहकारी कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगो के निराकरण को लेकर प्रदेश सरकार के नाम ज्ञापन सौपा है।उन मांगो को पूरा करने के लिए 31 जुलाई तक का समय सरकार को दिया गया है।क्यो की आदेश के बावजूद भी कर्मचारियों के हितों में उचित कदम नही उठाए जा रहे है।वेतन वृद्धि,कमीशन बढ़ाने, की भी मांग पुरी नही की जा रही है। पदोन्नति से कर्मचारियों को वंचित रखा जा रहा है।वही अन्य मांगे भी है जिनको लेकर कई बार आवेदन निवेदन ज्ञापन सौपकर मांगे पूरी करने की गुहार लगाई गई है ।लेकिन हमारी कही कोई सुनवाई नही हो रही है।यदि 31 जुलाई तक हमारी लम्बित मांगो का निराकरण प्रदेश सरकार द्वारा नही किया जाता है तो , प्रदेश सहित बालाघाट जिले के भी समस्त सहकारिता कर्मी अनिश्चितकालीन काम बंद हड़ताल पर चले जायेंगे ,जिसकी समस्त जिम्मेदारी सरकार की होगी।

इधर चल रहा नशामुक्ति अभियान, उधर गांव गांव में बिक रही अवैध शराब?

अवैध शराब, बिक्री पर तत्काल लगाई जाए रोक : खैरलांजी के ग्राम भेण्डारा ढिमर टोला की महिलाओं ने सौपा ज्ञापन : आरोपियों पर वैधानिक कार्यवाही ना करने का लगाया आरोप

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। एक ओर बालाघाट जिला ही नही बल्कि सम्पूर्ण मप्र में पुलिस द्वारा नशा से दूरी अभियान चलाया जा रहा है तो वही दूसरी तरफ प्रदेश शासन के निर्देशन पर जिले में अवैध शराब निर्माण और उसकी बिक्री रोकने के लिए जिम्मेदारो द्वारा बड़ी संख्या में रोजाना ही कार्यवाही की जा रही है। बावजूद इसके भी पुलिस,अवैध शराब की बिक्री पर पूर्णत: रोक लगाने में नाकाम साबित हो रही है।शायद यही वजह है कि संपूर्ण जिले में अवैध शराब की बिक्री धड़ल्ले से चल रही है।अवैध शराब की बिक्री का ताजा मामला खैरलांजी तहसील, थाना रामपायली के अंर्तगत आने वाले ग्राम भेण्डारा से सामने आया है।जहा से आए करीब एक दर्जन से अधिक महिला पुरुषों ने कलेक्ट्रेट में ज्ञापन सौपकर गांव में तत्काल शराब बंदी किए जाने की मांग की है।क्रांतिकारी बिरसा मुंडा नशा मुक्ति समिति के बैनर तले सौपे गए इस ज्ञापन में समिति के पदाधिकारी और अन्य ग्रामीणों ने उनके गाव में शराब बिक्री होने से बच्चों और युवाओं में नशे की लत लगने और गांव का माहौल खराब होने की बात कहते हुए इस मामले में कोई कार्रवाई न होने पर अपनी नाराजगी जताई है।

स्कूल मंदिर के पास भी घूमते है शराबी

उक्त मांग को लेकर ज्ञापन सौंपने पहुंचे ग्रामीणों ने बताया कि उनके गांव में कच्ची शराब का अवैध कारोबार तेज गति से चल रहा है। गांव में कई जगह शराब बेची जा रही है। यहां तक की स्कूल और मंदिर के पास भी शराबी घूमते रहते है रोजाना शाम को शराबियों का जमघट गांव के चौक, चराहो पर लग जाता हैं जिसके चलते गाँव मे लड़ाई झगडे होते रहते है और ग्राम की शांति व्यवस्था भंग होती है।शराब पीने के बाद पुरुष वर्ग द्वारा महिलाओ को प्रताडित भी किया जाता है।

समिति बनाकर जुर्माने का भी किया गया प्रावधान, पर नहीं हो रही शराबबंदी

ग्रामीणों ने बताया कि गांव में कुछ लोग खुलेआम अवैध तरीके से शराब, धडल्ले से बेच रहे है जिससे गांव का माहौल ख़राब हो रहा है।आये दिन गावं में जुआ, लड़ाई झगड़ा, मारपीट गंदी-गंदी गाली गलौच का माहौल बना हुआ है। जिससे स्कूली बच्चे एवं लडकियाँ एवं माताएं बहनों पर विपरित प्रभाव पड़ने की वजह बहुत परेशान है।जिसकी सूचना ग्राम पंचायत को लिखित में दी जा चुकी है। उसके बाद भी शराब बंदी नही हुई। शिकायत थाने में भी दी गई है। ग्रामीणों के द्वारा नशा मुक्ति समिति बनाई गई।जिसमें निर्णय लिया गया है कि शराब बेचने वालो पर जुर्माना एवं पता बताने वालो को इनाम रखा गया है। जिसके बाद भी गांव में शराबबंदी नहीं हो पा रही है इसीलिए हम पुलिस सहयोग की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट कार्यालय आए हैं।

बच्चे युवा भी खुलेआम कर रहे नशे का सेवन

उक्त मांग को लेकर कलेक्ट्रेट कार्यालय में सौपे गए ज्ञापन में ग्रामीण महिलाओं ने बताया कि उनके गाँव में जगह जगह अवैध शराब निर्माण और बिक्री का कार्य किया जाता है जिससे गाँव का माहौल खराब हो रहा है तहसील व थाना में अनेकों बार शिकायत कि गई है, लेकिन आज दिनांक तक कोई कार्यवाही पुलिस के द्वारा नही कि गई है।जिससे परेशान होकर आज हम ज्ञापन लेकर कलेक्ट्रेट आए है।ताकि कच्ची शराब बिक्री करने वालो के खिलाफ जल्द से जल्द कार्यवाही की जाए।उन्होंने बताया कि गांव के कुछ लोग अवैध शराब की बिक्री करते हैं। जिससे गांव में छोटे-छोटे बच्चे नशे का शिकार हो रहे हैं कई बार शिकायत करने पर भी अवैध शराब बेचने वालो पर कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है।

पूरे गाँव को किया जाए नशा मुक्त

क्रांतिकारी बिरसा मुंडा नशा मुक्ति समिति पदाधिकारी श्रीमती गोदावरी धुर्वे और श्रीमती ललिता बाई पन्द्रे सहित ग्रामीणों ने गांव के कुछ लोगों पर चोरी छिपे शराब बनाने और उस शराब को अवैध तौर पर बेचने का आरोप लगाते हुए, उनकी शिकायत पर अब तक कोई कार्यवाही ना होने की बात कही है। जिन्होंने अवैध शराब बनाने और उसकी बिक्री करने वालों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं किए जाने का आरोप लगाया है तो वही उन्होंने सम्पूर्ण गाँव में शराबबंदी और नशा मुक्ति की मांग को जल्द से जल्द पूरा किए जाने की गुहार लगाई है।

उदासीटोला-टेंगनीकला पुल पर मंडराया बड़ा खतरा

नाले की धंसी रिटर्निंगवॉल, तेज बहाव में कभी भी बह सकता है पुल, मिट्टी का हो रहा तेजी से कटाव

ग्रामीण एवं किसानों ने नवीन रिटर्निंगवॉल का निर्माण एवं पुल का जीर्णोद्वार करवाने की शासन-प्रशासन से की मांग

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी के अंतर्गत आने वाले ग्राम उदासीटोला और टेंगनीकला पहुंच मार्ग के बीच स्थित नाले के ऊपर बना पुल वर्तमान में ग्रामीणों के लिए खतरे की घंटी बना हुआ है। लगातार पानी से मिट्टी कटाव और रखरखाव के अभाव में पुल की स्थिति जर्जर होने लगी है। साथ ही पूर्व में बनाये गये रिटर्निंगवॉल गुणवत्ताहीन होने के कारण क्षतिग्रस्त हो चुकी है। जिसके कारण बारिश होने एवं नाले में बाढ़ आने पर धीरे-धीरे मिट्टी का कटाव होने लगा है। जिससे किसानों की खेतों की मिट्टी कटाव होने से उनकी फसल भी खराब होने से किसान परेशान है। वहीं बारिश के इस मौसम में यदि तेज बारिश होने पर नाले में बाढ़ आई तो यह पुल कभी भी धराशायी हो सकता है जिससे कई गांवों का संपर्क तहसील मुख्यालय से पूरी तरह टूट जायेगा। साथ ही नाले के दोनों साइड सुरक्षा की दृष्टि से रैलिंग भी नही है, ऐसी स्थिति में अगर नाले में अत्यधिक पानी बहने के दौरान अगर कोई व्यक्ति पुल से गुजरते समय उनका वाहन अनियंत्रित होता है तो वे सीधे नाले में गिर सकते है जिससे बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है। जबकि लंबे समय से ग्रामीण, राहगीर एवं किसानों के द्वारा उदासीटोला और टेंगनीकला पहुंच मार्ग के बीच स्थित नाले का मरम्मत (जीर्णोद्वार) कार्य, मिट्टी कटाव रोकने के लिए रिटर्निंगवॉल, सुरक्षा की दृष्टि से रेलिंग लगाने की मांग कर रहे है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इन मांगों को पूरा नही किया जा रहा है जिससे प्रशासन के प्रति लोगों में रोष व्याप्त है।

कमजोर बेस और उखड़े पत्थर बढ़ा रहे हादसे का अंदेशा

आपकों बता दे कि लालबर्रा से टेंगनीकला पहुंच मार्ग के बीच से नाला गुजरा हुआ है और पूर्व में नाले के ऊपर पुल नही होने से आवागमन करने वालों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ता था। उक्त समस्या को देखते हुए प्रशासन के द्वारा विगत वर्ष पूर्व डामरीकरण सड़क निर्माण के साथ ही नाले के ऊपर पुल का निर्माण करवाया गया है। साथ ही मिट्टी कटाव न हो उसके लिए पत्थर का रिटर्निंगवॉल बनाया गया था। लेकिन यह कार्य गुणवत्तापूर्ण नही होने के कारण पत्थर का रिटर्निंगवॉल क्षतिग्रस्त हो चुका है एवं पुल की स्थिति भी कमजोर होने लगी है। इस तरह से नाले में तेज गति से पानी बहने पर नाले किनारे स्थित किसानों के खेतों की मिट्टी का कटाव हो रहा है एवं पुल के नीचे की मिट्टी कटाव होने एवं देख-रेख के अभाव में कमजोर स्थिति में पहुंच रहा है। ऐसी स्थिति में नाले में बाढ़ आने पर पुल धराशायी हो सकता है और किसी भी समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे ग्रामीणजन, किसान एवं राहगीरों में प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। वहीं ग्रामीण एवं राहगीरों का कहना है कि पुल का निचला हिस्सा (बेस) पानी के तेज बहाव के कारण कमजोर होने लगा है। साथ ही मिट्टी के कटाव को रोकने के लिए बनाई गई रिटर्निंगवॉल जगह-जगह से टूटकर धंस गई है और उसमें लगे भारी-भरकम पत्थर भी निकल चुके हैं। इस वर्ष अगर तेज बारिश होती है एवं नाले में बाढ़ आती है तो धंसी हुई रिटर्निंगवॉल पूरी तरह बह सकती है। जिससे न केवल पुल क्षतिग्रस्त होगा, बल्कि नाले से सटे खेतों के किसानों की उपजाऊ भूमि की कटाव भी तेजी से होगा जिससे किसानों को काफी नुकसान होगा।

दर्जनों गांवों का मुख्य मार्ग, रोज गुजरते हैं सैकड़ों ग्रामीण

यह पुल क्षेत्र का एक बेहद महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है। इस मार्ग से उदासीटोला, टेंगनीकला सहित आसपास के दर्जनों गांवों के ग्रामीणों के लिए नगर मुख्यालय तक पहुंचने का यही एकमात्र सुगम रास्ता है। इस मार्ग से स्कूली बच्चें, किसान, मजदूर और ग्रामीणजन रोजाना लालबर्रा मुख्यालय आना-जाना करते है। किन्तु पुल और रिटर्निंगवॉल के क्षतिग्रस्त होने से हर पल किसी बड़े हादसे की आशंका बनी रहती है। इसलिए ग्रामीणजन एवं राहगीरों ने प्रशासन से गुहार लगाई है कि किसी बड़ी अनहोनी या जान-माल के नुकसान का इंतजार किये बिना समय रहते पुल के कमजोर हो चुके बेस और क्षतिग्रस्त हिस्सों का तत्काल जीर्णोद्वार करवाये, नाले के किनारे मजबूत रिटर्निंग वॉल का पुनर्निर्माण करवाये जाये ताकि मिट्टी के कटाव को रोका जा सके।

मिट्टी के कटाव से उपजाऊ भूमि और रास्तों को खतरा - फिरोज

आम आदमी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष फिरोज नियाजी ने बताया कि पांढरवानी के उदासीटोला एवं टेंगनीकला के बीच से नाला गुजरा है, नाले और पुल के आसपास की मिट्टी का लगातार कटाव हो रहा है और किनारे धंसते जा रहे हैं। इसके कारण आसपास के किसानों की उपजाऊ कृषि भूमि धीरे-धीरे नाले में समा रही है, जिससे किसानों को भारी नुकसान झेलना पड़ रहा है। श्री नियाजी ने बताया कि इस मार्ग से रोजाना स्कूली बच्चें, किसान एवं राहगीर भी आवागमन करते है, लेकिन सुरक्षा की दृष्टि से नाले के दोनों ओर रेलिंग भी नही है और मिट्टी कटाव होने से पुल की स्थिति कमजोर होते जा रही है और हर समय दुर्घटना होने की आंशका बनी हुई है। इसलिए प्रशासन से मांग है कि पुल का जीर्णोध्दार, मिट्टी कटाव को रोकने के लिए रिटर्निंगवॉल का निर्माण एवं पुल के दोनों साइड रेलिंग लगाये ताकि ग्रामीणजन एवं राहगीर सुरक्षित आवागमन कर सके।

अवैध कॉलोनियों पर एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल का बड़ा एक्शन, 8 लोगों पर एफआईआर के निर्देश

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जिले में शासकीय भूमि पर अवैध प्लॉटिंग और कॉलोनी विकास के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रूख अपनाया है। वारासिवनी एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल ने ग्राम गर्रा (लालबर्रा) में अवैध कॉलोनियों के दो अलग-अलग मामलों में कुल आठ लोगों के विरूध्द एफआईआर दर्ज करवाने के निर्देश जारी किये है। 23 जुलाई को पारित आदेश के अनुसार तहसीलदार लालबर्रा की जांच में सामने आया कि ग्राम गर्रा के विभिन्न खसरा नंबरों की भूमि पर सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के बिना अवैध प्लॉटिंग कर कॉलोनी विकसित की जा रही थी। जांच के दौरान कॉलोनी विकास से संबंधित आवश्यक स्वीकृतियां, ले-आउट अनुमोदन एवं विकास अनुज्ञा प्रस्तुत नहीं की गई। साथ ही शासकीय भूमि पर क'ची सड़क, पुलिया एवं अन्य निर्माण कर अतिक्रमण किये जाने की भी पुष्टि हुई है। वहीं एसडीएम न्यायालय ने मामले को मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 61-घ के तहत गंभीर मानते हुए पूर्व में जारी नोटिसों और सुनवाई के बावजूद संतोषजनक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किये जाने पर कार्यवाही के आदेश दिये है। पहले प्रकरण में जितेन्द्र उर्फ बुलेश्वर डहाके, अनीता/राजेश टेम्भरे, अर्चना/देवेन्द्र बोपेचे एवं सुनील वल्द लोखिराम हनवत के विरूध्द, जबकि दूसरे प्रकरण में दिलीप भैरम, जितेन्द्र वल्द बुलेश्वर, सोमेश्वर वल्द मोहनसिंह गोंड एवं इंदिरा जौजे उत्तमचंद कोठारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाने के निर्देश दिये गये है। एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल ने राजस्व निरीक्षक एवं संबंधित हल्का पटवारी को आदेश का तत्काल पालन करते हुए निर्धारित समय सीमा में एफआईआर दर्ज करवाने और उसकी प्रति न्यायालय में प्रस्तुत करने के निर्देश दिये हैं। साथ ही तहसीलदार लालबर्रा को भविष्य में संबंधित व्यक्तियों द्वारा अवैध भू-खंडों के विक्रय या निर्माण की सूचना मिलते ही तत्काल न्यायालय को अवगत कराने के निर्देश भी दिये हैं। साथ ही प्रशासन की इस कार्यवाही को जिले में अवैध कॉलोनियों के खिलाफ बड़ी कार्यवाही माना जा रहा है।

बजरंग मंदिर में अखण्ड रामायण पाठ का हुआ शुभारंभ

सावन मास भर गूंजेंगी श्रीरामचरितमानस की चौपाइयां, 46 वर्षों से जारी है परंपरा, रक्षाबंधन के दूसरे दिन होगा समापन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित बजरंग मंदिर में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी सावन मास के पावन अवसर पर 30 जुलाई को अखंड रामायण पाठ का विधि-विधान से शुभारंभ किया गया। यह धार्मिक अनुष्ठान संपूर्ण सावन मास में निरंतर जारी रहेगा। सावन मास के प्रारंभ होते ही नगर सहित ग्रामीण अंचलों के शिव मंदिरों में हर-हर महादेव का जयघोष गूंजने लगा है। गुरूवार को प्रात: 10 बजे बजरंग मंदिर के पुजारी द्वारा मुख्य यजमान की मौजूदगी में वैदिक मंत्रो%चार एवं पूजन-अर्चन करवाकर अखण्ड रामायण पाठ का श्रीगणेश करवाया गया। आपकों बता दे कि सावन मास के प्रारंभ होते ही नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में स्थित शिव मंदिरों में भोलेनाथ की पूजा अर्चना की गई और हर-हर महादेव के गीतों से क्षेत्र गुंजमान्य होने लगा है। नगर मुख्यालय में स्थित बजरंग मंदिर में विगत 46 वर्षों से संपूर्ण सावन मास में अखंड रामायण पाठ का वाचन धर्मप्रेमियों द्वारा किया जा रहा है। जिसमें दिन में महिलाओं व रात्रि में पुरूष व युवा वर्ग के द्वारा शामिल होकर अखण्ड रामायण पाठ का वाचन किया जा रहा है। मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि नगर के बुजुर्गों के द्वारा शुरू की गई यह धार्मिक नींव आज भी निरंतर जारी है। बजरंग मंदिर में विगत 46 वर्षों से सावन मास में अखंड रामायण पाठ का आयोजन किया जा रहा है। गुरूवार को सावन मास के पावन अवसर पर मंदिर में विधि-विधान से पूजा अर्चना कर अखण्ड रामायण पाठ का शुभारंभ किया गया है। जिसका वाचन संपूर्ण सावन मास की समाप्ति तक जारी रहेगा। आगे बताया कि इस अखंड रामायण पाठ की मुख्य विशेषता यह है कि दिन के समय महिलाएं और रात्रि के समय पुरूष व युवा वर्ग संगीतमय शैली में श्रीरामचरितमानस की चौपाइयों का वाचन करते हैं। साथ ही यह भी बताया कि सावन मास में भगवान भोलेनाथ एवं श्रीराम जी की विशेष पूजा-अर्चना का धार्मिक महत्व है, जिससे मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। इस अखंड पाठ का समापन रक्षाबंधन पर्व के दूसरे दिन हवन-पूजन, पूर्णाहुति एवं विशाल महाप्रसादी वितरण के साथ किया जायेगा। इस धार्मिक कार्यक्रम अखण्ड रामायण पाठ में श्रध्दालुओं से उपस्थित होने की अपील बजरंग मंदिर समिति ल ालबर्रा संरक्षक ज्ञानचंद शर्मा, पवन नामदेव सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्यगणों ने की है।

पुल पर चढ़ा उफनता पानी, कटीटोला गांव में कैद हुए ग्रामीण, जान जोखिम में डालकर पुल पार कर रहे राहगीर

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। लालबर्रा मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में बीते दो दिनों से रूक-रूक कर हो रही मूसलाधार एवं झमाझम बारिश ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। वहीं नदी-नाले उफान पर हैं और निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति निर्मित हो गई है। लगातार हो रही बारिश से जहां एक ओर किसानों का धान रोपाई का कार्य प्रभावित हुआ है, वहीं दूसरी ओर प्रशासनिक अनदेखी के कारण ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नगर मुख्यालय से महज 5 किमी दूर ग्राम पंचायत मिरेगांव से निलजी मार्ग पर बने पुलों का जलस्तर अत्यधिक बढ़ने से आवागमन पूरी तरह बंद हो गया है। 28 एवं 29 जुलाई की रात हुई झमाझम बारिश के बाद नालों के उफान पर आने से मार्ग में स्थित दो पुल पूरी तरह जलमग्न हो चुके हैं। पुल के ऊपर से तेज बहाव में पानी बहने के कारण मिरेगांव और निलजी का आपस में संपर्क टूट चुका है।

दो जलमग्न पुलों के बीच फंसा कटीटोला, गांव में कैद रहने को मजबूर लोग

वहीं तेज बारिश होने से सबसे विकट स्थिति मिरेगांव और निलजी के बीच स्थित कटीटोला की है। यह गांव दो पुलों के ठीक मध्य में बसा हुआ है। दोनों ही ओर के पुल डूब जाने से कटीटोला के ग्रामीण अपने ही गांव में कैद होकर रह गये हैं। रास्ता बंद होने से ग्रामीणजनों एवं स्कूली बच्चों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं मार्ग बंद होने के बावजूद कई ग्रामीण और राहगीर मजबूरीवश जान जोखिम में डालकर उफनते नाले को पार करने को मजबूर हैं। पानी के तेज बहाव के कारण वाहनों का संतुलन बिगड़ने और उनके बह जाने का भारी खतरा बना हुआ है। वहीं प्रशासन के द्वारा कर्मचारियों की डयूटी भी लगाई गई है जिनके द्वारा नाले के ऊपर पानी बहने की स्थिति पर उन्हे पुल पार करने से रोका जा रहा है लेकिन कुछ लोग जबरदस्ती पुल पार करने की कोशिश करते है। जबकि लंबे समय से इस मार्ग में बने दो पुलों की ऊंचाई बढ़ाने की मांग की जा रही है लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि जिम्मेदार अधिकारी किसी बड़े हादसे के होने का इंतजार कर रहे हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि मिरेगांव से निलजी पहुंच मार्ग व पुल का निर्माण प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत विगत वर्ष पूर्व करवाया गया था। निर्माण के समय ही पुल की ऊंचाई पर्याप्त नहीं रखी गई, जिसका खामियाजा ग्रामीणों को हर साल भुगतना पड़ता है। सामान्य बारिश में ही बाढ़ की स्थिति बनते ही यह पुल पूरी तरह जलमग्न हो जाता है। इसके अलावा नाले के किनारे स्थित खेतों में बाढ़ का पानी घुसने से किसानों द्वारा लगाई गई धान की रोपाई (परहा) पूरी तरह डूब चुकी है, जिससे फसल खराब होने की आशंका बनी हुई है। शासन-प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग है कि अविलंब मिरेगांव-निलजी मार्ग के पुलों की ऊंचाई बढ़ाकर नये पुल का निर्माण करवाये, सर्वे करवाकर फसल का नुकसान हुआ है उसका उचित मुआवजान दिलवाने की मांग की है।

सूने घर में 12 वीं के छात्र ने लगाई फांसी पुलिस जांच में जुटी

त्योहार मनाने गांव गया था परिवार दरवाजा तोड़कर निकाला गया कृष्णा एरपुडे का शव

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत वारा के शिवधाम मोहल्ला में एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। यहाँ १२ वीं कक्षा में पढने वाले १७ वर्षीय होनहार छात्र कृष्णा एरपुढे ने अज्ञात कारणों के चलते अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय छात्र घर पर अकेला था जबकि उसका परिवार पुश्तैनी गांव त्योहार मनाने गया हुआ था। सूचना पर पहुंची वारासिवनी पुलिस ने शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है और मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

त्योहार मनाकर लौटा परिवार अंदर का नजारा देख उड़े होश

प्राप्त जानकारी के अनुसार मूलत ग्राम कचेखनी निवासी नंदकिशोर एरपुढे पेशे से शासकीय शिक्षक हैं। वह वर्तमान में अपनी पत्नी, बेटी और बेटे कृष्णा १७ वर्ष के साथ वारा के शिवधाम मोहल्ला स्थित मकान में रहते हैं। गत २९ जुलाई को नंदकिशोर एरपुढे अपनी पत्नी और कॉलेज में पढने वाली बेटी के साथ अखाडी का त्योहार मनाने अपने पुश्तैनी गांव कचेखनी गए हुए थे। इस दौरान उन्होंने अपने बेटे कृष्णा को वारा स्थित घर पर ही अकेला छोड़ दिया था। ३० जुलाई की सुबह करीब ८ बजे जब परिवार त्योहार मनाकर वापस लौटा तो उन्होंने देखा कि घर का मुख्य दरवाजा अंदर से बंद था। काफी आवाज देने और खटखटाने के बाद भी जब अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली तो पिता को किसी अनहोनी की शंका हुई। उन्होंने तुरंत आसपास के लोगों को एकत्र किया और दरवाजा तोड़ा। जब परिजन अंदर कृष्णा के कमरे में पहुंचे तो वहां का नजारा देखकर उनके पैरों तले जमीन खिसक गई कृष्णा फांसी के फंदे पर लटका हुआ था। घटना के बाद परिजनों में चीख पुकार मच गई। वार्डवासियों की सूचना पर वारासिवनी पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने शव को फंदे से नीचे उतारा और आवश्यक पंचनामा कार्यवाही पूरी की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल के शव विच्छेदन गृह भेजा गया जहाँ से प्रक्रिया के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। स्थानीय लोगों और परिजनों के अनुसार मृतक कृष्णा एरपुढे संदीपनि स्कूल वारासिवनी में कक्षा १२ वीं का छात्र था और पढाई में काफी होनहार व अग्रणी था। ऐसे में उसके द्वारा उठाए गए इस खौफनाक कदम से हर कोई स्तब्ध है। पुलिस ने फिलहाल मर्ग कायम कर मामले की जांच प्रारंभ कर दी है। प्रथम दृष्टया यह मामला आत्महत्या का ही प्रतीत हो रहा है परन्तु मृत्यु के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने और विस्तृत जांच के बाद ही हो सकेगा।

मृतक मेरा साला है जो कक्षा 12वीं की पढाई कर रहा था-नीरज सोनी

नीरज सोनी ने बताया की मैं उमरवाडा रहता हूँ मृतक मेरा साला हैं लड़के के माता पिता त्यौहार मनाने के लिए अपने गांव गए हुए थे। पढ़ाई करने के लिए लड़का घर में रुका हुआ था रात्रि में करीब ७ बजे माता.पिता की मोबाइल पर बात भी हुई थी। सुबह जब माता पिता घर आए तो सामने का दरवाजा अंदर से बंद था जिसे तोड़कर वह अंदर गए तो लड़का फांसी पर लटका हुआ था। यह कक्षा १२वीं की पढ़ाई कर रहा था मृत्यु का कारण तो हमें पता नहीं इनके पिता शिक्षक है माता ग्रहणी है एक बहन है और हंसी खुशी सब रहते थे।

इनका कहना हैं

मौखिक चर्चा में बताया कि शिव धाम मोहल्ले में किसी छात्र के द्वारा फांसी लगाने की सूचना मिली थी। सूचना पर मौके पर पहुंचकर आवश्यक पंचनामा कार्यवाही एवं पोस्टमार्टम कर परिजनों को शव दे दिया गया है। मामले में मार्ग जांच की जा रही है मृत्यु का कारण अभी अज्ञात है विवेचना के बाद ही कारण स्पष्ट हो पाएगा।

किरण कुमार बाहेश्वर
सहायक उपनिरीक्षक थाना वारासिवनी

श्री दुर्गा माता मंदिर में श्रद्धा व उल्लास के साथ मनाया गुरु पूर्णिमा महोत्सव

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के श्री दुर्गा माता मंदिर प्रांगण में २९ जुलाई को आध्यात्मिक उत्थान मंडल के तत्वाधान में गुरु पूर्णिमा महोत्सव अत्यंत श्रद्धा भक्ति और उल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। यह भव्य कार्यक्रम ब्रह्मलीन जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती महाराज के सूक्ष्म संरक्षण एवं पावन स्मृतियों के बीच आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत उपस्थित जनों द्वारा ब्रह्मलीन जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ हुई।

इसके पश्चात मंदिर के पुजारी पंडित जुगल शर्मा ने पूर्ण विधि.विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पावन पादुका पूजन संपन्न कराया गया। इस दौरान डी पी चौरागढ़े ने कहा की मानव जीवन की सफलता के लिए गुरु का विशेष महत्व है। बिना गुरु की असीम कृपा के ईश्वर की प्राप्ति संभव नहीं हो सकती। मनुष्य को अपने गुरु पर दृढ़ श्रद्धा और अटूट विश्वास रखना चाहिए। वही डॉ रवींद्र ताथोड ने कहा की गुरु की सच्ची भक्ति और समर्पण से ही जीवन में सफलता प्राप्त करने का सही मार्ग और सीख मिलती है। पंडित जुगल शर्मा ने कहा की सद्गुरु से शिक्षा.दीक्षा ग्रहण कर उनके बताए मार्ग और आचरण पर चलना ही मनुष्य जीवन को सार्थक और सफल बनाता है। कार्यक्रम के अंतिम चरण में गुरु आरती उतारी गई एवं क्षमा प्रार्थना की गई। तत्पश्चात सभी श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर आलोक भोंडले, पंकज वर्मा, संतोष चौहान, राम रुसिया, दीपक आड़े, पलाश खंडेलवाल, लक्ष्मीकांत मिश्रा सहित बड़ी संख्या में स्थानीय गणमान्य नागरिक एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

खैरलांजी के सांदीपनि विद्यालय में गुरु पूर्णिमा का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। गुरु पखवाडा के अंतर्गत माध्यमिक सांदीपनि विद्यालय कम्पस गांधी चौक में बच्चों और स्टाफ द्वारा गुरु पूर्णिमा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधान पाठक एल के उक्के,शिक्षक शिक्षिकाओं और छात्र छात्राओं के द्वारा द्वारा मां सरस्वती की फोटो के समक्ष दीप प्रज्वलन और तिलक वंदन के साथ किया गया। इस अवसर पर शिक्षक और बच्चों द्वारा सामुहिक रूप से सरस्वती वंदना का गायन किया गया। शिक्षक बोपचे के द्वारा मधुर आवाज में सरस्वती वंदना गायी गई और बच्चों द्वारा वंदना को दोहराया गया। इस दौरान छात्र छात्राओं के द्वारा भी एकल और समूह गायन प्रस्तुत कर गुरुओं की महिमा का गुणगान किया गया। अंत में मिष्ठान वितरण कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

तिरोड़ी बना प्रदेश की फुटबॉल प्रतिभाओं का केंद्र

विधायक गौरव सिंह पारधी ने बढ़ाया खिलाड़ियों का उत्साह

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। तिरोड़ी ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन से संबद्ध मध्यप्रदेश फुटबॉल एसोसिएशन के तत्वावधान में जिला फ ुटबॉल संघ बालाघाट के द्वारा आयोजित एमपी जूनियर बॉयज़ स्टेट फुटबॉल चैंपियनशिप २०२६-२७ के अंतर्गत तिरोड़ी स्थित एथलेटिक स्टेडियम में रोमांचक मुकाबलों का सिलसिला जारी है। २७ जुलाई से ५ अगस्त तक आयोजित इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रदेश के आठ जिला फुटबॉल संघों की टीमें अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं। प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश फुटबॉल संघ के उपाध्यक्ष, जिला फुटबॉल संघ बालाघाट के अध्यक्ष एवं कटंगी विधायक गौरव सिंह पारधी ने मैदान पर पहुंचकर खिलाडियों से परिचय प्राप्त किया तथा उनका उत्साहवर्धन किया।

सिंगरौली की शानदार जीत बालाघाट-मंडला के बीच भी रोमांचक मुकाबला

बुधवार को खेले गए मुकाबले में डीएफए सिंगरौली ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए डीएफए शहडोल को २.० से पराजित कर महत्वपूर्ण जीत दर्ज की। वहीं दूसरे मुकाबले में डीएफ ए बालाघाट और डीएफए मंडला के बीच भी रोमांचक संघर्ष देखने को मिला। जिसमें दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन कर दर्शकों की खूब सराहना बटोरी। विधायक पारधी ने विजेता टीम के खिलाडियों, प्रशिक्षकों एवं टीम प्रबंधन को हार्दिक बधाई देते हुए पराजित टीम के संघर्ष पूर्ण प्रदर्शन और खेल भावना की भी प्रशंसा की।

खेल प्रतिभाओं को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता-गौरव पारधी

इस अवसर पर विधायक गौरव सिंह पारधी ने कहा कि खेल युवाओं के व्यक्तित्व विकास अनुशासन नेतृत्व क्षमता और टीम भावना को सशक्त बनाने का सबसे प्रभावी माध्यम हैं। बालाघाट जिले में खेलों के लिए बेहतर अधोसंरचना विकसित करने, खिलाडियों को आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध कराने तथा ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं को राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रकार की राज्य स्तरीय प्रतियोगिताएँ जिले के खिलाड़ियों को नई प्रेरणा देने के साथ खेल संस्कृति को भी मजबूत करेंगी।

तिरोड़ी में पहली बार राज्य स्तरीय फुटबॉल चैंपियनशिप का आयोजन

प्रतियोगिता में सागर, शहडोल, सिंगरौली, बैतूल, छिंदवाड़ा, मंडला, बालाघाट एवं जबलपुर की टीमें दो समूहों में भाग ले रही हैं। प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मुकाबले ३ अगस्त तथा फाइनल मुकाबला ५ अगस्त को खेला जाएगा। तिरोड़ी में पहली बार इस स्तर की राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित होने से क्षेत्र के खिलाड़ियों एवं खेल प्रेमियों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। इस अवसर पर डीएफए छिंदवाड़ा के सचिव विक्रांत यादव, डीएफए बालाघाट के सचिव सुनील यादव, भाजपा मंडल अध्यक्ष अविनाश देशमुख, वरुण देशमुख, रेमंड फ्रांसिस, मिहिर त्रिवेदी, राजा नाग, राजा खान, सोनू तिवारी, रिक्की यादव सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी एवं दर्शक उपस्थित रहे।

वारासिवनी न्यायालय का फैसला सुरेन्द्र को आजीवन कारावास

रेत हटाने के विवाद में आरोपी सुरेन्द्र गढपाल ने की थी दीपक कुडवेती की हत्या

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी न्यायालय के द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश संजय राज ठाकुर की अदालत ने हत्या के एक चर्चित और गंभीर मामले में फैसला सुनाते हुए आरोपी सुरेन्द्र गढपाल को दोषी करार दिया है। न्यायालय ने आरोपी को भारतीय दंड संहिता की धारा ३०२ के तहत आजीवन कारावास और १००० रूपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। अर्थदंड का भुगतान नही करने की स्थिति में आरोपी को ३ माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

मकान निर्माण और रेत डालने को लेकर हुआ था विवाद

अपर जिला लोक अभियोजक संतोष लिल्हारे के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार यह घटना २३ अप्रैल २०२० की रात लगभग ९.४० बजे थाना कटंगी के अंतर्गत आने वाले ग्राम मुंडीवाड़ा की है। मृतक दीपक कुडवेती और आरोपी सुरेन्द्र गढपाल ४५ वर्ष के मकान आमने सामने स्थित थे और दोनों के बीच मकान निर्माण की सामग्री रखने को लेकर काफी समय से विवाद चला आ रहा था। घटना वाले दिन दीपक के मकान का निर्माण कार्य चल रहा था जिसके लिए उसने अपने घर के सामने रेत डलवाई थी। इसी बात से नाराज होकर आरोपी सुरेन्द्र गढपाल गाली.गलौज करने लगा। जब दीपक ने उसे अपशब्द बोलने से मना किया तो सुरेन्द्र आक्रोशित हो उठा और हमला कर दिया। विवाद बढने पर आरोपी सुरेन्द्र ने दीपक पर ईंट, लात और हाथ.घूंसे से ताबडतोड हमला कर दिया। इस हिंसक मारपीट में दीपक के पेट में गंभीर अंदरूनी चोटें आईं। हमले के बाद उसी रात दीपक की अपने घर पर ही दर्दनाक मौत हो गई। परिवार की सूचना पर कटंगी पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और आरोपी सुरेन्द्र गढपाल के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता की धारा ३९४,३२३ और ३०२ के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

अभियोजन पक्ष ने पेश किए 19 गवाह और 25 दस्तावेजी साक्ष्य

कटंगी पुलिस ने जांच पूर्ण कर अभियोग पत्र वारासिवनी न्यायालय में प्रस्तुत किया। प्रकरण की सुनवाई द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश संजय राज ठाकुर की अदालत में चल रही थी। मामले की सुनवाई के दौरान अपर लोक अभियोजक संतोष लिल्हारे ने अभियोजन पक्ष का मजबूती से रखने उन्होंने अदालत के समक्ष आरोपी को दोषी साबित करने के लिए १९ गवाहों के बयान दर्ज कराए। २५ दस्तावेजी साक्ष्य ठोस सबूत के रूप में पेश किए। न्यायालय ने अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों, चिकित्सा रिपोर्ट और गवाहों के बयानों को पूरी तरह विश्वसनीय और अकाट्य माना। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने आरोपी सुरेन्द्र पिता प्रेमलाल गढपाल उम्र ४५ वर्ष निवासी मुंडीवाडा को दीपक कुडवेती की हत्या का दोषी पाया और उसे आजीवन कारावास की सजा से दंडित किया।

कैरियर हायर सेकेण्डरी स्कूल में नशे से दूरी है जरूरी २.० जनजागरूकता अभियान सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। कैरियर हायर सेकेण्डरी स्कूल में कार्यरत राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा नशे से दूरी है जरूरी २.० जन जागरूकता अभियान का समापन हो गया। इस अभियान का शुभारंभ स्कूल संचालक प्राचार्य निरंजन बिसेन के साथ स्कूल के छात्र छात्राओं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वंय सेवकों एवं सेविकाओं शिक्षक शिक्षिकाओं तथा अन्य कर्मचारियों द्वारा नशा मुक्ति की ली गई शपथ से हुआ था। इस अवसर पर स्थानीय पुलिस जवान भी उपस्थि थे। इसके पश्चात् भाषण प्रतियोगिता भी संपन्न हुई इसके पश्चात् प्रतिदिन अनेक प्रतियोगितायें भी संपन्न हुई। जिनमें मुख्य रूप से निबंध, रंगोली, चित्रकला, शिक्षकों एवं शाला मानीटर द्वारा उद्बोधन सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त एक विशाल रैली का भी आयोजन किया गया। इस अभियान के अंतिम दिवस अपने उद्बोधन के दौरान स्कूल संचालक प्राचार्य निरंजन बिसेन द्वारा नशीले पदार्थो का सेवन नहीं करने तथा नशीले पदार्थो से दूरी बनाये रखने हेतु आग्रह किया गया तथा नशा मुक्त भारत देश बनाने की अपील की गई। उपरोक्त अभियान के अंतर्गत कार्यक्रम प्रतियोगितायें एवं गतिविधियों का सफल संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी राकेश कुमार मिश्रा के द्वारा किया गया। तथा प्रतियोगिताओं को संपन्न कराने में वरिष्ठ व्याख्याता श्रीमती अनीता मिश्रा, कुमारी माहेश्वरी डोहरे एवं देवसिंह ठाकुर का विशेष योगदान रहा।

स्कूल में सर्पदंश से १० वर्षीय बालक बीमार

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत गटापायली निवासी १० वर्षीय आलेख बर्वे ३० जुलाई की सुबह सर्पदंश से बीमार हो गया। यह घटना उस समय हुई जब बालक स्कूल में ब्लैक बोर्ड पर लिख रहा था। जिसका उपचार सिविल अस्पताल में जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गटापायली निवासी महेश बर्वे का १० वर्षीय पुत्र आलेख बर्वे नेटिव पब्लिक स्कूल गटापायाली में शिक्षा अध्ययन करने के लिए जाता है। जहां वह कक्षा चौथी में अध्यनरत है जो प्रतिदिन की तरह सुबह १० बजे स्कूल गया था जहां शिक्षक के द्वारा पढ़ाई करवाई जा रही थी। इसी दौरान ब्लैक बोर्ड पर बच्चों से लिखवा कर पढ़ाई चल रही थी तभी आलेख बर्वे का नंबर आया और वह भी अपने एक हाथ से ब्लैक बोर्ड को पड़कर दूसरे हाथ से लिख रहा था। तभी ब्लैक बोर्ड के पीछे छिपे हुए सर्प ने बालक की उंगली में काट दिया। कुछ काटने की सूचना बालक ने तत्काल शिक्षक को दी। जिन्होंने देखा तो पीछे एक जहरीला सर्प था घटना के बाद तत्काल बालक के परिजन को घटना की सूचना दी गई। जिन्होंने स्कूल पहुंचकर बालक को तत्काल सिविल अस्पताल में लाकर भर्ती करवाया जहां उसका उपचार जारी है।

साहित्य के अमर शिल्पकार मुंशी प्रेमचंद और उनकी कालजयी विरासत

आज इकतीस जुलाई को हिंदी और उर्दू साहित्य के सबसे बड़े लेखक मुंशी प्रेमचंद की जयंती है। जब हम प्रेमचंद का नाम सुनते हैं तो हमारे दिमाग में एक ऐसे सीधे-साधे इंसान की तस्वीर उभरती है जिसने हमेशा आम जनता की बात की। उन्होंने राजा-रानियों और परियों की काल्पनिक कहानियों को छोड़कर समाज के सबसे गरीब और बेबस लोगों को अपनी लेखनी का हीरो बनाया। प्रेमचंद केवल कहानियां लिखने वाले लेखक नहीं थे बल्कि वे अपने समय से बहुत आगे की सोचने वाले एक सच्चे युग दृष्टा थे। उन्होंने समाज को देखने और समझने का एक नया नजरिया दिया। उनकी सबसे बड़ी खूबी यह थी कि उन्होंने करीब सौ साल पहले जिन सामाजिक बुराइयों और इंसानी स्वभाव को पहचाना था वे सारी बातें आज भी हमारे समाज में सच साबित हो रही हैं। उन्होंने अपनी रचनाओं के जरिए एक ऐसी साहित्यिक विरासत हमारे बीच छोड़ी है जो हमेशा हमारा रास्ता रोशन करती रहेगी। प्रेमचंद के पूरे साहित्य की सबसे बड़ी ताकत उसकी सादगी और जमीन से जुड़ी सच्चाई थी। उन्होंने भारत के गांवों, वहां के किसानों और मेहनत करने वाले मजदूरों के दुख-दर्द को बहुत करीब से देखा और महसूस किया था। उनका साहित्य केवल समाज की कमियां नहीं गिनाता बल्कि हमें अंदर से झकझोर कर सोचने पर मजबूर कर देता है। उन्होंने गोदान, गबन और रंगभूमि जैसे महान उपन्यासों के जरिए उस समय के जमींदारों और सूदखोरों पर सीधा हमला किया जो गरीब जनता का खून चूस रहे थे। प्रेमचंद ने पैसों की भूख, जातिवाद, छुआछूत और महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव के खिलाफ अपनी कलम को सबसे बड़ा हथियार बनाया। उनकी दूरदर्शिता इसी बात से समझ आती है कि वे बहुत पहले जान गए थे कि जब तक हमारे देश का किसान खुशहाल नहीं होगा तब तक देश की तरक्की की बातें बिल्कुल अधूरी हैं। उनकी छोटी-छोटी कहानियों का असर इतना गहरा है कि वे सीधे पाठक के दिल में उतर जाती हैं। पूस की रात, कफन और ठाकुर का कुआं जैसी कहानियां मनोरंजन के लिए नहीं लिखी गई थीं बल्कि वे समाज का आईना थीं। कफन कहानी में भूख और तंगहाली के कारण संवेदनहीन हो चुके बाप-बेटे के जरिए उन्होंने दिखाया कि भयंकर गरीबी कैसे इंसान के भीतर की दया और ममता को मार देती है। वहीं ठाकुर का कुआं कहानी में उन्होंने जाति के नाम पर होने वाले उस भेदभाव को दिखाया जो आज भी हमारे समाज में किसी न किसी रूप में दिखाई दे जाता है। प्रेमचंद ने इंसानी दिमाग और उसकी भावनाओं को इतनी गहराई से समझा था कि उनके बनाए किरदार वक्त के साथ पुराने नहीं हुए बल्कि आज भी हमारे आसपास जीते-जागते नजर आते हैं। अगर हम उनके साहित्यिक प्रभाव की बात करें तो प्रेमचंद ने अपने बाद आने वाले लेखकों की कई पीढ़ियों की सोच को पूरी तरह बदल दिया। उन्होंने साहित्य की भाषा को बड़े-बड़े विद्वानों के कमरों से निकालकर आम लोगों की बोलचाल की भाषा बनाया। उन्होंने हिंदी और उर्दू के शब्दों को मिलाकर एक बेहद सरल हिंदुस्तानी भाषा तैयार की जिसे पढ़ना और समझना हर किसी के लिए आसान था। प्रेमचंद का मानना था कि लेखक का काम सिर्फ सुंदर शब्द लिखना नहीं है बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाना भी है।

भारत में बड़ी संख्या में इंजीनियर, प्रोफेशनल और ग्रेजुएट तैयार होने व रोजगार उपलब्धि में भारी गैप

वैश्विक स्तरपर वर्ष 2026 में भारत एक ऐसे ऐतिहासिक परिवर्तनकाल से गुजर रहा है,जहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता अर्थात आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऑटोमेशन, रोबोटिक्स, डिजिटल अर्थव्यवस्था,साइबर सुरक्षा,हरित प्रौद्योगिकी और डेटा-आधारित शासन ने शिक्षा,रोजगार, उद्योग तथा प्रशासन की पारंपरिक संरचनाओं को तेजी से बदलना शुरू कर दिया है।आज देश और विश्व में बड़ी संख्या में इंजीनियर, वकील, डॉक्टर,प्रबंधन विशेषज्ञ, तकनीकी पेशेवर तथा विभिन्न विषयों के स्नातक तैयार हो रहे हैं,लेकिन मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि डिग्री प्राप्त करने और रोजगार के लिए वास्तव में सक्षम बनने के बीच एक गंभीर अंतर दिखाई देता है। अनेक युवा उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बावजूद उद्योग की अपेक्षाओं के अनुरूप व्यावहारिक कौशल,तकनीकी दक्षता, समस्या- समाधान क्षमता,संवाद- कौशल टीमवर्क, डिजिटल समझ तथा बदलती तकनीक के साथ स्वयं को निरंतर अद्यतन करने की क्षमता में पीछे रह जाते हैं। दूसरी ओर उद्योग जगत को प्रशिक्षित और कार्य के लिए तैयार युवा नहीं मिलते। यही स्थिति शिक्षा और रोजगार के बीच नहीं, बल्कि डिग्री और दक्षता, ज्ञान और प्रयोग, युवा आकांक्षा और संस्थागत क्षमता तथा सरकारी नीति और जमीनी परिणाम के बीच मौजूद व्यापक अंतर को दर्शाती है। इसी पृष्ठभूमि में 28 जुलाई 2026 को भारतीय पीएम द्वारा केंद्र सरकार के सचिवों के साथ दूसरी उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता विशेष महत्व रखती है। बैठक में वित्त एवं अर्थव्यवस्था, वाणिज्य एवं उद्योग तथा प्रौद्योगिकी से जुड़े मंत्रालयों और विभागों की भविष्य की कार्ययोजना पर विचार किया गया। प्रधानमंत्री ने सरकारी व्यवस्था में विभागीय स्तर पर मौजूद क्षैतिज और ऊर्ध्वाधर बाधाओं को कम करने, बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा शासन को अधिक युवा, गतिशील नवाचारी और भविष्य के अनुरूप बनाने पर बल दिया। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि सरकार को बदलती चुनौतियों और नए अवसरों के अनुसार निरंतर स्वयं को विकसित करना चाहिए।यह संदेश केवल प्रशासनिक सुधार का सामान्य विचार नहीं है, बल्कि तेजी से बदलती अर्थव्यवस्था और युवा अपेक्षाओं के बीच शासन की नई भूमिका का संकेत है। साथियों, 28 जुलाई 2026 की उच्चस्तरीय बैठक,उद्योग और शिक्षा के बीच कौशल- अंतर इंटर्नशिप की आवश्यकता एआई युग की नई रोजगार चुनौतियां, परीक्षा- पेपर लीक के विरुद्ध युवा आंदोलन, डिजिटल लोकतंत्र का विस्तार और प्रशासन को युवा, गतिशील तथा अनुकूलनशील बनाने की आवश्यकता ये सभी अलग- अलग विषय नहीं हैं। ये भारत के भविष्य के एक ही बड़े प्रश्न के विभिन्न आयाम हैं क्या देश की शिक्षा, अर्थव्यवस्था और शासन व्यवस्था युवा पीढ़ी की बदलती आकांक्षाओं के अनुरूप स्वयं को समय पर बदल पाएगी? भारत के युवाओं ने स्पष्ट संकेत दिया है कि वे केवल रोजगार नहीं, बल्कि निष्पक्ष अवसर चाहते हैं; केवल डिग्री नहीं, बल्कि उपयोगी कौशल चाहते हैं; केवल डिजिटल सुविधा नहीं, बल्कि डिजिटल अधिकार और पारदर्शिता चाहते हैं; केवल आश्वासन नहीं, बल्कि समयबद्ध परिणाम चाहते हैं। सरकार के सामने चुनौती केवल अधिक योजनाएं बनाने की नहीं, बल्कि योजनाओं को परिणामों से जोड़ने की है। यदि शिक्षा उद्योग से जुड़े, इंटर्नशिप वास्तविक अनुभव दे, कौशल भविष्य की अर्थव्यवस्था के अनुरूप हों, परीक्षा प्रणाली विश्वसनीय बने, प्रशासन संवादशील हो और युवाओं को नीति-निर्माण में भागीदारी मिले, तो भारत की युवा शक्ति विश्व की सबसे बड़ी विकास-शक्ति बन सकती है। साथियों,आज विश्व की अर्थव्यवस्था केवल श्रम- आधारित नहीं,बल्कि ज्ञान,डेटा,नवाचार और कौशल- आधारित अर्थव्यवस्था बन रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कई कार्यों को तेज, स्वचालित और अधिक सटीक बना रही है। इंजीनियरिंग में डिजाइन, कोडिंग,परीक्षण और उत्पादन की प्रक्रियाएं बदल रही हैं; कानून के क्षेत्र में कानूनी शोध, दस्तावेजों का विश्लेषण और न्यायिक डेटा का उपयोग तकनीक से प्रभावित हो रहा है; चिकित्सा में निदान- सहायता डिजिटल स्वास्थ्य और व्यक्तिगत उपचार के नए मॉडल विकसित हो रहे हैं; बैंकिंग में एल्गोरिदम,फिनटेक और साइबर सुरक्षा का महत्व बढ़ रहा है। इसलिए भविष्य में केवल किसी विषय की डिग्री पर्याप्त नहीं होगी। युवा को अपने मूल विषय के साथ डिजिटल साक्षरता, एआई की समझ, डेटा विश्लेषण, नैतिक निर्णय क्षमता, रचनात्मकता और मानव-केंद्रित समस्या-समाधान की दक्षता भी सटीकता से विकसित करनी होगी। साथियों, भारत में प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में इंजीनियर तैयार होने के बावजूद रोजगार की उपलब्धता और कौशल की मांग के बीच अंतर पर लगातार चर्चा होती रही है। एक अध्ययन में भारत में प्रतिवर्ष लगभग नौ लाख इंजीनियर तैयार होने और तकनीकी क्षेत्र में रोजगार- वृद्धि की तुलना में स्नातकों की संख्या अधिक होने का प्रश्न उठाया गया है। अध्ययन ने यह भी संकेत दिया कि केवल पारंपरिक नौकरी- आधारित मॉडल पर्याप्त नहीं हो सकता और तकनीकी शिक्षा को उद्यमिता स्थानीय नवाचार तथा नए प्रकार के सूक्ष्म उद्यमों से जोड़ने की आवश्यकता है।हालांकि ऐसे आंकड़ों को विभिन्न संस्थानों और क्षेत्रों की अलग-अलग परिस्थितियों के अनुसार समझना चाहिए, लेकिन मूल चुनौती स्पष्ट है उच्च शिक्षा की संख्या बढ़ना अपने आप में रोजगार-योग्यता की गारंटी नहीं है।यही कारण है कि पीएम द्वारा उद्योग जगत के सहयोग से नए और कौशल- आधारित पाठ्यक्रम विकसित करने की आवश्यकता पर दिया गया जोर अत्यंत प्रासंगिक है। शिक्षा संस्थानों में पाठ्यक्रम कई बार उद्योग की बदलती आवश्यकताओं की तुलना में धीमी गति से बदलते हैं। जब तक विश्वविद्यालय किसी नई तकनीक को पाठ्यक्रम में शामिल करते हैं, तब तक उद्योग अगले स्तर की तकनीक अपनाना शुरू कर देता है। इसलिए पाठ्यक्रम निर्माण केवल विश्वविद्यालयों या नियामक संस्थाओं का विषय नहीं रह सकता। उद्योग, शिक्षा संस्थान, शोध संगठन, स्टार्टअप, स्थानीय प्रशासन और युवाओं को मिलकर भविष्य के कौशल की रूपरेखा तैयार करनी होगी। 2025 की सरकारी समीक्षा के अनुसार कौशल विकास कार्यक्रमों में एआई, इंडस्ट्री 4.0, हरित रोजगार और डिजिटल सेवाओं जैसे उभरते क्षेत्रों के लिए विशेष पाठ्यक्रम तथा नई भूमिका- आधारित प्रशिक्षण संरचनाएं विकसित की गई हैं। अब आवश्यकता इन पहलों को व्यापक, गुणवत्तापूर्ण और परिणाम-आधारित बनाने की है। साथियों, कौशल विकास का अर्थ केवल कुछ सप्ताह या महीनों का प्रमाणपत्र प्राप्त करना नहीं होना चाहिए। वास्तविक कौशल वह है जिसे युवा कार्यस्थल पर प्रयोग कर सके, समस्या का समाधान कर सके और बदलती परिस्थितियों में विकसित कर सके। उदाहरण के लिए, एक इंजीनियर को केवल तकनीकी सिद्धांत नहीं, बल्कि वास्तविक परियोजना,टीम में कार्य, उत्पादन प्रक्रिया, गुणवत्ता नियंत्रण और ग्राहक की आवश्यकता को समझना चाहिए। एक विधि स्नातक को केवल कानून की धाराएं नहीं, बल्कि डिजिटल कानूनी शोध, दस्तावेज निर्माण, मध्यस्थता, साइबर कानून, डेटा संरक्षण तथा न्याय तक पहुंच की व्यावहारिक समझ भी होनी चाहिए। इसी प्रकार प्रबंधन स्नातक को केवल सिद्धांत नहीं, बल्कि डेटा, बाजार, उद्यमिता और संगठनात्मक निर्णय की क्षमता विकसित करनी होगी। इसलिए शिक्षा को परीक्षा में उत्तर देने से आगे बढ़ाकर वास्तविक जीवन की समस्या हल करने की दिशा में ले जाना आवश्यक है। इंटर्नशिप इस अंतर को कम करने का महत्वपूर्ण माध्यम बन सकती है। प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना का उद्देश्य युवाओं को वास्तविक व्यावसायिक वातावरण का अनुभव प्रदान करना और शिक्षा तथा उद्योग की आवश्यकताओं के बीच सेतु बनाना है। योजना के अंतर्गत युवाओं को 12 महीने तक कार्यस्थल अनुभव उपलब्ध कराने की संरचना बनाई गई है। लेकिन इंटर्नशिप की सफलता केवल अवसरों की संख्या से नहीं मापी जानी चाहिए। यह देखना होगा कि कितने युवा वास्तव में प्रशिक्षण पूरा करते हैं, उन्हें कितना व्यावहारिक ज्ञान मिलता है, कितनों को रोजगार या उद्यमिता का अवसर मिलता है और क्या इंटर्नशिप के बाद उनकी आय तथा रोजगार-क्षमता में सुधार होता है। इंटर्नशिप को केवल औपचारिक प्रमाणपत्र नहीं, बल्कि प्रशिक्षक, वास्तविक परियोजना, कौशल मूल्यांकन और करियर मार्गदर्शन से जोड़ना होगा। साथियों, हाल के छात्र आंदोलनों और उनसे उत्पन्न राजनीतिक तथा प्रशासनिक प्रभावों को कुछ विशेषज्ञ युवा शक्ति की बढ़ती लोकतांत्रिक भूमिका के रूप में देख रहे हैं। शिक्षा मंत्री के इस्तीफे, परीक्षा -सुधार की मांगों तथा संसद और सार्वजनिक विमर्श पर आंदोलन के प्रभाव को यह संकेत माना जा सकता है कि युवा अब केवल नीतियों के निष्क्रिय लाभार्थी नहीं रहना चाहते। वे पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्ध समाधान की मांग कर रहे हैं। हालांकि किसी भी आंदोलन के राजनीतिक परिणाम का अंतिम मूल्यांकन तथ्यों, संस्थागत निर्णयों और दीर्घकालिक सुधारों के आधार पर ही किया जाना चाहिए। किसी एक घटना को सीधे किसी सरकार की राजनीतिक सुरक्षा या राजनीतिक असुरक्षा का निश्चित प्रमाण मानना उचित नहीं होगा। फिर भी यह कहा जा सकता है कि सरकारों के लिए युवाओं की शिकायतों को समय पर सुनना, संवाद स्थापित करना और सुधारों के परिणाम दिखाना लोकतांत्रिक स्थिरता तथा जनविश्वास के लिए महत्वपूर्ण है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

कांवर पथ से विकास पथ तक

-कुमार कृष्णन

भारत की सांस्कृतिक चेतना में कुछ यात्राएँ केवल एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचने का साधन नहीं होतीं, बल्कि वे मनुष्य के भीतर चलने वाली आध्यात्मिक यात्रा का भी प्रतीक बन जाती हैं। श्रावण मास में सुल्तानगंज से देवघर तक की कांवर यात्रा ऐसी ही एक अनूठी परंपरा है, जिसमें करोड़ों कदम केवल दूरी नहीं नापते, बल्कि श्रद्धा, अनुशासन, समानता और लोकविश्वास की एक अखंड धारा को आगे बढ़ाते हैं। उत्तरवाहिनी गंगा से जल भरकर बाबा बैद्यनाथ के चरणों में अर्पित करने की यह परंपरा सदियों से भारतीय संस्कृति के उस जीवन-दर्शन को अभिव्यक्त करती है, जिसमें आस्था केवल मंदिरों की परिधि तक सीमित नहीं रहती, बल्कि समाज, संस्कृति और लोकजीवन का आधार बन जाती है। इसी सांस्कृतिक विरासत के बीच श्रावणी मेला-2026 का शुभारंभ केवल एक प्रशासनिक आयोजन नहीं, बल्कि बिहार की विकास-दृष्टि के एक नए अध्याय का उद्घोष भी है। सुल्तानगंज के नमामि गंगे घाट से मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा की गई जहाँ गंगा की धारा और 'बोल बम' का उद्घोष लिख रहे विकास की कहानी श्रावणी मेला, सुल्तानगंज और अंग प्रदेश के बदलते भविष्य की तस्वीर विकास संबंधी घोषणाएँ यह संकेत देती हैं कि राज्य सरकार अब धार्मिक आस्था को पर्यटन, आधुनिक आधारभूत संरचना, क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था और सांस्कृतिक पुनर्जागरण के साथ जोड़कर देखने की दिशा में आगे बढ़ रही है। यदि इन घोषणाओं को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से मूर्त रूप दिया जाता है, तो यह केवल श्रावणी मेले की व्यवस्था तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे अंग प्रदेश के आर्थिक और सामाजिक परिदृश्य को बदलने की क्षमता रखेगा। श्रावणी मेला भारत के उन विरल आयोजनों में है, जहाँ करोड़ों लोग बिना किसी औपचारिक निमंत्रण के केवल आस्था के बल पर एकत्र होते हैं। सुल्तानगंज का महत्व इसलिए भी अद्वितीय है कि यहाँ गंगा उत्तरवाहिनी होकर बहती है। भारतीय धार्मिक परंपरा में उत्तरवाहिनी गंगा को विशेष पवित्र माना गया है। इसी पावन धारा से श्रद्धालु जल भरकर लगभग 105 किलोमीटर की कठिन पदयात्रा करते हुए देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग तक पहुँचते हैं। इस यात्रा में न कोई जातिगत भेद दिखाई देता है, न आर्थिक असमानता का प्रदर्शन। एक ही रंग के वस्त्र, एक ही उद्घोष—बोल बम—और एक ही संकल्प के साथ आगे बढ़ते लाखों कांवरिये भारतीय समाज की उस सांस्कृतिक एकात्मता का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत करते हैं, जिसकी कल्पना आधुनिक लोकतांत्रिक विमर्श भी करता है। यह यात्रा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सामाजिक अनुशासन और लोकभागीदारी का भी अद्भुत उदाहरण है। मार्ग के दोनों ओर स्थानीय ग्रामीण, स्वयंसेवी संस्थाएँ, धार्मिक संगठन और प्रशासन मिलकर जिस सेवा-भाव से कांवरियों की सहायता करते हैं, वह भारतीय समाज की सह-अस्तित्व की भावना को साकार करता है। चिकित्सा शिविरों से लेकर निःशुल्क भोजन, विश्राम स्थलों से लेकर पेयजल की व्यवस्था तक—सब कुछ इस विश्वास पर आधारित होता है कि यात्री में ही शिव का स्वरूप है। यही भारतीय संस्कृति का वह मानवीय पक्ष है, जिसने इस यात्रा को केवल धार्मिक आयोजन नहीं रहने दिया, बल्कि लोकसेवा के विराट उत्सव में बदल दिया। इसी पृष्ठभूमि में मुख्यमंत्री द्वारा यह कहना कि श्रावणी मेला केवल आस्था का पर्व नहीं, बल्कि बिहार की सांस्कृतिक विरासत का जीवंत प्रतीक है, एक महत्वपूर्ण दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। लंबे समय तक धार्मिक आयोजनों को केवल परंपरा के रूप में देखा जाता रहा, जबकि आज विश्वभर में धार्मिक पर्यटन सबसे तेजी से बढ़ने वाले क्षेत्रों में शामिल है। भारत में अयोध्या, काशी, उज्जैन, महाकाल लोक और केदारनाथ के विकास ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि आस्था के केंद्रों को आधुनिक सुविधाओं, बेहतर संपर्क और सुव्यवस्थित प्रबंधन से जोड़ा जाए, तो वे स्थानीय अर्थव्यवस्था, रोजगार और सांस्कृतिक पुनर्जागरण के शक्तिशाली माध्यम बन सकते हैं। बिहार के संदर्भ में यह संभावना और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। यह वही भूमि है जहाँ बौद्ध, जैन, हिंदू और सूफी परंपराओं के अनेक तीर्थ स्थित हैं। नालंदा, राजगीर, बोधगया, पावापुरी, वैशाली, विक्रमशिला और सुल्तानगंज जैसे स्थल विश्वस्तरीय धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन की अपार संभावनाएँ रखते हैं। ऐसे में यदि सुल्तानगंज और देवघर को आधुनिक आधारभूत संरचना से जोड़ा जाता है, तो यह केवल एक तीर्थयात्रा का विकास नहीं होगा, बल्कि बिहार की सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था के विस्तार का भी आधार बनेगा। इसी सोच के अनुरूप सुल्तानगंज में अंतरराष्ट्रीय स्तर के एयरपोर्ट, अजगैबीनाथ से अगुवानी घाट तक रोप-वे, भागलपुर से मुंगेर तक प्रस्तावित गंगा पथ (मरीन ड्राइव), डॉल्फिन पर्यटन, गंगा पार्क और नए पर्यटन केंद्रों जैसी योजनाएँ केवल निर्माण परियोजनाएँ नहीं हैं। वे इस पूरे क्षेत्र को राष्ट्रीय और वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने की दूरदर्शी पहल के रूप में देखी जानी चाहिए। विशेष रूप से गंगा, डॉल्फिन और धार्मिक धरोहरों को एकीकृत पर्यटन मॉडल के रूप में विकसित करने की अवधारणा इस क्षेत्र की विशिष्ट पहचान को और सशक्त बना सकती है। विकास की किसी भी परिकल्पना का वास्तविक मूल्यांकन केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि उसके दूरगामी प्रभावों से किया जाता है। श्रावणी मेला-2026 के उद्घाटन अवसर पर मुख्यमंत्री द्वारा जिन परियोजनाओं की घोषणा की गई, वे यदि निर्धारित समय-सीमा में पूरी होती हैं, तो उनका प्रभाव केवल सुल्तानगंज या देवघर तक सीमित नहीं रहेगा। वे भागलपुर, मुंगेर, बांका और पूरे अंग प्रदेश की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक संरचना को नई दिशा देने की क्षमता रखती हैं। इन घोषणाओं में सबसे अधिक ध्यान आकर्षित करने वाली योजना सुल्तानगंज में अंतरराष्ट्रीय स्तर के हवाई अड्डे की है। वर्तमान समय में धार्मिक पर्यटन का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालु केवल दर्शन ही नहीं, बल्कि बेहतर परिवहन, सुरक्षित यात्रा, गुणवत्तापूर्ण आवास और आधुनिक सुविधाओं की भी अपेक्षा रखते हैं। यदि सुल्तानगंज हवाई मार्ग से जुड़ता है, तो बाबा बैद्यनाथ धाम की यात्रा अधिक सुलभ होगी। इसका लाभ स्थानीय होटल उद्योग, परिवहन, हस्तशिल्प, कृषि उत्पादों और छोटे व्यापारियों तक पहुँचेगा। धार्मिक पर्यटन तब केवल श्रद्धा का विषय नहीं रहेगा, बल्कि क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था का एक सशक्त इंजन बन सकता है। अजगैबीनाथ से अगुवानी घाट तक प्रस्तावित रोप-वे भी केवल सुविधा का माध्यम नहीं है। यह गंगा के दोनों तटों को एक नए पर्यटन अनुभव से जोड़ने का प्रयास है। विश्व के अनेक देशों में रोप-वे केवल परिवहन का साधन नहीं, बल्कि पर्यटन का आकर्षण होते हैं। यदि इसका निर्माण पर्यावरणीय संतुलन और तकनीकी गुणवत्ता के साथ किया जाता है, तो यह सुल्तानगंज की पहचान को नई ऊँचाई दे सकता है। इसी प्रकार भागलपुर से मुंगेर तक लगभग 83 किलोमीटर लंबे गंगा पथ (मरीन ड्राइव) की परिकल्पना केवल एक सड़क निर्माण परियोजना नहीं है। गंगा के किनारे विकसित होने वाला यह मार्ग पर्यटन, शहरी विकास और निवेश की नई संभावनाओं का द्वार खोल सकता है। यदि इसके साथ नदी तट का सौंदर्यीकरण, हरित पट्टी, साइकिल ट्रैक, सार्वजनिक उद्यान और सांस्कृतिक केंद्र विकसित किए जाते हैं, तो यह क्षेत्र पूर्वी भारत के प्रमुख पर्यटन स्थलों में स्थान बना सकता है। लंबे समय से प्रतीक्षित अगुवानी-सुल्तानगंज गंगा पुल भी इस पूरे क्षेत्र के विकास का केंद्रीय बिंदु है।

राहुल गांधी की राजनीति में शब्दों की सीमा और आरोपों की जिम्मेदारी

भारतीय राजनीति में राहुल गांधी का सफर लगातार बदलाव के दौर से गुजरता दिखाई देता है। कभी पारिवारिक विरासत के सहारे राजनीति में आए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और वर्तमान नेता प्रतिपक्ष अब स्वयं अपनी राजनीतिक पहचान बनाने की कोशिश करते नजर आते हैं। उत्तर प्रदेश के अमेठी से लेकर रायबरेली और हिंदी पट्टी के दूसरे हिस्सों तक उनकी सक्रियता यह संकेत देती रही है कि वे कांग्रेस की पुरानी जमीन को फिर से मजबूत करना चाहते हैं। लेकिन राजनीतिक संघर्ष केवल यात्राओं, रोड शो और जनता से संवाद तक सीमित नहीं होता। संसद के भीतर इस्तेमाल किए गए शब्द और लगाए गए आरोप भी किसी नेता की राजनीतिक छवि को उतना ही प्रभावित करते हैं। राहुल गांधी के सामने इस समय सबसे बड़ी चुनौती यही दिखाई देती है कि वे अपने राजनीतिक आक्रामक तेवर और संसदीय मर्यादा के बीच संतुलन कैसे स्थापित करते हैं। राहुल गांधी की राजनीति की सबसे बड़ी विशेषता उनकी स्वत:स्फूर्तता मानी जाती है। वे अक्सर तैयार भाषण से हटकर अपने मन की बात कह देते हैं। यही अंदाज कभी उन्हें जनता से जोड़ता है तो कभी विवादों में भी ले जाता है। संसद में पेपर लीक और परीक्षा व्यवस्था पर चर्चा के दौरान उनके द्वारा इस्तेमाल किए गए कुछ शब्दों को लेकर सत्ता पक्ष ने जिस तरह आपत्ति जताई, उसने एक बार फिर यह सवाल खड़ा किया कि विपक्ष के नेता को सरकार पर हमला करते समय भाषा की सीमा कितनी सावधानी से तय करनी चाहिए। पेपर लीक का मुद्दा निश्चित रूप से देश के लाखों छात्रों और उनके परिवारों से जुड़ा गंभीर विषय है। प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितता, प्रश्नपत्र लीक होने की शिकायतें और परीक्षा प्रक्रिया पर उठते सवाल युवाओं के भविष्य से सीधे जुड़े हुए हैं। ऐसे मुद्दे पर संसद में सरकार से जवाब मांगना विपक्ष का अधिकार ही नहीं बल्कि लोकतांत्रिक जिम्मेदारी भी है। राहुल गांधी ने इसी संदर्भ में परीक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि पूरी प्रक्रिया में निजी कंपनियों की भूमिका बढ़ रही है और परीक्षा प्रणाली विद्यार्थियों के लिए परेशानी का कारण बनती जा रही है। उन्होंने पेपर लीक के लिए बड़ी रकम के लेन-देन का भी आरोप लगाया और शिक्षा मंत्रालय की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए। लेकिन गंभीर विषय उठाने और गंभीर आरोप लगाने के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर होता है। आरोप यदि तथ्य और प्रमाण के साथ लगाए जाएं तो वे सरकार को जवाब देने के लिए मजबूर कर सकते हैं। लेकिन वही आरोप जब राजनीतिक भाषा और व्यक्तिगत टिप्पणियों के साथ सामने आते हैं तो मूल मुद्दा पीछे छूट सकता है। संसद में राहुल गांधी के बयान के दौरान यही स्थिति देखने को मिली। उनके द्वारा इस्तेमाल किए गए 'इडियट' जैसे शब्दों पर सत्ता पक्ष ने आपत्ति जताई। संसदीय कार्य मंत्री ने इसे असंसदीय बताते हुए कार्यवाही से हटाने की मांग की और लोकसभा अध्यक्ष ने भी सदन की मर्यादा बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। यहां सवाल केवल एक शब्द का नहीं है। सवाल यह है कि क्या संसद में राजनीतिक असहमति व्यक्त करने के लिए ऐसी भाषा आवश्यक है। लोकतंत्र में तीखी आलोचना की पूरी गुंजाइश है। सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए जा सकते हैं। मंत्री की कार्यशैली पर सवाल किया जा सकता है। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री सहित किसी भी संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति से जवाब मांगा जा सकता है। लेकिन व्यक्तिगत टिप्पणी और अपमानजनक शब्द लोकतांत्रिक बहस को कमजोर ही करते हैं। राहुल गांधी के लिए यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि वे अब केवल कांग्रेस के एक सामान्य सांसद नहीं हैं। वे लोकसभा में विपक्ष के नेता हैं। इस पद के साथ राजनीतिक अधिकारों के साथ एक अतिरिक्त जिम्मेदारी भी जुड़ी है। देश के करोड़ों लोग संसद की कार्यवाही देखते हैं और विपक्ष के नेता की बात को सामान्य राजनीतिक बयान से अधिक गंभीरता से लिया जाता है। इसलिए राहुल गांधी की भाषा का प्रभाव भी व्यापक होता है। सत्ता पक्ष ने राहुल गांधी के बयानों को लेकर जिस तरह हमला किया, उसमें राजनीति का स्वाभाविक तत्व भी दिखाई देता है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने विपक्ष के नेता की भाषा को अनुचित बताया और कहा कि देश के युवाओं के लिए ऐसी भाषा का इस्तेमाल दुर्भाग्यपूर्ण है। भाजपा की ओर से यह आरोप भी लगाया गया कि राहुल गांधी बिना पर्याप्त प्रमाण के गंभीर आरोप लगाकर केवल राजनीतिक सुर्खियां बटोरना चाहते हैं। सत्ता पक्ष के नेताओं का तर्क है कि पेपर लीक का मुद्दा पहले ही सरकार और विपक्ष के बीच बहस का विषय रहा है तथा अब राजनीतिक श्रेय लेने की कोशिश की जा रही है। लेकिन सरकार को भी यह समझना होगा कि विपक्ष के सवालों को केवल राजनीतिक अवसरवाद कहकर खारिज नहीं किया जा सकता। यदि छात्रों के मन में परीक्षा व्यवस्था को लेकर अविश्वास है तो सरकार की जिम्मेदारी है कि वह पारदर्शी तरीके से जवाब दे। कितने पेपर लीक हुए, जांच कहां तक पहुंची, दोषियों के खिलाफ क्या कार्रवाई हुई और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए क्या व्यवस्था बनाई जा रही है, इन सवालों के स्पष्ट उत्तर जनता को मिलने चाहिए। केवल यह कहना पर्याप्त नहीं कि विपक्ष मुद्दे को राजनीतिक रंग दे रहा है। इसी तरह राहुल गांधी को भी यह समझना होगा कि आरोप लगाना आसान है लेकिन आरोप को प्रमाणित करना कठिन। खासकर जब बात गृह मंत्री जैसे वरिष्ठ संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के खिलाफ हो। राहुल गांधी की ओर से गोली या पैलेट गन चलाने के आदेश जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। ऐसे आरोपों के लिए ठोस प्रमाण अपेक्षित हैं। संसद में किसी व्यक्ति पर गंभीर आरोप लगाने के बाद उससे जुड़े तथ्य सामने रखना विपक्ष के नेता की जिम्मेदारी भी है। यदि प्रमाण नहीं हैं तो आरोप राजनीतिक बहस को तो गर्म कर सकते हैं लेकिन उनकी विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

राजनीति में राहुल गांधी की सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वे अपनी स्वत:स्फूर्त शैली को बनाए रखते हुए राजनीतिक और संसदीय जिम्मेदारी का संतुलन कायम करें। उनके समर्थक उनके बेबाक अंदाज को उनकी ताकत मानते हैं। उनका मानना है कि राहुल गांधी बिना किसी डर के सरकार से सवाल करते हैं और युवाओं, किसानों तथा आम लोगों के मुद्दों को संसद में उठाते हैं। दूसरी ओर उनके आलोचक कहते हैं कि वे कई बार जल्दबाजी में ऐसे बयान दे देते हैं जिन्हें बाद में सरकार और भाजपा उनके खिलाफ राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल करती है।

दोनों पक्षों के बीच यह बहस भारतीय लोकतंत्र के लिए नई नहीं है। सत्ता पक्ष हमेशा विपक्ष के आरोपों में राजनीति देखता है और विपक्ष सरकार के जवाबों में बचाव। लेकिन लोकतंत्र की सफलता इसी में है कि आरोप और जवाब दोनों तथ्य आधारित हों। संसद राजनीतिक युद्ध का मैदान जरूर है लेकिन वह केवल नारेबाजी और व्यक्तिगत आरोपों का मंच नहीं हो सकती। राहुल गांधी के सामने इसलिए एक महत्वपूर्ण राजनीतिक अवसर भी है। यदि वे पेपर लीक जैसे मुद्दों को लगातार तथ्य और प्रमाण के साथ उठाते हैं, छात्रों की समस्याओं को नीति के सवाल से जोड़ते हैं और सरकार से ठोस जवाब मांगते हैं तो उनकी भूमिका प्रभावी विपक्षी नेता के रूप में और मजबूत हो सकती है। लेकिन यदि गंभीर मुद्दों के बीच व्यक्तिगत टिप्पणियां और बिना प्रमाण के आरोप हावी हो गए तो बहस का केंद्र छात्रों की समस्या से हटकर राहुल गांधी की भाषा बन जाएगा। संसद में हाल की घटना इसी खतरे की ओर संकेत करती है।

कांग्रेस के लिए भी यह समय महत्वपूर्ण है। राहुल गांधी को केवल राजनीतिक रूप से आक्रामक नेता के रूप में नहीं बल्कि जिम्मेदार विपक्ष के चेहरे के रूप में स्थापित करने की जरूरत है। परिवार की विरासत राजनीति में शुरुआती पहचान दे सकती है लेकिन लंबे समय की राजनीतिक विश्वसनीयता केवल व्यक्तिगत प्रदर्शन से बनती है। जनता यह देखती है कि नेता क्या सवाल पूछता है, कैसे पूछता है और उसके सवालों के पीछे कितनी तैयारी है।

राहुल गांधी के राजनीतिक सफर में यह दौर निर्णायक हो सकता है। वे कांग्रेस की पुरानी जमीन वापस पाने की कोशिश कर रहे हैं और विपक्ष के नेता के रूप में राष्ट्रीय राजनीति में अपनी भूमिका बढ़ा रहे हैं। ऐसे समय में उनके शब्द ही उनकी सबसे बड़ी ताकत भी बन सकते हैं और सबसे बड़ी कमजोरी भी। संसद में सरकार को कठघरे में खड़ा करना उनका अधिकार है लेकिन संसद की गरिमा बनाए रखना उनकी जिम्मेदारी भी है।

लोकतंत्र में सरकार से सवाल पूछना जरूरी है और विपक्ष का मजबूत होना भी जरूरी है। लेकिन मजबूत विपक्ष वह नहीं जो सबसे ज्यादा शोर करे बल्कि वह है जो सबसे मजबूत तथ्य सामने रखे। राहुल गांधी यदि अपनी बेबाकी को तथ्य, प्रमाण और संसदीय मर्यादा के साथ जोड़ देते हैं तो उनकी राजनीति को नई विश्वसनीयता मिल सकती है। अन्यथा गंभीर मुद्दों के बीच एक असावधान शब्द पूरी बहस को भटका सकता है। यही राहुल गांधी की राजनीति की सबसे बड़ी परीक्षा है और शायद आने वाले समय में उनकी राजनीतिक पहचान भी इसी कसौटी पर तय होगी।

-कांतिलाल मांडोत

भारत-जर्मनी पनडुब्बी डील पर जल्द लगेगी मुहर-जर्मन राजदूत

नई दिल्ली । भारत और जर्मनी के बीच अगली पीढ़ी की पनडुब्बियों की खरीद से जुड़ा समझौता बहुत जल्द अंतिम रूप ले सकता है। जर्मनी के राजदूत फिलिप एकरमैन ने गुरुवार को इस संबंध में गहरा विश्वास व्यक्त करते हुए संकेत दिया कि 90,000 करोड़ रुपये से अधिक के इस समझौते पर अगले महीने तक हस्ताक्षर हो सकते हैं। यह प्रोजेक्ट-75 आई समझौता भारतीय नौसेना के लिए भारत में छह पारंपरिक पनडुब्बियों के निर्माण से संबंधित है, जिसका अनुमानित मूल्य लगभग 90,000 करोड़ रुपये (आठ अरब यूरो) से अधिक है। इस महत्वपूर्ण करार में जर्मनी की थिसेनक्रुप मरीन सिस्टम्स (टीकेएमएस) और भारत की सार्वजनिक क्षेत्र की मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स शामिल होंगी। भारत-जर्मनी वाणिज्य एवं उद्योग मंडल (आईजीसीसी) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में पत्रकारों से बातचीत में एकरमैन ने कहा ?कि मैं इस पनडुब्बी समझौते को लेकर बेहद आशान्वित और आश्वस्त हूं कि इस पर बहुत जल्द, शायद अगले महीने हस्ताक्षर हो जाएंगे। यह रक्षा सौदा दोनों देशों के रणनीतिक संबंधों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा।

वैश्विक सोने की मांग स्थिर, केंद्रीय बैंकों की खरीद में रिकॉर्ड उछाल

मुंबई । विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, इस वर्ष की दूसरी (अप्रैल-जून) तिमाही में वैश्विक सोने की कुल मांग लगभग स्थिर रहकर 1,269 टन दर्ज की गई। यह आंकड़ा पिछले वर्ष की समान तिमाही के लगभग बराबर रहा, जो शुरुआती रिकॉर्ड कीमतों के बाद बाजार में आई कुछ नरमी के बावजूद मांग में स्थिरता दर्शाता है। रिपोर्ट बताती है कि केंद्रीय बैंकों की रिकॉर्ड खरीद और ओवर-द-काउंटर (ओटीसी) निवेश ने गिरावट को थामे रखा। डब्ल्यूजीसी की क्यू2 2026 गोल्ड डिमांड ट्रेंड्स रिपोर्ट के मुताबिक, 2026 की पहली छमाही (जनवरी-जून) में सोने की मांग सालाना आधार पर दो प्रतिशत बढ़कर अनुमानित 2,522 टन रही, जिसका मूल्य 3,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर रहा।दूसरी तिमाही में गोल्ड ईटीएफ (एक्सचेंज ट्रेडेड फंड), सोने के बिस्कुट और सिक्कों में निवेश घटकर 262 टन रह गया। सोने की कीमतों में नरमी आने से वर्ष की शुरुआत में देखी गई मजबूत निवेश गति धीमी पड़ गई। हालांकि, गोल्ड ईटीएफ से 45 टन की निकासी के बावजूद, पहली छमाही में ईटीएफ की कुल मांग 18 टन के साथ सकारात्मक बनी रही। सोने के बिस्कुट व सिक्कों में निवेश अपेक्षाकृत स्थिर रहा, तिमाही में तीन प्रतिशत घटा, लेकिन पहली छमाही में यह 21 प्रतिशत अधिक रहा। वहीं एशियाई निवेशकों के मजबूत समर्थन से ओटीसी बाजार में मांग दूसरी तिमाही में 327 टन रही, जिसने कुल मांग को सहारा दिया। डब्ल्यूजीसी के भारत प्रमुख सचिन जैन ने बताया कि अप्रैल-जून तिमाही में केंद्रीय बैंकों और अन्य आधिकारिक संस्थानों ने अपने भंडार में शुद्ध 289 टन सोना जोड़ा, जो सालाना आधार पर 62 प्रतिशत अधिक है। पोलैंड, चीन और चेक गणराज्य जैसे देशों की अगुवाई में यह खरीद बढ़ी, जिसमें भारतीय रिजर्व बैंक ने भी 200 किलोग्राम सोना खरीदा। रिपोर्ट में कहा गया है कि ऊंची कीमतों का असर आभूषणों की मांग पर भी पड़ा, जो सालाना आधार पर 17 प्रतिशत घटकर हल्के आभूषणों की ओर स्थानांतरित हो गई। इसके बावजूद, मूल्य के आधार पर आभूषणों की वैश्विक मांग 22 प्रतिशत बढ़कर 860 अरब अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गई। कुल वैश्विक आपूर्ति 1,269 टन पर स्थिर रही, जिसमें खनन उत्पादन में दो प्रतिशत की वृद्धि और पुनर्चक्रण में छह प्रतिशत की कमी देखी गई। डब्ल्यूजीसी की वरिष्ठ विश्लेषक लुईस स्ट्रीट के अनुसार, वर्ष की दूसरी छमाही में निवेश मांग वृद्धि का प्रमुख आधार रहने की संभावना है।

फेड ने ब्याज दरें अपरिवर्तित रखीं, महंगाई पर कड़ा रुख जारी

नई दिल्ली । अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने अपनी नवीनतम मौद्रिक नीति बैठक में प्रमुख ब्याज दरों को 3.50 फीसदी से 3.75 फीसदी के दायरे में अपरिवर्तित रखने का निर्णय लिया है। यह फैसला बाजार की उम्मीदों के अनुरूप रहा, लेकिन नीति निर्धारण समिति के तीन सदस्यों ने दर में 0.25 फीसदी की वृद्धि का समर्थन कर आंतरिक मतभेद को उजागर किया। फेड ने उच्च महंगाई पर कड़ी नजर रखने की बात दोहराई है। क्लीवलैंड, डलास और मिनियापोलिस फेडरल रिजर्व बैंकों के अध्यक्षों ने मौजूदा आर्थिक स्थितियों के मद्देनजर दरों में वृद्धि को उचित बताया। उन्होंने अप्रैल की बैठक में भी ब्याज दरों में नरमी के संकेतों का विरोध किया था। नए फेड चेयर केविन वॉर्श के नेतृत्व में फेड ने बयान दिया कि महंगाई दर अभी भी उसके 2त्न के दीर्घकालिक लक्ष्य से ऊपर है। केंद्रीय बैंक ने भविष्य के फैसलों के लिए आर्थिक आंकड़ों पर निर्भर रहने का संकेत दिया, और महंगाई को लेकर अपने सख्त रुख में कोई नरमी नहीं दिखाई। फेड ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था को मजबूत बताया, जिसमें आर्थिक गतिविधियां ठोस गति से बढ़ रही हैं और रोजगार बाजार भी स्थिर बना हुआ है। रोजगार सृजन की रफ्तार श्रमबल की वृद्धि के अनुरूप है। इस फैसले के बाद अमेरिकी शेयर बाजारों में शुरुआती गिरावट कम हुई, जबकि ट्रेजरी बॉन्ड की यील्ड में तेजी सीमित रही और डॉलर कमजोर हुआ। बाजार अब आगामी आर्थिक आंकड़ों पर केंद्रित हैं।

एचएफसीएल को 441 करोड़ रुपए का नया निर्यात ठेका मिला

नई दिल्ली । दूरसंचार उपकरण विनिर्माता कंपनी एचएफसीएल को ऑप्टिकल फाइबर केबल के निर्यात के लिए 4.61 करोड़ अमेरिकी डॉलर (करीब 441.53 करोड़ रुपये) का ठेका मिला है। कंपनी ने गुरुवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि इस ठेके को जनवरी, 2027 तक पूरा किया जाना है। एचएफसीएल ने कहा ?कि कंपनी को अपनी विदेशी अनुषंगी के माध्यम से एक प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय ग्राहक से ऑप्टिकल फाइबर केबल की आपूर्ति के लिए 4.61 करोड़ अमेरिकी डॉलर (441.53 करोड़ रुपये) का निर्यात ठेका मिला है।''इस महीने की शुरुआत में भी एचएफसीएल को एक अंतरराष्ट्रीय डेटा सेंटर कंपनी से ऑप्टिकल फाइबर केबल की आपूर्ति के लिए 495.8 करोड़ रुपये का निर्यात ऑर्डर मिला था। एचएफसीएल ने अपनी फाइबर ऑप्टिक केबल उत्पादन क्षमता को 3.9 करोड़ फाइबर-रूट किलोमीटर (आरकेएम) प्रतिवर्ष से बढ़ाकर 4.5 करोड़ फाइबर-रूट किलोमीटर करने की घोषणा की है। कंपनी ऑप्टिकल फाइबर की उत्पादन क्षमता भी तीन करोड़ फाइबर-रूट किलोमीटर (आरकेएम) प्रतिवर्ष से बढ़ाकर चार करोड़ फाइबर-रूट किलोमीटर कर रही है।कंपनी के ऑप्टिकल फाइबर केबल (ओएफसी) कारोबार की ऑर्डर बुक गत

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 274 अंक, निफ्टी 66 अंक उछला

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। गत दिवस भी बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था। इस प्रकार यह लगातार दूसरा कारोबारी सत्र है जब प्रमुख बेंचमार्कों सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी देखने को मिली है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 273.55 अंक बढ़कर 77,928.15 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 66.95 अंक बढ़कर 24,317.15 पर बंद हुआ। आज निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में गिरावट रही।

आज निफ्टी ऑटो के शेयर सबसे अधिक उछले। निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी मीडिया और निफ्टी आईटी के शेयरों में बढ़त रही। वहीं इसके विपरीत, निफ्टी रियल्टी सूचकांक में सबसे अधिक गिरावट रही। निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी फार्मा इंडेक्स के शेयरों में भी गिरावट रही। निफ्टी में सबसे ज्यादा लाभ कमाने वाले शेयरों में एम एंड एम, कोल इंडिया, आइशर मोटर्स, मारुति सुजुकी, टीएमपीवी और विप्रो शामिल थे जबकि एचडीएफसी लाइफ, श्रीराम फाइनेंस, एसबीआई लाइफ, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज और इंडिगो के शेयर गिरे। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की मिली-जुली शुरुआत रही। शुरुआती कारोबार में जहां प्रमुख सूचकांकों में मामूली उतार-चढ़ाव दिखा, वहीं सेक्टरों के प्रदर्शन में बड़ा अंतर दर्ज किया गया। सुबह 9ः19 बजे तक सेंसेक्स हल्की गिरावट के साथ 77,619.20 पर था, जबकि निफ्टी50 मामूली बढ़त के साथ 24,261.90 पर कारोबार कर रहा था।

हाई-कैफीन ड्रिंक्स पर एनर्जी ड्रिंक का टैग लगाने पर रोक

कंपनियों को लेबल बदलने के लिए 90 दिन का समय

नई दिल्ली। भारत के खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने हाई-कैफीन वाले पेय पदार्थों पर एनर्जी ड्रिंक शब्द के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है। ?नियामक का कहना है कि इन उत्पादों के लिए देश में कोई आधिकारिक मानक नहीं हैं, और शरीर को ऊर्जा देता है या कमजोरी दूर करता है जैसे दावे ग्राहकों को गुमराह कर सकते हैं। एफएसएसएआई ने कंपनियों को अपने उत्पादों पर ऐसे दावे करने से भी रोका है। इस निर्देश का पेप्सी सहित कई कंपनियों ने शुरू में विरोध किया था, उनका तर्क था कि इससे उनके ब्रांड और बिक्री पर नकारात्मक असर पड़ेगा। सरकारी सूत्रों के अनुसार कंपनियों ने अंततः नियमों का पालन करने पर सहमति व्यक्त कर दी है, और एफएसएसएआई ने उन्हें लेबल बदलने के लिए 90 दिन का समय दिया है। यह कदम ऐसे समय में आया है जब दुनिया भर में हाई-कैफीन, चीनी और टॉरिन युक्त पेय पदार्थों से जुड़ी स्वास्थ्य चिंताओं के कारण इन पर लगाम कसी जा रही है। उदाहरण के लिए इंग्लैंड अगले साल अप्रैल से 16 साल से कम उम्र के बच्चों को ऐसे पेय बेचने पर प्रतिबंध लगाएगा। इंडियन बेवरेज एसोसिएशन ने सरकार के नियमों का पालन करने का आश्वासन दिया है और विज्ञान आधारित नीतियों का समर्थन किया है। हालांकि, एसोसिएशन ने एफएसएसएआई से किसी भी बड़े नियम को लागू करने से पहले कंपनियों से चर्चा करने का आग्रह किया है ताकि नियमों का सुचारु कार्यान्वयन हो सके और विवादों को टाला जा सके।

एक्स्ट्रानेट टेक्नोलॉजीज की धमाकेदार लिस्टिंग

नई दिल्ली। एक्स्ट्रानेट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड का शेयर गुरुवार को शेयर बाजार में शानदार शुरुआत के साथ सूचीबद्ध हुआ, जिसने अपने 127 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले सात प्रतिशत की मजबूत बढ़त दर्ज की। यह लिस्टिंग निवेशकों के लिए सकारात्मक खबर लेकर आई है। बीएसई पर कंपनी का शेयर 130.10 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ, जो निर्गम मूल्य से 2.44 प्रतिशत अधिक है। वहीं एनएसई पर शेयर ने और बेहतर प्रदर्शन करते हुए सात प्रतिशत की बढ़त के साथ 136 रुपये पर कारोबार शुरू किया। इस सफल लिस्टिंग के साथ, कंपनी का बाजार पूंजीकरण 646.25 करोड़ रुपये हो गया हैं कंपनी के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को सोमवार को बोली के अंतिम दिन 12.24 गुना अभिदान मिला था, जिसने निवेशकों के मजबूत भरोसे को दर्शाया। आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 120-127 रुपये प्रति शेयर निर्धारित किया गया था। एक्स्ट्रानेट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और आईटी-सक्षम सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करती है।

मेष राशि - आज का दिन आपके लिए बहुत ही सकारात्मक और मंगलमय रहेगा। आपके अच्छे कामों और ईमानदारी से आपकी पहचान और सम्मान बढ़ेगा। यदि आपको कोई शारीरिक समस्या परेशान कर रही थी, तो उसमें भी सुधार के संकेत दिखाई देंगे। परिवार के सदस्य आपके कामों में आपका पूरा साथ देंगे, जिससे मन को बहुत खुशी मिलेगी। प्रेम जीवन में रहने वाले लोग साथी के साथ घूमने-फिरने या छोटी यात्रा की योजना बना सकते हैं।

वृषभ राशि- आज का दिन तरक्की और उन्नति की राह पर आपके लिए अनुकूल रहेगा। राजनीति या पेशेवर क्षेत्र में कार्यरत लोग नए संपर्कों से लाभ पा सकते हैं। परिवार के सदस्यों के साथ कुछ समय व्यतीत करने से पुराने पारिवारिक कलह या असहमति को दूर करने का अवसर मिलेगा। अनजान लोगों से दूरी बनाए रखना बेहतर रहेगा। विद्यार्थी शिक्षा में अच्छा प्रदर्शन करेंगे और कोई मनपसंद इच्छा पूरी होने से खुशी का अनुभव करेंगे। अपने रहन-सहन और निर्णयों में संतुलन बनाए रखें।

मिथुन राशि- आज का दिन आपके लिए थोड़ी उलझन भरा और व्यस्त रहेगा। काम का बोझ और इधर-उधर का आना-जाना लगेगा, लेकिन खर्च भी कुछ अधिक रहेंगे। प्रेम जीवन में साथी के लिए कोई सरप्राइज या उपहार लाने का मौका बन सकता है। व्यावसायिक या निवेश संबंधी फैसलों में थोड़ी सावधानी बरतें और योजना बनाकर आगे बढ़ें। जरूरतमंद व्यक्ति की मदद करना आपके सामाजिक सम्मान और छवि को और निखारेगा। सामाजिक कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी से आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी।

कर्क राशि- आज का दिन पद और प्रतिष्ठा बढ़ाने वाला रहेगा। कार्य क्षेत्र में मनपसंद काम मिलने के योग हैं, जो आपको संतोष और खुशी देंगे। जीवनसाथी के साथ तालमेल बनाए रखें, ताकि वैवाहिक जीवन में संतुलन बना रहे। विद्यार्थी विदेश में शिक्षा ग्रहण करने के अवसर पा सकते हैं। माता-पिता की सेहत पर थोड़ा एतियात रखें। यदि घूमने-फिरने का कोई प्लान बनाएं, तो अपने कीमती सामानों की सुरक्षा का ध्यान रखें।

सिंह राशि- आज का दिन लाभ और बुद्धिमानी के प्रयोग का रहेगा। किसी अन्य के मामलों में बेवजह बोलने से बचें और अपनी वाणी को सौम्य रखें। ससुराल पक्ष का कोई व्यक्ति आपसे मिलने आ सकता है। छोटे बच्चों की फरमाइश को पूरा करेंगे, जिससे घर का माहौल सुखमय बनेगा। आय में वृद्धि होगी और आप अपनी बुद्धि और विवेक से फैसले लेकर सबको चौंका सकते हैं। नए अवसरों की पहचान आपके लिए लाभकारी रहेगी।

कन्या राशि- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहेगा। धार्मिक आयोजन में भाग लेने का अवसर मिलेगा, जो आपके मन को शांति देगा। आसपास रहने वाले लोगों की पहचान रखें, क्योंकि कुछ मित्र शत्रु भी बन सकते हैं। जिम्मेदारियों में लापरवाही न करें। दूर रहने वाले परिजन से खुशखबरी मिलने की संभावना है। घर में अतिथि आगमन से माहौल खुशनुमा और जीवन में आनंद का अनुभव होगा।

तुला राशि- आज का दिन सोच-समझकर निर्णय लेने का है। राजनीति या पेशेवर क्षेत्र में बड़े पद की प्राप्ति का मौका मिलेगा, लेकिन काम का दबाव भी अधिक रहेगा। आय बढ़ाने का अवसर हाथ से जाने न दें और जरूरतमंद की मदद भी करें। परिवार में किसी सदस्य को नौकरी या शिक्षा को लेकर बाहर से बुलावा आ सकता है। मेहनत का फल आपको निश्चित रूप से मिलेगा, पर सेहत का ध्यान भी जरूरी रहेगा।

वृश्चिक राशि-आज का दिन योजनाबद्ध तरीके से काम करने का है। जोश से ज्यादा होश में रहें। खर्चों को लेकर योजना बनाएं, नहीं तो अनावश्यक धन व्यय हो सकता है। प्रॉपर्टी से जुड़ा कोई मामला तनाव दे सकता है। कारोबार में परिवर्तन आपके लिए लाभकारी रहेगा। पुराने मित्र के लिए आर्थिक मदद करना आपको संतोष देगा और संबंध मजबूत करेगा।

धनु राशि-आज कार्यभार अधिक रहेगा, लेकिन कई काम एक साथ आने से व्यस्तता बढ़ेगी। ससुराल पक्ष से धन लाभ की संभावना है। सांस्कृतिक सुख साधनों में वृद्धि होगी। लंबित सरकारी या व्यावसायिक कार्यों को पूरा करने का समय मिलेगा। बॉस की कोई बुरी बात आपको परेशान कर सकती है, पर आप शांत रहकर परिस्थितियों का सामना करेंगे।

मकर राशि-आज कोई मनोकामना पूरी होने की संभावना है। घूमने-फिरने का अवसर मिलेगा और सरप्राइज गिफ्ट भी मिल सकता है। संतान की किसी गलती पर तुरंत हां न कहें, नहीं तो बाद में पछतावा हो सकता है। विद्यार्थी पढ़ाई में मन लगाएं और पिताजी की सेहत पर ध्यान दें। सामाजिक कार्यक्रमों में मान-सम्मान मिलेगा।

कुंभ राशि-आज जोखिम भरे काम से दूर रहें। यात्रा पर जाना पड़ सकता है। डूबा हुआ धन मिलने की संभावना है। बुद्धि का प्रयोग करके नुकसान से बचें। परिवार में किसी सदस्य के विवाह प्रस्ताव से माहौल खुशनुमा रहेगा। मतभेद से दूर रहें और किसी जोखिम भरे काम में हाथ न डालें।

शब्दजाल - 8336

र	क	ल	ड्री	म	ग	र्ल	धी	सी	ल	ज
र	जि	ल	दे	क्रां	ति	ड्र	इं	ता	ट	वा
त	स	या	ल	र्म	छ	रा	रा	औ	ख	द
ब	ज	ज	सु	पु	र	रा	प	र	ली	ब
म	गा	दो	ग	ल्ता	लं	ज	तू	गी	झ	र्निं
स	क	व	प	ह	न	पू	ना	ता	घ	ग
त्ते	अ	स	त	या	प	त	श	ज	ला	ट्रे
पे	ता	दा	ई	ह	ब	सा	फ	रा	श	न
स	बा	चे	न	ब्रा	जी	ई	री	ल	प	रु
त्ता	पा	ला	ल	शो	ले	दु	र	शा	स्त्री	ता
ह	रा	जी	व	गां	धी	रा	क	या	म	त

शब्दजाल में 'हेमा मालिनी'की10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हैं.

क्रांति,ड्रीमगर्ल,बगावत,रजिया सुल्तान, शोले, सीता और गीता,सत्ते पे सत्ता, राजपूत,द बर्निंग ट्रेन,कयामत

शब्दजाल - 8335 का हल

आ	ल	र	सं	दा	प	र	तू	ग	झ	आ
ज	म	ल	त	आ	मो	ना	श	प	ति	अ
अं	इ	नु	रा	ल	दा	ल	अ	र	ला	सी
ज	त	र	बू	ज	ला	क	न्ना	रि	श	ता
स	ति	अं	गू	र	र	क	ना	ग	वी	फ
से	रं	ल	चु	व	लि	र्त	स	ती	प	ल
ब	गा	ल	के	गा	प	म	त	कौ	या	ले
श	बा	अ	ना	र	क	छ	क	ग	श	थ
म	स	मि	न	व	न	ज	स	शा	जू	द
द	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	प	ना
थो	प	पी	ता	र	हो	ग	या	दु	र	क

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7280

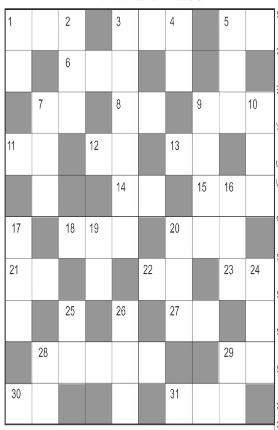

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब कोई बात बिगड़ जाये' गीत वाली विनोद खन्ना, मीनाक्षी शेशद्रि की फिल्म-२
२. संजीवकुमार, लीना चंदावरकर की 'पैसे बिना प्यार फिजूल है' गीत वाली फिल्म-३
३. 'इन आँखों की मस्ती के' गीत वाली नसीर, फारूख शेख, रेखा की फिल्म-४,२
४. राजकुमार, सुनीलदत्त, साधना, शर्मिला की 'हम जब सिमट' गीत वाली फिल्म-२
५. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
७. जैकी श्रॉफ, जूही, अमृता की 'मेरी बन्नो की' गीत वाली फिल्म-३
९. 'शाम है धुआं धुआं' गीत वाली अजय देवगन, मधु, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-४
१०. विनोद खन्ना, नीतूसिंह की 'बनके संवरके मैं निकली' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'अगर जिंदगी हो तेरे' गीत वाली अविनाश वधावन, आयशा की फिल्म-३
१७. गुरूदत्त, आशा पारेख की 'वो दिल कहाँ से लाऊं' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली बॉबी, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
२०. संजीवकुमार, रेहाना सुल्तान की फिल्म-३
२४. 'छू कर मेरे मन' गीत वाली अमिताभ, अमजदखान, नीतूसिंह की फिल्म-३
२५. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'तू लाली है सवेरे वाली' गीत वाली विनोद मेहरा, सायराबानो की फिल्म-३
२८. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की 'मेरे पास भी है' गीत वाली फिल्म-४
२९. संजयदत्त, कुमार गौरव, पूनम की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अनिल कपूर, श्रीदेवी, उर्मिला की 'हो मुझे प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मन क्यों बहका रे' गीत वाली फिल्म-३
५. जैकी, संजयदत्त, रवीना की 'याइला रे लड़की मस्त मस्त' गीत वाली फिल्म-२
६. 'छोटा बच्चा जानके' गीतवाली फिल्म-३
७. अक्षय, जैकी, सुनील, रवीना, लारा की 'कोई प्यार ना करे' गीतवाली फिल्म-२
८. फिल्म 'चलते चलते' में नायिका-२
९. शाहरूख, मनीषा, प्रीति की 'जिया जले जान' गीत वाली फिल्म-२,१
११. 'खुल गया नसीब देखो साला' गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा की फिल्म-२
१२. अमिताभ, फरदीन, करीना की 'जब नहीं आये थे' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना टंडन की फिल्म-२
१४. बिश्वजीत, माला सिन्हा की 'अकेला हूँ मैं' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'तेरी दुनिया से दूर' गीत वाली महीपाल, श्यामा की फिल्म-३
१८. कंवलजीत, वहीदा रहमान की 'पर्वतों के पेड़ों पर' गीत वाली फिल्म-३
२०. मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२१. राजेशखन्ना, मुमताज की 'गोरे रंग पे ना इतना' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'दुनिया जब जलती है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२
२३. देव आनंद, माला की 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मेरी उमर के नौजवानों' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
२८. नसीर, आमिर, सोनाली की 'होशवलों को खबर' गीत वाली फिल्म-५
२९. 'प्रहार' में डिम्पल के साथ नायक?-२
३०. गोविंदा, नीलम की 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली फिल्म-२
३१.'मैं क्या करूं राम' गीतवाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 7279

स्व	दे	श		स	ड़	क		आ	ह
र्ग		रा	हु	ल		स	र	ग	म
	बॉ	बी		मा	लि	क			जो
अ	क्स		डॉ	न			जं	ग	ली
ध	र	ती		खा	मो	शी		र्व	
र्म		स		न		बा	जी		का
	क	री	ना		प		त	ला	श
स		क		सू	र	ज		वा	
प	ड़ो	स	न		वा		बा	रि	श
ने		म		गु	ना	ह		स	

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

31 जुलाई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.48 बजे से
चंद्र	कुंभ में	कन्या	09.00 बजे से
मंगल	वृष में	तुला	11.11 बजे से
बुध	मिथुन में	वृश्चिक	13.25 ब.से
गुरु	कर्क में	धनु	15.41 बजे से
शुक्र	सिंह में	मकर	17.46 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	19.33 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	21.06 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	22.36 बजे से
		वृष	00.16 बजे से
		मिथुन	02.14 बजे से
		कर्क	04.28 बजे से

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

शुक्रवार 2026 वर्ष का 212 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** द्वितीया 22.32 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** धनिष्ठा 19.27 बजे को समाप्त। **योग** सौभाग्य 23.54 बजे को समाप्त। **करण** तैतिल 10.05 बजे तदनन्तर गर 22.32 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 16.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 18° 19' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872787 **जूलियन दिन** 2461252.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** सफर **तारीख** 16 **विशेष** मुंशी प्रेमचंद जयंती, उधमसिंह शहीद दिवस, मोहम्मद रफी पुण्यतिथि।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चर	05.55	से	07.23 बजे तक	रोग	05.38	से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23	से	08.51 बजे तक	काल	07.11	से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51	से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43	से	10.15 बजे तक
काल	10.19	से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15	से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47	से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47	से	01.19 बजे तक
रोग	01.15	से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19	से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43	से	04.10 बजे तक	चर	02.51	से	04.23 बजे तक
चर	04.10	से	05.38 बजे तक	रोग	04.23	से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः न्यूटन का संयम

एक बार सर आइजक न्यूटन ने लगातार कई दिनों तक दिन-रात मेहनत करके एक शोधपत्र तैयार किया। काम पूरा होने के बाद उन्होंने राहत की सांस ली। वह शोधपत्र के पन्नों को एक जगह रखकर कुछ देर के लिए बाहर चले गए। जहां वह शोधपत्र रखा था, वहीं एक मोमबत्ती जल रही थी। उस समय न्यूटन का पालतू कुत्ता जैकी अकेला था। अकेले में मोमबत्ती की परछाई को देख कर जैकी उस पर कूद पड़ा। जैकी के ऐसा करते ही जलती हुई मोमबत्ती मेज पर रखे शोधपत्र पर जा गिरी और देखते ही देखते कागजों ने आग पकड़ ली। कई दिनों की मेहनत पल भर में ही राख हो गई। कुछ ही देर बाद न्यूटन जब वापस लौटे तो यह दुर्घटना देखकर आपा खो बैठे लेकिन उन्होंने तुरंत ही स्वयं को संभाला। उन्होंने मन ही मन सोचा कि जो राख हो चुका वह तो वापस आ नहीं आ सकता फिर परेशान होने से क्या फायदा। जैकी को नजदीक देखकर वह समझ गए कि उसी के कारण यह सब हुआ है। फिर वह जैकी की तरफ देखकर उसके सिर पर हाथ फेरते हुए बोले, 'तुम क्या जानो जैकी कि तुमने मेरी मेहनत को मिट्टी में मिला दिया है। खैर, अब तो जो हो गया सो हो गया। गुस्सा या पश्चाताप करने से कुछ होगा नहीं। इसलिए बेहतर है कि मैं नए सिरे से अपना काम शुरू करूं।' न्यूटन उसी समय शोधपत्र फिर से तैयार करने में जुट गए। बाद में जिसने भी यह वाकया सुना उसने न्यूटन के धैर्य और लगन की तारीफ की।

सूडोकु नवताल- 7589

★★★★★ कठिनतम

				5	1	4		
			7				2	
		8						3
	1							8
5				4				9
7							6	
4						7		
	2				6			
		3	9	8				

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7588 का हल

4	7	6	3	5	2	9	1	8
5	9	8	6	7	1	4	3	2
2	3	1	8	9	4	7	6	5
6	8	5	7	3	9	2	4	1
3	2	4	5	1	6	8	7	9
7	1	9	4	2	8	3	5	6
8	4	3	2	6	5	1	9	7
1	5	2	9	4	7	6	8	3
9	6	7	1	8	3	5	2	4

शब्द पहेली - 8804

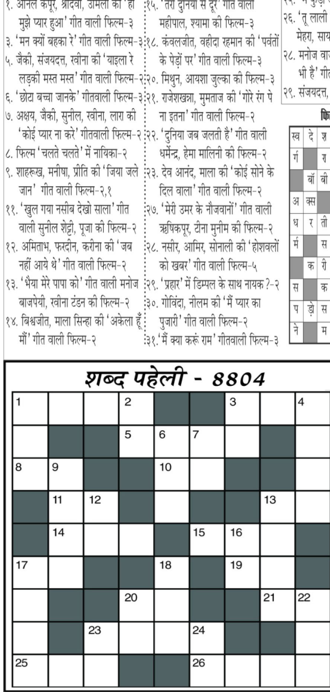

बाएँ से दाएँ

1.साले की पत्नी-4
3.उच्च कुल का -3
5.पाताल-4
8.व्यंग,चुटीली बात-2
10.दुख,कष्ट-2
11.शराब का प्याला-2
13.सत्य,तेज-2
14.जुड़वा-3
15.विश्राम,राहत-3
17.मक्का-मदीना की यात्रा-2
19.झुका हुआ-2
20.टैक्स,हाथ-2
21.होठ,अधर-2
23.सुरक्षित-4
25.नाश,विनाश,विध्वंस-3
26.निश्चित -4

ऊपर से नीचे

1.नदी-3
2.संपत्ति,धन-2
3.वंश,खानदान-2
4.उत्तमता,परिष्कृतता-4
6.समुद्र,दरिया-3
7.अंधकार-2
9.जो जायज न हो-4
12.संस्कृत में 'मेरा'-2
13.सपाट- 4
16.जांघ-2
17.पैगंबर,महापुरुष-4
18.रनिवास (उर्दू-3)
20.हुनर,फन-2
22.देह,काया-3
23.गलत का विलोम -2
24.निश्चित-2

शब्द पहेली - 8803 का हल

फि	त	र	त		स	ला	म	त
रं		त	ल	ब	गा	र		मी
गी	ला			द			ह	ज
	ल		क	न	क		म	
ध	कि	या	ना		या	या	व	र
	ता		त	म	स		त	
ऐ	ब			ना			न	न
न		ख	ल	ना	य	क		क
क	र	त	ब		म	ल	म	ल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शिक्षा समिति की बैठक में हुए बड़े फैसले

आधार शिविर लगेंगे, एकल शिक्षक स्कूलों पर सख्ती, खेलकूद प्रतियोगिता होगी

पद्मेश न्यूज। लाँजी।

जनपद पंचायत लाँजी के सभागार में गुरुवार को आयोजित शिक्षा समिति की बैठक में विकासखंड की शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में विद्यार्थियों की सुविधाओं, शिक्षक व्यवस्था, आधार अपडेट, शुल्क राहत और विद्यालयों के आधारभूत ढांचे से जुड़े मुद्दों पर गंभीरता से मंथन हुआ। समिति ने स्पष्ट किया कि विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित नहीं होने दी जाएगी और शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे।

बैठक की अध्यक्षता जनपद पंचायत उपाध्यक्ष एवं शिक्षा समिति अध्यक्ष अजय अवसरे ने की। इस दौरान जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अर्चना खोंगल, जनपद सदस्य गोवर्धन घोरमारे, टुमन घोरमारे, डॉ. श्यामलाल बेदरे, विकासखंड शिक्षा अधिकारी प्रमोद भीमटे, बीआरसी शेवेन्द्र उके, एयूओ, प्राचार्य, जनशिक्षक, लिपिक एवं शिक्षा विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

बैठक में 5 से 15 वर्ष आयु वर्ग के विद्यार्थियों के आधार कार्ड में सुधार एवं अपडेट की समस्या को देखते हुए जनशिक्षा केंद्र स्तर पर आधार सुधार शिविर आयोजित करने का निर्णय लिया गया, ताकि विद्यार्थियों और अभिभावकों को स्थानीय स्तर पर ही सुविधा मिल सके।

संबल कार्डधारी विद्यार्थियों को नामांकन एवं बोर्ड परीक्षा शुल्क में राहत देने पर भी सहमति बनी। जिन पात्र विद्यार्थियों से शुल्क लिया जा चुका है, वे संबल कार्ड प्रस्तुत करने पर निर्धारित नियमों के अनुसार शुल्क वापसी के पात्र होंगे।

बैठक में विकासखंड के शिक्षक विहीन विद्यालयों और 22 एकल शिक्षक स्कूलों की स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की गई। समिति ने अन्य विद्यालयों में संलग्न शिक्षकों को उनके मूल पदस्थापना स्थल पर वापस भेजने तथा शिक्षकों की कमी दूर करने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने पर जोर दिया।

विद्यालयों के आधारभूत ढांचे पर चर्चा के दौरान घोटिघुसमारा माध्यमिक शाला में शौचालय निर्माण तथा हाईस्कूल सावरिखुर्द के वर्ष 2007 से लंबित भवन निर्माण का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। साथ ही अतिरिक्त कक्षों में संचालित कक्षाओं और शौचालय सुविधा के अभाव की जानकारी भी बैठक में रखी गई।

समिति ने सर्वसम्मति से विकासखंड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित कराने का निर्णय लिया। प्रतियोगिता में कक्षा 6वीं से 12वीं तक के शासकीय एवं अर्धशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थी भाग लेंगे।

बैठक में विद्यार्थी नामांकन, पाठ्यपुस्तक वितरण, विद्यालयों की मरम्मत, ऑनलाइन उपस्थिति प्रणाली में आ रही तकनीकी समस्याओं सहित शिक्षा विभाग से जुड़े अन्य विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए शिक्षा समिति अध्यक्ष अजय अवसरे ने कहा कि विद्यालयों की वास्तविक समस्याओं का समाधान करना समिति की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण, आवश्यक सुविधाएं और पर्याप्त शिक्षक उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास किए जाएंगे।

बैठक सकारात्मक माहौल में संपन्न हुई, जिसमें शिक्षा विभाग के अधिकारी, प्राचार्य, जनशिक्षक एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

राम नाम संकीर्तन से गूंजा अमेडा पा, अखंड रामायण पाठ का हुआ शुभारंभ

पद्मेश न्यूज। लांजी। सावन मास के पावन अवसर पर एकल अभियान संच के तत्वावधान में चलाए जा रहे 30 दिन 30 गांव अखंड रामायण पाठ अभियान के तहत गुरुवार को ग्राम अमेडा पा में 24 घंटे के अखंड रामायण पाठ का श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

कार्यक्रम की शुरुआत योग-प्राणायाम एवं संगीतमय राम नाम संकीर्तन से हुई। ग्राम के वरिष्ठजनों एवं एकल अभियान के कार्यकर्ताओं ने योगाभ्यास किया। इसके बाद भजन मंडली ने श्रीराम, जय राम, जय-जय राम के जयघोष के साथ प्रभात फेरी निकाली। रामधुन से पूरा गांव भक्तिमय माहौल में सराबोर हो गया।

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अखंड रामायण पाठ का विधिवत शुभारंभ किया गया। एकल अभियान के पदाधिकारियों ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य गांव-गांव में धार्मिक चेतना, सामाजिक समरसता, नैतिक मूल्यों तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश पहुंचाना है। वक्ताओं ने कहा कि भगवान श्रीराम के आदर्श आज भी समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं और उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने के साथ प्रकृति संरक्षण का संकल्प लेना भी प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। इसी भावना के तहत रामायण पाठ के साथ वृक्षारोपण भी किया गया।

कार्यक्रम में ग्रामीणों, मातृशक्ति, युवाओं और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजन के समापन अवसर पर निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, निःशुल्क दवा वितरण, बच्चों द्वारा श्रीरामचरितमानस पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां एवं नाट्य मंचन, संगीतमय भजन-कीर्तन तथा महाप्रसादी का आयोजन किया जाएगा।

कार्यक्रम को सफल बनाने में एकल अभियान संच के कार्यकर्ताओं सहित गणेश रणदिवे, संतोष दुरुगकर, मुकेश नेवारे, गुरूदयाल बड़गैया, अधारी बड़गैया, जवाहर बड़गैया, अरविंद, राकेश, विजय, विनीत, दीपक, गंगाराम, अनाराम, गिरधारी बड़गैया एवं समस्त ग्रामवासियों का सराहनीय योगदान रहा।

प्रारंभ हुआ सावन मास

सोमवार 3 अगस्त को कांवड़ यात्रा का पहला जत्था छोटी बाघ नदी के उद्गम स्थल से जल लाकर करेगा अभिषेक

पद्मेश न्यूज। लांजी। श्रावण मास के पावन अवसर पर भगवान शिव की आराधना के लिए बोल बम सेवा समिति द्वारा आयोजित

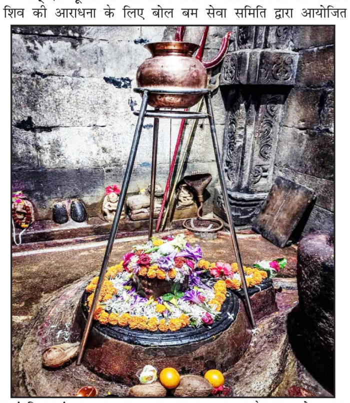

पारंपरिक कांवड़ यात्रा का पहला जत्था श्रावण मास के प्रथम सोमवार 3 अगस्त को श्रद्धा और उत्साह के साथ रवाना होगा। श्रद्धालु छोटी बाघ नदी के उद्गम स्थल चहेली सीतापाला से पवित्र जल लेकर लगभग 42 किलोमीटर की कठिन पदयात्रा करते हुए बाबा कोटेश्वरनाथ धाम, लांजी पहुंचेंगे, जहां भगवान शिव का जलाभिषेक कर सुख, समृद्धि और लोककल्याण की कामना करेंगे। यह धार्मिक यात्रा क्षेत्र की आस्था का प्रमुख केंद्र बन चुकी है। लगातार 27 वर्षों से बोल बम सेवा समिति इस कांवड़ यात्रा का आयोजन कर रही है। हर वर्ष बड़ी संख्या में शिवभक्त 卐बोल बम और 卐हर-हर महादेव के जयघोष के साथ यात्रा में शामिल होकर अपनी अटूट श्रद्धा का परिचय देते हैं। यात्रा को सुरक्षित, व्यवस्थित एवं सफल बनाने के लिए बोल बम सेवा समिति के सदस्य पूरी यात्रा के दौरान सेवा भाव से जुटे रहते हैं। मार्ग में कांवड़ यात्रियों के लिए पेयजल, प्राथमिक उपचार, जल पान स्वल्पाहार एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। इसके साथ ही अनेक सामाजिक, धार्मिक एवं सेवा भावी संस्थाओं के सदस्य भी शिवभक्तों की सेवा में अपना योगदान देते हैं। समिति के पदाधिकारियों ने क्षेत्र के श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में कांवड़ यात्रा में शामिल होने का आह्वान करते हुए कहा कि यह यात्रा केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक ही नहीं, बल्कि सेवा, अनुशासन, और सामाजिक एकता का भी संदेश देती है। श्रावण मास में आयोजित यह ऐतिहासिक कांवड़ यात्रा पूरे क्षेत्र में भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक वातावरण का संचार करती है।

सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी में गुरु पूर्णिमा पर महर्षि वेदव्यास को किया नमन

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर के सरस्वती शिशु मंदिर लांजी में 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा पर्व मनाया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दिनेश गिरी गोस्वामी प्राचार्य,अध्यक्ष सदरुलाल बोहने प्रधानाचार्य, विशिष्ट अतिथि त्र्यंबक भगत वरिष्ठ आचार्य, लेखराम ठाकरे एवं श्रीमती रीना सिसोदिया दीदी मनचासिन थे। अतिथियों के द्वारा सर्वप्रथम मां सरस्वती, मां भारती एवं महर्षि वेदव्यास जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर दीप ज्योति मंत्रों के साथ दीप प्रज्वलित किया गया। तत्पश्चात अतिथियों का परिचय कराया गया कु. भावना भोंडेकर बहन के द्वारा अतिथियों का तिलक कर स्वागत किया गया। भैया बहनों के द्वारा गुरु पूर्णिमा के पर्व पर भैया सांई रामटेक्कर ने गीत, कु. मेघा पाचे भाषण एवं कु. भिमेश्वरी ने अंग्रेजी में भाषण, विदया सूर्यकार ने गीत प्रस्तुत किया। श्री ठाकरे जी ने गुरु पूर्णिमा पर अपने विचार रखते हुए कहां की गुरु की महिमा का वर्णन बहुत ही अपार है, उन्होंने महाभारत काल के उदाहरण देकर गुरु पर विस्तार से अपनी बात रखी और कहां की महर्षि वेदव्यास जी ने महाभारत जैसे महाकाव्य की रचना की इन्हें आदि गुरु माना जाता है। आषाढ़ पूर्णिमा के दिन त्यौहार मनाया जाता है। भारतीय संस्कृति में प्राचीन काल से गुरु और शिष्य के संबंध में पवित्र रिश्ता रहा है, गुरु का प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में अत्यधिक महत्वपूर्ण स्थान है गुरु अज्ञान रूपी अंधकार को दूर कर ज्ञान रहे हैं, जिन्होंने वेद,पुराण और महाभारत जैसे महान ग्रंथों की रचना की। महर्षि वेदव्यास जी को कृष्ण द्वैपायन भी कहा जाता है। गुरु आपके जीवन में शांति का कृष्ण को गुरु सान्दीपनी का योगदान और चंद्रगुप्त मौर्य को चाणक्य का योगदान रहा। गुरु केवल पढ़ाने वाला व्यक्ति ही नहीं बल्कि भविष्य का शिल्पकार है। इसलिए उन्होंने एक मार्मिक प्रसंग भी सुनाया और कहा कि हमें हमेशा गुरुओं का सम्मान करना चाहिए। गुरुओं के सानिध्य में शिष्य आगे बढ़ता है, यह बात भी उन्होंने

रूपी प्रकाश से मार्गदर्शन करके सफलता के पद में आगे अपने शिष्य को बढ़ाता है। गुरु के प्रति श्रद्धा और सम्मान की भावना होनी चाहिए। भगत आचार्य जी ने गुरु पूर्णिमा पर अपने विचार रखते हुए कहां की आज हम सभी यहां महर्षि वेदव्यास की जयंती मना संचार करता है। ज्ञान के अंधकार को समाप्त करता है,भारतीय परंपरा में गुरु को ईश्वर से ऊंचा स्थान दिया गया है, क्योंकि वही शिष्य को ईश्वर तक पहुंचाने का मार्ग दिखाता है, श्री राम को मर्यादा पुरुषोत्तम बनाने में गुरु वशिष्ठ का योगदान था।श्री हमेंशा गुरु का सम्मान करना चाहिए। श्री बोहने जी ने भैया बहनों को गुरु पूर्णिमा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गुरुओं ने अपने शिष्यों को ऊंचाई के शिखर तक पहुंचाया है, इसके कई उदाहरण हमको पढ़ने में मिलते हैं। भैया बहनों को बताई। कु. भावना भोंडेकर ने समस्त अतिथि, आचार्य परिवार, भैया बहनों का आभार व्यक्त किया। कु. भीमेश्वरी टिकेश्वर बहन ने मंच संचालन किया और भैया बहनों की ओर से आचार्य परिवार को श्रीफल भेंट किया गया।

शासकीय महाविद्यालय में हुआ महर्षि सांदीपनि गुरु पर्व का आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्य प्रदेश शासन सामान्य प्रशासन विभाग एवं कार्यालय आयुक्त उच्च शिक्षा मध्यप्रदेश सतपुड़ा भवन भोपाल के आदेशानुसार 29 जुलाई 2026 को शासकीय महाविद्यालय, लांजी में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के अंतर्गत महर्षि सांदीपनि गुरु पर्व (गुरुपूर्णिमा) का गरिमामय आयोजन संपन्न हुआ। इस विशेष अवसर पर शिक्षा के क्षेत्र में गुरु-शिष्य परंपरा की महत्ता को रेखांकित करने हेतु अनेक कार्यक्रमों का आयोजन भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक रूप से माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया, जिसने पूरे वातावरण को सकारात्मकता और विद्या के प्रकाश से भर दिया। इस गरिमामय समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त शिक्षिका श्रीमती शशि मडामे और विशेष अतिथि के रूप में के. के. भालाधारे उपस्थित रहे। महाविद्यालय के स्टाफ द्वारा अतिथियों का हार्दिक स्वागत किया गया और उन्हें प्रतीक स्वरूप फल एवं शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया, जो गुरुओं के प्रति सम्मान व्यक्त करने की हमारी संस्कृति का परिचायक है। कार्यक्रम के मुख्य सत्र में अतिथियों ने उपस्थित छात्रों को संबोधित करते हुए गुरुपूर्णिमा के आध्यात्मिक और शैक्षिक महत्व पर प्रकाश डाला। अतिथियों ने बताया कि गुरु ही वह प्रकाश पुंज है जो अज्ञानता के अंधकार को मिटाकर जीवन में सही दिशा प्रदान करता है। इस दौरान के. के. भालाधारे ने गुरु की महिमा का गुणगान करते हुए अपनी स्वरचित कविता का भावपूर्ण पाठ किया, जिसे सभी ने सराहा। इसी क्रम में, श्रीमती शशि मडामे ने भी अपने जीवन के अनुभवों को साझा करते हुए विचार व्यक्त किए और कविता के माध्यम से गुरु के प्रति कृतज्ञता प्रकट की। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. गौतमा कठाने ने आशीर्वचन प्रदान किए। उन्होंने कहा कि हर वह व्यक्ति गुरु है जो समय-समय पर हमें सीख देता है और हमारे व्यक्तित्व का निर्माण करता है। कार्यक्रम का सफलता पूर्वक संचालन महेंद्र कुमार तलवरे सहायक प्राध्यापक (हिंदी) ने किया। विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में माधव विज्ञान महाविद्यालय उज्जैन में गुरु पूर्णिमा महोत्सव के अंतर्गत आयोजित महर्षि सांदीपनि श्रद्धा पर्व का लाइव प्रसारण भी दिखाया गया। अंत में संयोजक नोडल अधिकारी डॉ कांता वर्मा द्वारा उपस्थित सभी अतिथियों, प्राध्यापकों और छात्रों के प्रति आभार व्यक्त किया गया और विधिवत रूप से कार्यक्रम के समापन की घोषणा की गई। यह कार्यक्रम न केवल ज्ञान परंपरा का सम्मान था, बल्कि गुरु-शिष्य के अटूट बंधन को और अधिक सुदृढ़ करने का एक सार्थक प्रयास भी रहा।

महाविद्यालय में प्रवेश की अंतिम तिथि 31 जुलाई, प्रतिदिन लग रहा प्रवेश मेला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल ने स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में अधिक से अधिक विद्यार्थियों को प्रवेश का अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से महाविद्यालयों में प्रवेश की अंतिम तिथि 15 जुलाई 2026 से बढ़ाकर 31 जुलाई 2026 कर दी है। शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय, बालाघाट में स्नातक प्रथम वर्ष एवं स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष में प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी महाविद्यालय पहुंचकर उसी दिन पंजीयन, चॉइस फिलिंग एवं सीट आवंटन की प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। सीट आवंटित होने के बाद निर्धारित समय-सीमा के भीतर शुल्क जमा कर प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण की जा सकेगी।

महाविद्यालय प्रशासन द्वारा प्रवेश प्रक्रिया को सरल एवं सुगम बनाने के लिए प्रतिदिन प्रवेश मेला आयोजित किया जा रहा है। इस दौरान विद्यार्थियों को पंजीयन, चॉइस फिलिंग, दस्तावेज़ सत्यापन एवं प्रवेश संबंधी सभी प्रकार की सहायता एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा रही है। महाविद्यालय प्रशासन ने प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थियों से अपील की है कि वे 31 जुलाई 2026 तक आवश्यक दस्तावेजों के साथ महाविद्यालय पहुंचकर समय पर अपनी प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करें।

लांजी में ''पद्मेश''

इंटरनेट (ब्राडबेंड)

कनेक्शन के लिये संपर्क करें

Mo. 8319969927

मूंग खरीद बढ़ाने और ई-टोकन पर रोक के बाद किसानों ने आंदोलन लिया वापस, किसानों ने कहा-

दुर्भाग्य है सामान्य से काम के लिए प्रदर्शन करना पड़ा

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार की ओर से किसानों की प्रमुख मांगों पर अहम फैसले लिए जाने के बाद किसानों ने अपना आंदोलन वापस लेने की घोषणा कर दी। सरकार ने पात्र किसानों से मूंग की फसल की खरीद 25 प्रतिशत से बढ़ाकर 60 प्रतिशत करने, खरीद की समय-सीमा बढ़ाने और खाद वितरण के लिए लागू ई-टोकन व्यवस्था को फिलहाल स्थगित करने का निर्णय लिया है। राज्य सचिवालय में सरकार और किसान संगठनों के बीच हुई वार्ता के बाद यह सहमति बनी। इससे पहले हजारों किसान प्रदर्शन करते हुए मुख्यमंत्री आवास की ओर बढ़े थे, जिसके बाद सरकार ने वार्ता शुरू की। कई किसानों ने कहा कि जो काम सामान्य है सरकार का दायित्व है बिना किसी झंझट के सरकार को करना चाहिए लेकिन राज्य की मोहन यादव सरकार प्रदर्शन के कोई काम करने को तैयार नहीं है। कुछ किसान तो यहां तक कह रहे थे कि आने वाले समय में नाली चॉक हो जाए तो उसके लिए भी सड़कें जाम करना पड़ेंगी।

सरकार के अनुसार, मूंग खरीद का बढ़ा हुआ दायरा नर्मदापुरम, सीहोर और हरदा जैसे जिलों के पात्र किसानों पर तत्काल प्रभाव से लागू होगा। इन क्षेत्रों में प्रति एकड़ औसतन तीन क्विंटल मूंग उत्पादन को ध्यान में रखते हुए खरीद सीमा बढ़ाई गई है। साथ ही अधिक से अधिक किसानों को योजना का लाभ देने की बात कही गई है। मूंग खरीद की अंतिम तिथि 10 अगस्त से बढ़ाकर 20 अगस्त कर दी गई है, जबकि स्लॉट बुकिंग की समय-सीमा 30 जुलाई से बढ़ाकर 10 अगस्त तक कर दी गई है।

कृषि मंत्री ऐदल सिंह कंसाना ने बताया कि खाद वितरण में लागू ई-टोकन प्रणाली को लेकर किसानों की शिकायतों और व्यावहारिक कठिनाइयों की जांच के लिए एक समिति गठित की जाएगी। समिति की रिपोर्ट आने और आवश्यक सुधार लागू होने तक ई-टोकन आधारित खाद वितरण व्यवस्था स्थगित रहेगी। सरकार का कहना है कि किसानों की सुविधा और पारदर्शिता को ध्यान में रखते हुए आगे की व्यवस्था तय की जाएगी। वार्ता के शुरुआती दौर में किसान संगठन न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर मूंग की 100 प्रतिशत खरीद की मांग पर अड़े रहे। हालांकि बाद में सरकार के फैसलों से संतुष्ट होकर सभी संगठनों ने संयुक्त रूप से आंदोलन समाप्त करने का निर्णय लिया। प्रदर्शनकारियों की सुरक्षित वापसी के लिए प्रशासन ने बसों की व्यवस्था भी की। इससे पहले संयुक्त किसान मोर्चा और अन्य किसान संगठनों के बैनर तले बड़ी संख्या में किसानों ने प्रदर्शन किया था। किसानों ने कई बैरिकेड पार कर रोशनपुरा चौराहे तक पहुंचकर धरना दिया। उनकी प्रमुख मांगों में एमएसपी पर पूरी मूंग की खरीद, खाद वितरण से ई-टोकन व्यवस्था समाप्त करना और आगामी बुवाई के लिए समय पर पर्याप्त खाद उपलब्ध कराना शामिल था। वार्ता का पहला दौर निष्फल रहने के कारण नर्मदापुरम रोड पर मंगलवार रात से यातायात भी प्रभावित रहा था।

इस बीच केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री मोहन यादव को पत्र लिखकर बताया कि केंद्र सरकार ने वर्ष 2025-26 के लिए प्राइस सपोर्ट स्कीम के तहत मध्य प्रदेश में 4.54 लाख मीट्रिक टन तक गर्मियों की मूंग खरीद की मंजूरी पहले ही दे दी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्धारित सीमा से अधिक खरीद का निर्णय और उसका खर्च राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र में आता है।

2013 के बाद म. प्र.नहीं हुए सहकारी समितियों के चुनाव

- अधिकांश समितियां प्रशासकों के भरोसे

- विधायक के प्रश्न पर सरकार का जवाब

भोपाल । मध्य प्रदेश में सहकारी समितियों में लोकतांत्रिक व्यवस्था लंबे समय से ठप पड़ी है। विधानसभा में विधायक आशीष गोविंद शर्मा के प्रश्न के लिखित उत्तर में सरकार ने स्वीकार किया। वर्ष 2013 के बाद से प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों के चुनाव नहीं कराए गए हैं। इसका परिणाम यह है, प्रदेश की अधिकांश समितियां निर्वाचित संचालक मंडल के बजाय प्रशासकों के माध्यम से संचालित हो रही हैं। सरकार के अनुसार प्रदेश में कुल 4,553 प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियां हैं। लेकिन इनमें से केवल 19 समितियों में ही निर्वाचित संचालक मंडल कार्यरत है। शेष समितियों का संचालन प्रशासकों के माध्यम से किया जा रहा है। इससे सहकारिता क्षेत्र में पारदर्शिता, जवाबदेही और सदस्यों की भागीदारी को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। हजारों की संख्या में प्राथमिक सहकारी शक समिति घाटे में चली गई है। विधानसभा में दी गई जानकारी के अनुसार प्रदेश की 2,635 सहकारी समितियां घाटे में चल रही हैं। इन सभी घाटे वाली समितियों में प्रशासक नियुक्त हैं। विपक्ष का आरोप है कि चुनाव नहीं होने से सहकारी संस्थाओं की स्वायत्तता प्रभावित हुई है। किसानों को निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी का अवसर नहीं मिल रहा है । सहकारी समितियां किसानों को ऋण वितरण, खाद-बीज उपलब्ध कराने तथा अन्य कृषि सेवाओं का प्रमुख माध्यम हैं। ऐसे में निर्वाचित संचालक मंडलों का अभाव मे सहकारिता व्यवस्था की प्रभावशीलता पर भी असर हो रहा है। सरकार ने अपने जवाब में समितियों की वर्तमान स्थिति की जानकारी दी है। नियमित चुनाव कब कराए जाएंगे, इस संबंध में कोई समय-सीमा नहीं बताई है । विधानसभा में सामने आए इन आंकड़ों के बाद प्रदेश में सहकारी संस्थाओं में लोकतांत्रिक प्रक्रिया बहाल करने और चुनाव शीघ्र कराने की मांग एक बार फिर तेज हो गई है।

एमपी के हॉर्टिकल्चर डिपार्टमेंट में कथित रिश्वत लेकर ट्रांसफर के मैसेज का मामला

- विभाग के असिस्टेंट डायरेक्टर ने क्राइम ब्रांच में की शिकायत

- लगाया व्हाट्स एप चैटिंग बदलकर बदनाम करने का आरोप

भोपाल। मध्यप्रदेश के उद्यानिकी विभाग (हॉर्टिकल्चर डिपार्टमेंट) में कथित रिश्वत लेकर तबादला करने के आरोपों का मामला क्राइम ब्रांच पहुंच गया है। उद्यानिकी विभाग के सहायक संचालक ने अपनी शिकायत में उनके व्हाट्स एप चैटिंग को बदलकर बदनाम करने का आरोप लगाया है। शिकायत के साथ ही उन्होंने असली चैट भी पुलिस को सौंपी है। आवेदन की जॉच शुरु करते हुए पुलिस ने प्रकरण से संबधित लोगों के बयान दर्ज करने के लिए नोटिस जारी किए हैं। जानकारी के अनुसार उद्यानिकी विभाग में सहायक संचालक के पद पर पदस्थ 30 वर्षीय भूपेंद्र सागोरे ने अपनी शिकायत में बताया की बीते दिनो सोशल मीडिया पर उनके संबध में मैसेज वायरल कर बदनाम किया गया है। अनिल सिंह के साथ हुए वायरल चैट में लिखा है कि इसलिए नहीं लगे। इसी शब्द के बीच 5एल लिखकर उन्हें बदनाम किया गया। इस चैट को लेकर जून महीने में कई मीडिया हाउस में समाचार भी प्रकाशित हुआ था। जिसके बाद 30 वर्षीय भूपेंद्र सागोरे ने भोपाल सायबर क्राइम में शिकायत की थी। 7 जुलाई को दर्ज इस मामले की शुरुआती जांच में पुलिस को पता चला है, कि चैट 23 जून का है। फरियादी सागोरे का भिंड से भोपाल में तबादला हुआ था। जिसको लेकर यह बताया गया था कि पांच लाख रुपए की रिश्वत देकर तबादला किया गया है। इन्हीं आरोपों को निराधार बताकर इस मामले की शिकायत की गई है। सूत्रो के अनुसार पुलिस की और से समाचार का प्रकाशन करने वाले और उसे जारी करने वालों के बयान दर्ज करने के लिये उन्हें नोटिस भेजे गये हैं।

आदिवासी समाज के अधिकारों की रक्षा एवं सशक्तिकरण के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनेगी - उमंग सिंघार

भोपाल। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा गठित मध्य प्रदेश आदिवासी अधिकार, संरक्षण एवं सशक्तिकरण समिति की प्रथम बैठक गुरूवार को भोपाल स्थित प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में समिति अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में आदिवासी समाज के सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक एवं संवैधानिक अधिकारों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा एवं विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में आदिवासी समुदाय के समक्ष वर्तमान समय में उपस्थित चुनौतियों, उनके संवैधानिक अधिकारों की रक्षा, जल, जंगल और जमीन पर अधिकार, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आजीविका तथा समग्र विकास से जुड़े मुद्दों पर गंभीर मंथन किया गया। समिति ने इन विषयों पर प्रभावी एवं ठोस कार्ययोजना तैयार कर प्रदेशभर में आदिवासी समाज के हितों की रक्षा एवं उनके सशक्तिकरण के लिए संगठित प्रयास करने का संकल्प लिया।

समिति अध्यक्ष एवं नेता

प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि कांग्रेस पार्टी आदिवासी समाज के अधिकारों, सम्मान और संवैधानिक सुरक्षा के लिए सदैव प्रतिबद्ध रही है। उन्होंने कहा कि यह समिति प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े मुद्दों का अध्ययन कर सरकार के समक्ष मजबूती से उन्हें उठाएगी तथा आदिवासी समाज के हितों की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष करेगी।

बैठक में समिति के सदस्य विक्रांत भूरिया, बाला बच्चन, ओमकार सिंह मरकाम, फूंदेलाल मार्को, झूमा सोलंकी, संजय उइके, सुनील उइके तथा डॉ. अशोक मर्सकोले उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने अपने महत्वपूर्ण सुझाव एवं विचार रखते हुए आदिवासी समाज के अधिकारों के संरक्षण एवं सशक्तिकरण के लिए समन्वित, प्रभावी एवं परिणामोन्मुख पहल करने का संकल्प व्यक्त किया।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि समिति प्रदेशभर में आदिवासी समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर तथ्यात्मक जानकारी एकत्रित कर चरणबद्ध रूप से जनसंवाद एवं अध्ययन करेगी, ताकि उनकी समस्याओं के समाधान के लिए ठोस एवं प्रभावी रणनीति तैयार की जा सके।

6 अगस्त से नर्सिंग कॉलेजों की काउंसलिंग

- कॉलेज की मान्यता सूची जारी नहीं

- मामला फिर हाईकोर्ट पहुंचा

भोपाल। मध्य प्रदेश में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए बीएससी, जीएनएम, एएनएम सहित विभिन्न नर्सिंग पाठ्यक्रमों की काउंसलिंग 6 अगस्त से प्रस्तावित की गई है, लेकिन मान्यता प्राप्त नर्सिंग कॉलेजों की अंतिम सूची अब तक जारी नहीं होने से अभ्यर्थियों की चिंता बढ़ गई है। मध्य प्रदेश नर्सेस रजिस्ट्रेशन काउंसिल ने काउंसलिंग का संभावित कार्यक्रम जारी किया है। कॉलेजों की मान्यता संबंधी स्थिति स्पष्ट नहीं की गई है।

इसी मुद्दे को लेकर मामला एक बार फिर मध्य प्रदेश हाईकोर्ट पहुंच गया है। याचिका में कहा गया है कि मान्यता प्राप्त संस्थानों की सूची सार्वजनिक किए बिना काउंसलिंग प्रक्रिया शुरू करना विद्यार्थियों के हितों के विपरीत है। याचिकाकर्ताओं ने मांग की है कि केवल वैध और निर्धारित मानकों को पूरा करने वाले कॉलेजों को ही काउंसलिंग में शामिल किया जाए।

गौरतलब है, प्रदेश में नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता और कथित अनियमितताओं का मामला लंबे समय से न्यायालय में विचाराधीन है। पूर्व में भी हाईकोर्ट ने फर्जीवाड़े और मानकों का पालन नहीं करने वाले संस्थानों पर कड़ी टिप्पणियां करते हुए पारदर्शिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे। अब सभी की निगाहें हाईकोर्ट की सुनवाई और नर्सिंग काउंसिल द्वारा जारी की जाने वाली अंतिम मान्यता सूची पर टिकी हैं।

आखिर बंद कमरे में साहब कौन-सा काम निपटाते हैं...?

भोपाल। मंत्रालय के गलियारों में इन दिनों एक बंद दरवाजा खूब चर्चा का विषय बना हुआ है। लोग हैरान हैं कि आखिर साहब के कक्ष की कुंडी हमेशा बाहर-अंदर से बंद क्यों रहती है? खबरची का कहना है कि यह कक्ष एक बड़े विभाग के वरिष्ठ अधिकारी का है। चर्चा है कि कुछ समय पहले सीएम और तत्कालीन सीएस दोनों ही उनकी कार्यशैली पर नाराजगी जता चुके हैं। इसके बाद से साहब ने खुद को कुछ ज्यादा ही एकांतप्रिय बना लिया है। अब जैसे ही कक्ष में पहुंचते हैं, पहले दरवाजा बंद होता है, फिर फाइलों का सिलसिला शुरू होता है। हालांकि मंत्रालय में फुसफुसाहट यह भी है कि आखिर बंद कमरे में केवल फाइलें ही निपटती हैं या कुछ और भी? सच क्या है, यह तो साहब ही जानें, लेकिन बंद कुंडी ने उत्सुकता जरूर बढ़ा दी है।

केले की फसल से प्रभावित 8 हजार किसानों को रू.107.82 करोड़ राहत, किसानों के हित सर्वोच्च प्राथमिकता

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि किसानों की हर समस्या का समाधान राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बुरहानपुर जिले में प्राकृतिक आपदा से प्रभावित केले की फसल के लिए 8,115 किसानों के खातों में 107 करोड़ 82 लाख रुपये की राहत राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित की। मुख्यमंत्री उज्जैन से बुरहानपुर में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को वर्चुअल रूप से संबोधित कर रहे थे।

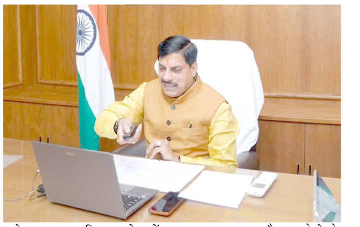

मुख्यमंत्री ने बताया कि मई-जून में खराब मौसम से बुरहानपुर, नेपानगर और खकनार सहित 188 गांवों में केले की फसल को भारी नुकसान हुआ था। उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में सरकार किसानों के साथ मजबूती से खड़ी है और राहत राशि उन्हें संबल प्रदान करेगी। उन्होंने किसानों से प्राकृतिक खेती, जैविक खेती और आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर आय बढ़ाने का आह्वान किया। प्रदेश में कृषक कल्याण वर्ष-2026 के तहत 16 विभागों के समन्वय से जिलों में बलराम कृषि महोत्सव आयोजित किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने श्रावण मास की शुभकामनाएं देते हुए सभी जिला कलेक्टरों को कांवड़ यात्राओं के दौरान आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि बुरहानपुर केले, कपास और हल्दी उत्पादन के लिए देशभर में पहचान बना चुका है तथा केले के रेशे से तैयार उत्पाद ई-कॉमर्स के माध्यम से वैश्विक बाजार तक पहुंच रहे हैं। उन्होंने बताया कि धार के पीएम मित्र पार्क और सिंचाई परियोजनाओं से भी बुरहानपुर के किसानों को लाभ मिलेगा। साथ ही ग्वालियर में टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन के विकास के लिए केंद्र और राज्य सरकार के बीच एमओयू होने की जानकारी भी दी।

थांदला में मुख्यमंत्री करेंगे रू.300 करोड़ ऋण वितरण, स्व-सहायता समूहों और किसानों को देंगे बड़ी सौगात

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार, 31 जुलाई को झाबुआ जिले के थांदला में आयोजित प्रदेश स्तरीय स्व-सहायता समूहों के क्षमतावर्धन एवं ऋण वितरण कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस अवसर पर वे प्रदेशभर के स्व-सहायता समूहों को 300 करोड़ रुपये का ऋण वितरित करेंगे तथा महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता और ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण घोषणाएं करेंगे।

मुख्यमंत्री कार्यक्रम में 174.64 करोड़ रुपये की लागत के 29 विकास कार्यों का भूमि-पूजन तथा 109.17 करोड़ रुपये के 28 विकास एवं आधारभूत संरचना कार्यों का लोकार्पण करेंगे। साथ ही विभिन्न विभागों की योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ वितरित करेंगे और मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित भी करेंगे।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री प्राकृतिक खेती अपनाने वाले उन्नत किसानों से संवाद कर उनके अनुभव जानेंगे और प्राकृतिक एवं जैविक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए संचालित सरकारी योजनाओं पर चर्चा करेंगे। इसके अलावा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत झाबुआ जिले के 215 स्व-सहायता समूहों को 10.80 करोड़ रुपये का ऋण भी वितरित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव कार्यक्रम स्थल पर आयोजित आजीविका मेला का अवलोकन भी करेंगे, जहां स्व-सहायता समूहों द्वारा तैयार उत्पादों और आजीविका गतिविधियों का प्रदर्शन किया जाएगा। यह आयोजन ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण, स्वरोजगार और आर्थिक विकास को नई गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

मध्यप्रदेश में भवन निर्माण अनुमति प्रक्रिया हुई आसान, कई एनओसी की अनिवार्यता खत्म

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार ने भवन निर्माण एवं विकास अनुज्ञा (बिल्डिंग परमिशन) प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के लिए बड़े सुधार लागू किए हैं। नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा जारी नए निर्देशों के तहत अब कई मामलों में विभिन्न विभागों से अनावश्यक अनापत्ति प्रमाण-पत्र (एनओसी) लेने की बाध्यता समाप्त कर दी गई है। इससे नागरिकों, बिल्डरों और निवेशकों को राहत मिलने के साथ प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को भी बढ़ावा मिलेगा।

नई व्यवस्था के अनुसार भवन निर्माण अनुमति की पूरी प्रक्रिया अब ऑनलाइन होगी। आवेदन, नक्शे और अन्य दस्तावेज केवल डिजिटल रूप में स्वीकार किए जाएंगे तथा हार्ड कॉपी जमा करने की आवश्यकता नहीं होगी। भूमि स्वामी स्वयं आवेदन करने पर ऑनलाइन शपथ-पत्र देंगे, जबकि अधिकृत कंसल्टेंट के माध्यम से आवेदन करने पर हस्ताक्षरित शपथ-पत्र अपलोड करना होगा।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई), राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण (एनएमए) और हेरिटेज क्षेत्रों से संबंधित एनओसी अब केवल उन्हीं मामलों में आवश्यक होगी, जहां जीआईएस आधारित ऑनलाइन सत्यापन में भूखंड प्रतिबंधित या प्रभावित क्षेत्र में पाया जाएगा। सहकारिता, गृह निर्माण सहकारी समितियों, विद्युत और नजूल विभाग से मांगी जाने वाली कई एनओसी की अनिवार्यता भी समाप्त कर दी गई है।

रक्षा प्रतिष्ठानों, विकास प्राधिकरणों और गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल से जुड़े मामलों में भी आवेदकों को स्वयं एनओसी लाने की जरूरत नहीं होगी। संबंधित विभागों को निर्धारित समय-सीमा में जवाब देना होगा, अन्यथा प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा सकेगी। सरकार का कहना है कि इन सुधारों से भवन निर्माण अनुमतियों में तेजी आएगी, निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा और नागरिकों को अधिक पारदर्शी एवं त्वरित सेवाएं उपलब्ध होंगी।

मप्र की सड़कों के गड्ढों पर हाईकोर्ट सख्त, केंद्र-राज्य सरकार से मांगा जवाब

-5 अगस्त तक जवाब तलब; सड़क गुणवत्ता और बढ़ते हादसों पर उठाए सवाल

भोपाल,। मध्य प्रदेश की जर्जर सड़कों और बढ़ते सड़क हादसों को लेकर जबलपुर हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने केंद्र और राज्य सरकार को नोटिस जारी कर 5 अगस्त तक जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। अदालत ने सड़क निर्माण की गुणवत्ता और रखरखाव पर गंभीर सवाल उठाते हुए पूछा कि जब देश में न्यूक्लियर पावर प्लांट और समुद्र के नीचे मेट्रो जैसी जटिल परियोजनाएं बन सकती हैं, तो टिकाऊ सड़कें क्यों नहीं बनाई जा सकतीं। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विवेक रूसिया और न्यायमूर्ति प्रदीप मित्तल की खंडपीठ इंदौर निवासी सेवानिवृत्त ट्रेन मैनेजर राजेंद्र सिंह द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि सड़कों के खराब रखरखाव और प्रशासनिक लापरवाही के कारण दुर्घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही है। याचिकाकर्ता ने सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की 2023 की रिपोर्ट का हवाला देते हुए दावा किया कि वर्ष 2020 से 2023 के बीच सड़क दुर्घटनाओं के मामले में मध्य प्रदेश देश में दूसरे स्थान पर पहुंच गया। याचिका के अनुसार वर्ष 2023 में गड्ढों से जुड़े हादसों में 31.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिनमें 5,840 दुर्घटनाएं और 2,161 लोगों की मौत दर्ज की गई। अदालत अब अगली सुनवाई में सड़क गुणवत्ता, जवाबदेही और दुर्घटनाओं की रोकथाम के उपायों पर विस्तार से विचार करेगी।

खराब सड़कों पर होगी जवाबदेही तय, लापरवाही पर सख्त कार्रवाई- मंत्री राकेश सिंह

भोपाल। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट चेतावनी दी है कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, वित्तीय अनुशासन और जवाबदेही से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि खराब सड़कों के लिए संबंधित कार्यपालन यंत्री सीधे जिम्मेदार होंगे और लापरवाही पाए जाने पर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

वल्लभ भवन में आयोजित लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंताओं के सम्मेलन में मंत्री सिंह ने विभागीय निर्माण कार्यों, सड़क गुणवत्ता, बिटुमेन भुगतान, औचक निरीक्षण, लोक कल्याण सरोवर और प्रशिक्षण कार्यक्रमों की समीक्षा की। उन्होंने ठेकेदारों की ब्लैकलिस्टिंग की कार्रवाई लंबित रखने पर नाराजगी जताते हुए निर्देश दिए कि सभी प्रकरणों का समयबद्ध निपटारा किया जाए।

मंत्री ने सरकारी रिफाइनरियों से प्राप्त बिटुमेन के सभी देयकों का शत-प्रतिशत सत्यापन अनिवार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सत्यापन के बिना भुगतान होने पर संबंधित अधिकारी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी और अनियमित भुगतान की राशि की वसूली भी की जाएगी।

उन्होंने मुख्य अभियंताओं को वर्षा से क्षतिग्रस्त सड़कों, पुल-पुलियों और जलभराव वाले स्थानों की प्राथमिकता से मरम्मत कराने के निर्देश दिए। साथ ही सड़क श्रेणियों के युक्तियुक्तकरण के प्रस्ताव 3 अगस्त तक प्रस्तुत करने को कहा। वर्ष 2026 में प्रदेश में 510 लोक कल्याण सरोवर निर्माण के लक्ष्य की भी समीक्षा की गई।

राकेश सिंह ने कहा कि आगामी बैठकों में मुख्य अभियंताओं से विभागीय परिपत्रों पर प्रश्नावली भरवाई जाएगी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अधिकारी निर्देशों का अध्ययन और पालन कर रहे हैं। बैठक में ग्रीन बिल्डिंग मानकों, रोड नेटवर्क मास्टर प्लान, डिजिटल मॉड्यूल और लोकपथ ऐप की समीक्षा भी हुई। विभाग ने बताया कि ऐप के माध्यम से प्राप्त 99 प्रतिशत से अधिक सड़क संबंधी शिकायतों का निर्धारित समय-सीमा में निराकरण किया जा चुका है।

रोजगार सहायक ले रहा था 8 हजार की घूस

– सागर लोकायुक्त की टीम ने रंगे हाथो ट्रैप किया

भोपाल/सागर। लोकायुक्त संभाग सागर की टीम ने ट्रैप कार्यवाही करते हुए ग्राम पंचायत परासई तहसील जबेरा जिला दमोह के रोजगार सहायक राजेश सिंह लोधी को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथो दबोचा है। आरोपी ने फरियादी से प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत स्वीकृत कुटीर की तीसरी किस्त डलवाने और कुटीर की लोकेशन सही करवाने के ऐवज में रकम की मांग की थी।

विभाग द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार फरियादी संजू रैकवार, निवासी परासई माल तहसील जबेरा जिला दमोह ने बीती 13 जुलाई लोकायुक्त एसपी सागर को लिखित शिकायती आवेदन देते हुए बताया की उसके नाम से ग्राम परासई माल में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत कुटीर स्वीकृत हुई जिसकी दो किस्त निकल चुकी थी। तीसरी किस्त डलवाने और कुटीर की लोकेशन सही करवाने के लिये जब उसने राजेश सिंह लोधी पिता श्री भगवन सिंह लोधी (41) ग्राम रोजगार सहायक ग्राम पंचायत परासई माल से संपर्क किया तब उसके द्वारा काम करने के ऐवज में 10 हजार रुपये रिश्वत की मांग की जाने लगी। रकम न देने पर उसके द्वारा फरियादी का काम नहीं करते हुए उसे परेशान किया जाने लगा जिसके बाद वह लोकायुक्त अधिकारियो के पास पहुंचा। आवेदन का सत्यापन किये जाने पर शुरुआती जॉच में रिश्वत मांगने की बात सही पाई गई। इसके बाद टीम ने आरोपी को रंगे हाथ पकड़ने के लिये योजना तैयार की। योजना के मुताबिक फरियादी की आरोपी से रिश्वत की रकम के लेनदेन को लेकर बात कराई गई। जिसमें आरोपी 8 हजार की रमक लेकर काम करने को राजी हो गया और फरियादी को रिश्वत की रकम लेकर अपने कार्यालय बुलाया। वहॉ जैसै ही आरोपी राजेश सिंह लोधी ने रिश्वत की 8 हजार की रकम फरियादी से लेकर अपने कब्जे में ली तभी वहॉ पहले से घात लगाकर बैठी लोकायुक्त टीम सागर ने उसे रंगे हाथों पकड़ लिया। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओ में मामला कायम कर आगे की कार्यवाही की जा रही है।

रहाणे ने अंतराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। 38 साल के रहाणे पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे थे। रहाणे ने वैसे तो तीनो ही प्रारुपो में खेला है पर टेस्ट क्रिकेटर के तौर पर वह अधिक सफल रहे हैं। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में भारतीय टीम की कप्तानी भी की है। साल 2020-21 के ऑस्ट्रेलिया दौरे में उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी। तब एडिलेड में भारतीय टीम 36 रन पर आउट हो गई थी और विराट कोहली निजी कारणों से घर लौट आए थे तब विपरित हालातों में रहाणे ने टीम को 2-1 से जीत दिलाई थी। रहाणे ने सोशल मीडिया पर गुरुवार सुबह एक वीडियो जारी कर अपने कर संन्यास की घोषणा की। रहाणे इस दौरान भावुक नजर आए।

गौरतलब है कि इस स्टायलिश बल्लेबाज ने साल 2011 में इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में टी-20 मैच से अपने अंतराष्ट्रीय करियर की शुरुआत की थी। इसके एक महीने बाद ही उन्हें पहला एकदिवसीय मैच खेलने का मौका मिला. दो साल बाद यानी 2013 में उन्हें टेस्ट टीम में जगह मिली थी। उसके बाद इस बल्लेबाज ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। रहाणे मध्यक्रम में एक भरोसेमंद बल्लेबाज के तौर पर उभरे।

रहाणे ने साल 2011 में एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय में पदार्पण किया था। साल 2013 में उन्होंने पहला टेस्ट खेला था। वहीं जुलाई 2023 में आखिरी टेस्ट खेला। एकदिवसीय में उन्होंने अपना अंतिम मैच साल 2018 जबकि टी20 में साल 2016 में खेला था। ऐसे में उनकी वापसी संभव नहीं थी। रहाणे ने अपने इंटरनेशनल करियर में 85 टेस्ट, 90 एकदिवसीय और 20 टी20 मैच खेले, जिसमें 5077, 2962 और 375 रन बनाए। टेस्ट में उन्होंने 12 जबकि एकदिवसीय में 3 शतक लगाए।

भारतीय मूल के जय आयरलैंड से एकदिवसीय खेलते दिखेंगे

मुम्बई । भारतीय मूल के राजस्थान में जन्मे क्रिकेटर जय मूंदड़ा अब आयरलैंड क्रिकेट टीम से खेलते नजर आयेंगे। जय को अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज के लिए आयरलैंड की एकदिवसीय टीम में शामिल किया गया है। जय का जन्म राजस्थान में हुआ था पर पढ़ाई के लिए वह आयरलैंड चले गए थे। जय का सपना क्रिकेटर बनना था जो अब पूरा होता दिख रहा है। कुछ समय पहले ही जय ने आयरलैंड की ओर से टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में भारतीय टीम के खिलाफ अपने डेब्यू मैच में ही शानदार प्रदर्शन कर दो मैचों में 5 विकेट लिए थे, जिससे आयरलैंड ने पहली बार भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में जीत हासिली की थी। इस प्रदर्शन के बल पर अब उन्हें एकदिवसीय टीम में जगह मिली है। यदि जय अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज में अपना वनडे डेब्यू करते हैं, तो वह आयरलैंड के लिए एकदिवसीय खेलने वाले दूसरे भारतीय मूल के क्रिकेटर बन जाएंगे। आयरलैंड और अफगानिस्तान के बीच 5 से 14 अगस्त के बीच पांच मुकाबलों की एकदिवसीय सीरीज खेली जाएगी। इसके शुरुआती तीन मुकाबलों के लिए आयरलैंड ने अपनी 14 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। इस सीरीज में कप्तान पॉल स्टर्लिंग भी वापसी कर रहे हैं, जो पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 के दौरान लगी चोट से उबर चुके हैं। जय मूंदड़ा के अलावा, बेन कैलिट्ज और बायरन मैकडोनो को भी उनके हालिया शानदार प्रदर्शन के बाद पहली बार एकदिवसीय टीम में शामिल किया गया है। कैलिट्ज भी जय मूंदड़ा के साथ भारत के खिलाफ ऐतिहासिक टी20 सीरीज जीत का हिस्सा थे। हालांकि, चोटों के कारण आयरलैंड को इस सीरीज में कई अनुभवी खिलाड़ियों के बिना मैदान पर उतरना होगा। तेज गेंदबाज जोश लिटिल, मैट हॉलैंड, क्रेग यंग, बैरी मैकार्थी, जॉर्डन नील और डेविड डेलानी जैसे प्रमुख खिलाड़ी चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे, जिससे टीम को कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।

राष्ट्रमण्डल खेलों में भारतीय पैरा एथलीट दिलीप को स्वर्ण, मोर्सिंगनाकथ ने रजत जीता

ग्लासगो। भारतीय खिलाड़ियों का यहां ग्लासगो में खेले जा रहे राष्ट्रमण्डल खेलों 2026 में अच्छे प्रदर्शन का सिलसिला जारी है। भारतीय पैरा एथलीटों ने यहां सातवें दिन दो पदक जीते। दिलीप महादु गावित ने स्वर्ण पदक जबकि मोहम्मद बासिल मोर्सिंगनाकथ ने रजत पदक अपने नाम किया। ये पदक इन दोनो खिलाड़ियों ने पुरुषों की 100 मीटर पैरा ञ्47 स्पर्धा में जीते हैं। बुधवार को देर रात हुए इस रोमांचक मुकाबले में पैरा एथलीट दिलीप महादु ने स्वर्ण पदक जबकि मोर्सिंगनाकथ ने रजत पदक जीतकर भारतीय प्रशंसकों को खुशी का अवसर दिया। गावित ने 10.71 सेकंड का नया रिकॉर्ड बनाते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। वहीं मोर्सिंगनाकथ ने 10.83 सेकंड समय निकालकर रजत पदक हासिल किया। इंग्लैंड के केविन सैंटोस 10.85 सेकंड के साथ ही तीसरे स्थान पर रहे और उन्हें कांस्य पदक से ही संतोष करना पड़ा। गौरतलबह है कि टी47 वर्ग उन एथलीटों के लिए होता है। जिनका एक हाथ निष्क्रिय या कमजोर होता है, जिससे उनकी गति और संतुलन प्रभावित होता है। गावित ने इसी वर्ग में स्वर्ण जीता है। केवल पांच साल की उम्र में खेत में पेड़ से गिरने के कारण उनके दाहिने हाथ में काफी चोट लगी थी। समय पर सही इलाज नहीं होने के करण उनका हाथ कोहनी के नीचे से काटना पड़ा। अपनी शारीरिक अक्षमता को दिलीप ने कभी अपनी कमजोरी नहीं बनने दिया, बल्कि इसे अपनी सबसे बड़ी ताकत में बदल दिया। वहीं कोच वैजनाथ काले ने उन्हें एक पेशेवर पैरा-एथलीट बनने में मदद की। दिलीप ने साल 2024 पेरिस पैरालंपिक्स में पुरुषों की 400 मीटर ञ्47 स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाई। इससे पहले, वह 2022 एशियाई पैरा गेम्स में 400 मीटर टी47 स्पर्धा में स्वर्ण पदक भी जीत चुके हैं, जो उनकी प्रतिभा और मेहनत को दिखाता है। इस बार की बात करें तो खेलों में भारत के पदकों की कुल संख्या अब बढ़कर 15 हो गई है, जिसमें तीन स्वर्ण, नौ रजत और तीन कांस्य पदक शामिल हैं।

बांग्लादेश टी20 के साथ ही एकदिवसीय टीम के भी कप्तान बने लिटन दास

ढ़ाका। अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज बांग्लादेश क्रिकेट टीम के नये एकदिवसीय और टी20 कप्तान बनाये गये हैं। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने कहा कि अब तक टी20 टीम की कप्तानी कर रहे लिटन को अब एकदिवसीय की कमान भी दी गयी है। लिटन को ऑफ-स्पिन ऑलराउंडर मेहदी हसन मिराज की जगह कप्तान बनाया गया है। मिराज की कप्तानी में बांग्लादेश ने अक्टूबर 2025 से जून 2026 के बीच लगातार चार एकदिवसीय सीरीज़ जीती थी। इसके बाद भी उन्हें कप्तानी से हटाये जाने से सभी हैरान हैं।

इसका कारण ये माना जा रहा है कि जुलाई 2026 में जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज़ में बांग्लादेश टीम को 2-1 से हार का सामना करना पड़ा था। आंकड़ों पर नजर डालें तो मिराज की कप्तानी में बांग्लादेश ने कुल 24 एकदिवसीय मैच खेले हैं। इसमें से 10 में जीत और 13 में हार मिली थी। पिछले पांच में से चार सीरीज़ जीतने के बाद भी जिम्बाब्वे से मिली हार को बोर्ड सहन नहीं कर पाय। इसी कारण कप्तानी में बदलाव किया गया है।

बीसीबी के अध्यक्ष तमीम इकबाल ने इस बड़े बदलाव के पीछे बोर्ड की सोच को स्पष्ट करते हुए कहा कि बोर्ड अब दो कप्तानों वाले मॉडल पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। बीसीबी का मानना है कि तीनों प्रारुपों में तीन अलग कप्तानों के बजाय एक सफेद गेंद (एकदिवसीय और टी20) का और एक लाल गेंद (टेस्ट) का कप्तान होना सबसे सही रास्ता है। इस नई व्यवस्था के तहत लिटन अब सफेद गेंद के कप्तान होंगे, जबकि नजमुल हुसैन शांतो टेस्ट टीम के कप्तान रहेंगे। युवा बल्लेबाज़ तौहीद हृदॉय को सीमित ओवरों का नया उप-कप्तान बनाया गया है, वहीं टेस्ट उप-कप्तानी की जिम्मेदारी मेहदी हसन मिराज के पास ही बरकरार रहेगी।

तमीम इकबाल ने मिराज को हटाए जाने के फैसले पर कहा कि मिराज एक बेहद सफल कप्तान रहे हैं पर टीम को एक कप्तान से ज्यादा एक अच्छे क्रिकेटर के रूप में उनकी जरूरत है। बोर्ड को लगा कि कप्तानी के बोझ के कारण उनके प्रदर्शन में थोड़ी गिरावट आ रही थी, खासकर उनकी गेंदबाजी में सुधार की गुंजाइश देखी जा रही थी। बीसीबी चाहता है कि मिराज बिना किसी दबाव के अपने व्यक्तिगत खेल, विशेष रूप से अपनी गेंदबाजी पर ध्यान केंद्रित कर सकें और टीम के लिए एक ऑलराउंडर के तौर पर महत्वपूर्ण योगदान दें। दूसरी ओर, लिटन दास के कंधों पर अब बांग्लादेशी क्रिकेट को एक नई दिशा में ले जाने की जिम्मेदारी है। लिटन के पास कप्तानी का थोड़ा-बहुत अनुभव पहले से है। उन्होंने इससे पहले सात वनडे मैचों में कार्यवाहक कप्तान के रूप में टीम की अगुवाई की है, जिसमें बांग्लादेश को तीन में जीत और तीन में हार मिली थी।

राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैंम्पियनशिप के फाइनल में पहुंची भारतीय पुरुष और महिला टीमें

नई दिल्ली । भारतीय पुरुष और महिला टेबल टेनिस टीम जीत के साथ ही यहां जारी 22वीं राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैंम्पियनशिप के फाइनल में पहुंच गयी है। इस प्रकार भारत को दो पदक मिलने तय हो गये हैं। बुधवार को खेले गए रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबलों में इन दोनो ने इंग्लैंड की टीमों को हराया। अब खिताबी मुकाबले में इन टीमों का मुकाबला मलेशिया से होगा। पुरुष टीम ने इंग्लैंड को सेमीफाइनल में आसानी से 3-0 से हराया। पहले मुकाबले में युवा खिलाड़ी मनुष शाह ने कॉनर ग्रीन को 11-9, 11-9, 11-6 से से हराकर टीम को अच्छी शुरुआत दी। इसके बाद मानव ठक्कर ने चोट के बाद भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए जोसेफ हंटर को 11-8, 11-4, 11-5 से हराकर भारतीय टीम की बढ़त बढ़ी दी। हरमीत देसाई ने बेंजामिन पिगॉट को 11-5, 11-5, 11-5 से पराजित कर टीम की जीत पक्की कर दी। भारतीय टीम पूरे टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं हारी

दूसरी ओर भारतीय महिला टीम को जीत के लिए जमकर संघर्ष करना पड़ा। राष्ट्रमंडल खेलों की पदक विजेता श्रीजा अकुला ने चियुक लाम जैस्मिन वोंग को 11-6, 11-3, 11-9 से हराकर टीम को अच्छी शुरुआत दिलायी। टिन-टिन हो ने यशस्विनी घोरपड़े को 11-9, 11-6, 11-7 से हराकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद, सिंड्रेला दास ने ऐना ग्रीन को 11-7, 11-4, 11-9 से हराकर भारत को एक बार फिर बढ़त दिलाई। चौथे और निर्णायक मुकाबले में, श्रीजा अकुला ने टिन-टिन हो के खिलाफ पांच गेम तक चले एक बेहद रोमांचक मुकाबले में जीत हासिल की। श्रीजा ने 11-8, 5-11, 11-6, 8-11, 11-9 के स्कोर से ये मुकाबला अपने नाम कर भारतीय टीम को 3-1 से बढ़त दिला दी।

राष्ट्रमंडल खेल : भारतीय मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन, पांच पदक पक्के हुए

ग्लास्गो। भारत के पांच और मुक्केबाजों ने यहां राष्ट्रमंडल खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में जगह बनायी है। इससे भारत के पांच पदक पक्के हो गये हैं। वहीं इससे पहले चार मुक्केबाजों ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर अगले दौर में प्रवेश किया था। इससे भारत के कुल नौ पदक पक्के हो गये हैं। भारत के जिन पांच मुक्केबाजों ने सेमीफाइनल में जगह बनायी है। उनमें अंकुश यादव, साक्षी चौधरी, अरुंधति चौधरी, सचिन सिवाच और नरेंदर बेरवाल जैसे मुक्केबाज शामिल हैं। इनसे पहले लवलीना बोरगोहेन ने 75 किलो जबकि प्रिया घंघास ने 60 किलो, प्रीति पंवार ने 54 किलो और जादूमणि सिंह ने 55 किलो वर्ग में अपने पदक पक्के किये थे। इससे मुक्केबाजी में भारत के कुल पदकों की संख्या बढ़कर नौ पर आ गयी है।

भारत की साक्षी चौधरी ने 51 किलोवर्ग में उत्तरी आयरलैंड की कैटलिन फायर्स को 5-0 से हराया। वहीं भारत की ही अरुंधति चौधरी ने 70 किलोवर्ग के एक कड़े मुकाबले में न्यूजीलैंड की मोर्गन हेंडरसन को 3-1 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

पुरुष वर्ग की बात करें तो पूर्व विश्व चैंपियन सचिन सिवाच ने 60 किलो वर्ग में बोत्सवाना के ट्रेजर मोरेमी को 5-0 से हराया। इससे उनका कांस्य पदक पक्का हो गया है। वहीं पिछले साल विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल्स के रजत पदक विजेता अंकुश यादव ने पुरुष 80 किलोवर्ग के सेमीफाइनल में सेशेल्स के जेड मिकोक को 5-0 से हराया। एक अन्य मुकाबले में नरेंदर बेरवाल ने पुरुष 90 किग्रा से अधिक वर्ग के क्वार्टर फाइनल में समोआ के माइकल सेको को 3-2 के फैसले में हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। मुकाबले में रेफरी ने बार-बार दखल दिया और भारतीय मुक्केबाज के दो अंक भी काटे, पर नरेंदर ने सेको को दो बार स्टैंडिंग काउंट के लिए मजबूर किया और अंतत: जजों ने भारतीय मुक्केबाज को विजयी करार दिया।

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में इन खिलाड़ियों के साथ मैदान में उतर सकती है भारतीय टीम

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम अगले माह श्रीलंका के खिलाफ दो मैचें की टेस्ट सीरीज खेलेगी। इसके लिए जो टीम घोषित की गयी है। उसमें युवा और अनुभवी दोने ही तरह के खिलाड़ी शामिल हैं। भारतीय टीम के लिए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूसीटी) 2027 फाइनल के लिए अपनी उम्मीदें बनाये रखने के लिए इसमें जीतना जरुरी है। इसी सीरीज के लिए जो टीम बनायी गयी है। उसमें अफगानिस्तान के खिलाफ खेले गए एकमात्र टेस्ट में शामिल सभी खिलाड़ियों को बनाये रखा गया है। श्रीलंका के खिलाफ मुकाबले में इन खिलाड़ियों के साथ मैदान में उतर सकती है।

सलामी बल्लेबाज के तौर पर यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल की जोड़ी उतर सकती है। यशस्वी पहली बार श्रीलंकाई धरती पर पर टेस्ट खेलेंगे। उनके आंक्रामक अंदाज से भारतीय टीम को अच्छी शुरुआत मिल सकती है। यशस्वी के जोड़ीदार प-कप्तान केएल राहुल संभलकर खेलते हुए पारी को संतुलन प्रदान करेंगे।

वहीं मध्य क्रम में युवा बल्लेबाज साई सुदर्शन को तीसरे नंबर पर अवसर मिल सकता है। चौथे नंबर पर कप्तान शुभमन गिल उतरेंगे। शुभमन इस समय अच्छे फार्म में हैं जिसका लाभ टीम को मिल सकता है। वहीं वापसी कर रहे आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत पांचवें नंबर पर उतरेंगे। उनक प्रयास अच्छी बल्लेबाजी कर टीम में जगह पक्की करना हरेगा। खराब फिटनेस और फार्म के कारण वह पहले ही सीमित ओवरों की टीम से बाहर हो गये हैं। वहीं विश्व के नंबर 1 टेस्ट ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की वापसी से भी टीम को लाभ होगा। जडेजा छठे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे और गेंद व बल्ले से किये प्रदर्शन से टीम को संतुलन देंगे। ध्रुव जुरेल को भी अंतम ग्यारह में जगह मिलना तय है। जुरेल ने हाल ही में श्रीलंका में 'इंडिया ए' के लिए खेलते हुए एक शतक और एक अर्धशतक लगाया था।

नीरज सहित तीन भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी राष्ट्रमण्डल खेलों के फाइनल में पहुंचे

ग्लासगो । भारत के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा ग्लासगो में जारी राष्ट्रमण्डल खेलों की भाला फेंक स्पर्धा के फाइनल में पहुंच गये है। नीरज के अलावा भारत के ही रोहित यादव और यश वीर सिंह ने भी शानदार प्रदर्शन कर फाइनल में जगह बनायी। अब सभी की निगाहें एक अगस्त को शुरू होने वाले पदक मुकाबले में रहेंगी इवेंट पर रहेंगी। इसमें ये तीनों ही स्वर्ण जीतने के इरादे से उतरेंगे।

क्वालिफाइंग राउंड में नीरज ने अपने दूसरे प्रयास में 79.61 मीटर का बेहतरीन थ्रो किया। इतनी दूरी तय करने के बाद उन्होंने तीसरा अटेम्प्ट नहीं लिया, क्योंकि तब तक उनका फाइनल में स्थान पक्का हो चुका था। उनके अलावा, रोहित यादव ने 78.37 मीटर और यश वीर सिंह ने 78.36 मीटर का प्रभावशाली थ्रो कर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। क्वालिफाइंग राउंड में कुल 14 देशों के 18 जैवलिन थ्रोअर ने हिस्सा लिया था। फाइनल के लिए 84 मीटर का क्वालिफाइंग मार्क निर्धारित किया गया था पर कोई भी एथलीट इसे छू नहीं पाया। ऐसे में नियम के अनुसार, शीर्ष 12 जैवलिन थ्रोअर को फाइनल में प्रवेश मिल गया।

फाइनल में नीरज को श्रीलंका के रुमेश पथिराज से कड़ी टक्कर मिल सकती है। पथिराज ने क्वालिफाइंग राउंड में सबसे दूर 82.84 मीटर का भाला फेंककर सबको हैरान किय था। इसके अलावा, पाकिस्तान के डिफेंडिंग चैंपियन अरशद नदीम भी 78.63 मीटर के थ्रो के साथ फाइनल में पहुंचे हैं। अरशद ने साल 2022 राष्ट्रमण्डल खेलों में 90.18 मीटर के रिकॉर्ड थ्रो के साथ ही स्वर्ण पदक जीता था। उन्हें नीरज का एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी माना जा रहा है। ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स 81.29 मीटर, दक्षिण अफ्रीका के डाउ स्मिथ 80.64 मीटर और इंग्लैंड के बेन ईस्ट 80.38 मीटर भी पदक के दावेदारों में शामिल हैं।

भारत को नीरज से काफी उम्मीदें हैं। वह 2018 गोल्ड कोस्ट खेलो में 86.47 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण विजेता रहे हैं। चोट के कारण वह 2022 बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में हिस्सा नहीं ले पाए थे, लेकिन अब पूरी तरह फिट होकर वापसी कर चुके हैं और एक बार फिर पोडियम के शीर्ष पर पहुंचने उतरेंगी। उनके अलावा रोहित और यश के फाइनल में पहुंचने से भारत की पदक जीतने की संभावनाएं और भी बढ़ गई हैं।

कार्यालय जनपद पंचायत लांजी, जिला-बालाघाट (म.प्र.)

Email id-jplanbal@mp.nic.in

कमांक/1200/ज.पं. / सामू.वि. / 2026, लांजी, दिनांक: 21/07/2026

-// ई निविदा आमंत्रण सूचना //-

जनपद पंचायत लांजी 15 अगस्त 2026 स्वंतत्रता दिवस एंव 26 जनवरी 2027 गणतंत्र दिवस एंव कन्या विवाह एंव निकाह योजना अन्य होने वाले शासन के कार्यक्रमो एंव शिविर में आयोजित होने वाले कार्यक्रम के लिये निम्नांकित सामग्री क्रय करने एंव सेवायें प्रदाय करने के लिये आनलाईन लगने वाली सामग्री की दरे निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा अनुसार प्राप्त दर का निर्धारण म.प्र. पंचायत राज एंव ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 95 की उपधारा (3) अन्तर्गत बने म.प्र. पंचायत (सामग्री एंव माल क्रय) नियम 1999 तथा म.प्र. लेखा नियम 2018 के नियम शर्तों के तहत किया जावेगा। जनपद पंचायत लांजी के तहत पात्रता योग्य संविदाकार / कार्य संपादन आपूर्तीकर्ता / पंजीकृत ठेकेदार / सप्लायर्स प्रमाणित दस्तावेज सहित mptenders.gov.in पोर्टल पर आनलाईन निविदाये दिनांक 31.07.2026 सायः 10:30 बजे से 06.08.2026 को सायः 5:30 बजे तक समस्त जानकारी आनलाईन प्रस्तुत कर सकते है। निविदाये दिनांक 07.08.2026 को अपरान्ह 12:00 बजे खोली जावेगी। कार्य एंव सामग्री का विवरण तालिका में एंव आनलाईन पोर्टल (www.mptenders.gov.in) पर उल्लेखित मापदण्डो के अनुसार होगा। सामग्री का विवरण निम्नानुसार है।-

-: सामग्री का विवरण :-

क्र.	सामग्री का विवरण	दर	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र मुल्य	निविदाकार की श्रेणी	कार्य की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
1	भोजन थाली (पूड़ी, चावल, दाल, सीजनल सब्जी, पापड़, सलाद, हरी मिर्च तली हुई, मही की कढ़ी, मीठा) भरपेट भोजन	प्रति थाली	40000.00	2000.00	निर्माता/ अधिकृत विक्रेता/सेवा प्रदाता	1 वर्ष

15 अगस्त 2026 स्वंतत्रता दिवस एंव 26 जनवरी 2027 गणतंत्र दिवस एंव कन्या विवाह एंव निकाह योजना, अन्य होने वाले शासन के कार्यक्रमो एंव शिवीर में लगने वाले भोजन व्यवस्था हेतु mptenders.gov.in के माध्यम से आमंत्रित निविदा की नियम एंव शर्ते आनलाईन पोर्टल (www.mptenders.gov.in) पर देखी जा सकती है।

कमलचंद सिंहसार
मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जनपद पंचायत-लांजी

कार्यालय जनपद पंचायत लांजी, जिला-बालाघाट (म.प्र.)

कमांक/1201/ज.पं./ सामू.वि./ 2026, लांजी, दिनांक: 21/07/2026

|| ई निविदा आमंत्रण सूचना ||

जनपद पंचायत लांजी में 15 अगस्त 2026 स्वंतत्रता दिवस एंव 26 जनवरी 2027 गणतंत्र दिवस एंव कन्या विवाह एंव निकाह योजना अन्य होने वाले शासन के कार्यक्रमों एंव शिविर में आयोजित होने वाले कार्यक्रम के लिये निम्नांकित सामग्री क्रय करने एंव सेवायें प्रदाय करने के लिये आनलाईन लगने वाली सामग्री की दरें निविदाये आमंत्रित की जाती है। निविदा अनुसार प्राप्त दर का निर्धारण म.प्र. पंचायत राज एंव ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 95 की उपधारा (3) अन्तर्गत बने म.प्र. पंचायत (सामग्री एंव माल क्रय) नियम 1999 तथा म.प्र. लेखा नियम 2018 के नियम शर्तों के तहत किया जावेगा। जनपद पंचायत लांजी के तहत पात्रता योग्य संविदाकार / कार्य संपादन आपूर्तीकर्ता / पंजीकृत ठेकेदार / सप्लायर्स प्रमाणित दस्तावेज सहित mptenders.gov.in पोर्टल पर आनलाईन निविदायें दिनांक 31.07.2026 सायः 10:30 बजे से 06.08.2026 को सायः 5:30 बजे. तक समस्त जानकारी आनलाईन प्रस्तुत कर सकते है। निविदाये दिनांक 07.08.2026 को अपरान्ह 12:00 बजे खोली जावेगी। कार्य एंव सामग्री का विवरण तालिका में एंव आनलाईन पोर्टल (www.mptenders.gov.in) पर उल्लेखित मापदण्डो के अनुसार होगा। सामग्री का विवरण निम्नानुसार है।

-: सामग्री का विवरण :-

क्र.	सामग्री का नाम	मात्रा	दर	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र शुल्क	निविदाकार की श्रेणी	कार्य की अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8
1	टेन्ट	प्रति वर्ग फीट		40000.00	2000.00	निर्माता/ अधिकृत विक्रेता/सेवा प्रदाता	1 वर्ष
2	स्टेज	प्रति वर्ग फीट					
3	सोफा महाराजा	प्रति नग					
4	कारपेट 5X30	प्रति नग					
5	स्टील सोफा थ्री सीटर	प्रति नग					
6	कुर्सी (फाईबर)	प्रति नग					
7	कुर्सी (वीआईपी)	प्रति नग					
8	कुर्सी कवर	प्रति नग					
9	सेंटर टेबल कवर सहित	प्रति नग					
10	सिलींग पाईप पंडाल सफेद	प्रति वर्ग फीट					
11	परदे 10X15	प्रति नग					
12	जनरेटर 62 किलोवाट (आवाज रहित विथ डीजल)	प्रति नग					
13	मेटिंग हरी 15X30	प्रति नग					
14	साउंड सिस्टम (3 माईक कार्डलेस एवं स्टेंड व पोडियत सहित)	प्रति नग					
15	स्टेण्ड फैन	प्रति नग					
16	कुलर	प्रति नग					
17	एल.ई.डी. 200 वॅट	प्रति नग					
18	एल.ई.डी. बल्व	प्रति नग					
19	हैलोजन लाईट 1000 वाट	प्रति नग					
20	सर्विस लाईन	प्रति नग					
21	गद्दे	प्रति नग					
22	चादर	प्रति नग					
23	ड्रस पण्डाल	प्रति वर्ग फीट					
24	गेट बॉक्स	प्रति नग					
25	डोंग पण्डाल	प्रति वर्ग फीट					
26	बफे टेबल स्टाल	प्रति नग					
27	प्लेट फाईबर	प्रति नग					

15 अगस्त 2026 स्वंतत्रता दिवस एंव 26 जनवरी 2027 गणतंत्र दिवस एंव कन्या विवाह एंव निकाह योजना अन्य होने वाले शासन के कार्यक्रमों एंव शिविर में लगने वाले टेण्ट सामग्री हेतु mptenders.gov.in के माध्यम से आमंत्रित निविदा की नियम एंव शर्ते आनलाईन पोर्टल (www.mptenders.gov.in) पर देखी जा सकती है।

कमलचंद सिंहसार
मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जनपद पंचायत-लांजी

सोशल मीडिया पर उबल रहे दो आंदोलन मोदी सरकार के लिए खड़ा कर सकते हैं परेशानी

ई10 लाओ और आरक्षण हटाओ...

नई दिल्ली। हाल ही में जब छात्रों के डिजिटल आंदोलन के दबाव में आकर सरकार को शिक्षा मंत्री का इस्तीफा तक स्वीकार करना पड़ा, तो यह साफ हो गया कि सोशल मीडिया की आवाजें सिर्फ इंटरनेट का ट्रेंड नहीं हैं। अब एक्स और इंस्टाग्राम की रील से निकले दो नए मुद्दे मोदी सरकार के दरवाजे पर दस्तक दे रहे हैं। ये मुद्दे हैं- 'ई10 लाओ' और 'आरक्षण हटाओ'। ये दोनों मामले अलग-अलग मोर्चों पर सरकार के लिए नया राजनीतिक सिरदर्द बनते दिख रहे हैं।

सोशल मीडिया एक्टिविटी को देखें तो एक तरफ ई20 पेट्रोल का विरोध तेजी से बढ़ रहा है। सरकार ने पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिलाने का नियम लागू किया है, लेकिन कार और बाइक चलाने वाले मिडिल क्लास का दावा है कि इससे गाड़ियों के इंजन खराब हो रहे हैं, माइलेज कम हो रहा है और मेंटेनेंस का खर्चा बढ़ गया है। जिसे बीजेपी के सोशल मीडिया हैंडल्स और मंत्री नितिन गडकरी सिरे से खारिज करते हैं। इंस्टाग्राम और एक्स पर ई10 लाओ'और से नो टू ई20, 'ई20 जनता पार्टी' जैसी मुहिम के जरिए लोग गुस्सा जाहिर कर रहे हैं। टीम भारत के नाम से इस मुद्दे पर कैंपेन चला रहे लोगों को पेट्रोलियम मंत्रालय ने संवाद के लिए बुलाया था। जिसमें एक प्रमुख मांग यह रखी गई कि पुरानी गाड़ी चला रहे लोगों को ई10 पेट्रोल उपलब्ध करवाया जाए। और ई20 पेट्रोल की कीमत 20 फीसदी कम की जाए। कई ऑटो ब्लॉगर्स और विपक्षी पार्टियां, खासकर आम आदमी पार्टी इस मुद्दे पर वीडियो बनाकर पॉलिसी पर सवाल उठा रही हैं। दूसरी तरफ इंस्टाग्राम और यूट्यूब पर 'आरक्षण हटाओ आंदोलन' नाम का कैंपेन उभरा है। इंस्टाग्राम पर इसी नाम से बने अकाउंट को करीब 60 लोग फॉलो कर रहे हैं। अजीत भारती और अनुराधा तिवारी जैसे डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स इस मुहिम को हवा दे रहे हैं। इसके अलावा न्यूज चैनलों पर आनंद रंगनाथन और हर्ष दुबे जैसे लोग इस नैरेटिव को आगे बढ़ा रहे हैं। इस आंदोलन का तरीका पारंपरिक धरने से अलग है। यह समर्थकों से कह रहा है कि वे सडक़ों पर उतरने के बजाय प्रधानमंत्री और मंत्रियों के सोशल मीडिया कमेंट सेक्शन को आरक्षण विरोधी मैसेजों से भर दें ताकि डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का सिस्टम हिल जाए।

कितनी बड़ी आबादी, यानी कितने वोटर पर असर

इन दोनों मुद्दों की सबसे खास बात यह है कि ये किसी छोटे समूह के नहीं, बल्कि देश की एक बड़ी आबादी से जुड़े मामले हैं। ई20 पेट्रोल के विरोध का असर देश के करीब 20 से 25 करोड़ दोपहिया और चार-पहिया वाहन मालिकों पर पड़ रहा है। एक आंकलन के मुताबिक देश की सडक़ों पर 75 फीसदी से ज्यादा वाहन 2023 से पहले खरीदे गए हैं, जिन्हें ई20 'नॉन-कंप्लायंट' यानी ये ई20 नहीं, श्व10 के अनुकूल हैं। यानी, इस बदलाव की पीड़ित कम्युनिटी देश का कोर मिडिल क्लास वोटर है, जिसे अपनी गाड़ी खतरे में दिख रही है। वहीं आरक्षण विरोधी मुहिम देश की लगभग 30 फीसदी सामान्य वर्ग की आबादी, विशेषकर युवाओं को प्रभावित करती है। सामान्य वर्ग का युवा नौकरियों और परीक्षाओं के कट-ऑफ से हताश होकर इस मुहिम से जुड़ रहा है। हालांकि, आरक्षण पर किसी भी तरह की आंच आने से बहुसंख्यक दलित, आदिवासी और पिछड़ा वर्ग में भारी गुस्सा फैल सकता है, जो इस मुद्दे को बेहद संवेदनशील बना देता है।

सरकार की नींद क्यों उड़ी हुई है

इन दोनों मामलों में सरकार और भारतीय जनता पार्टी का रुख अलग-अलग रणनीतियों को दर्शाता है। ई20 पेट्रोल पर पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय को बार-बार सामने आकर सोशल मीडिया के दावों को भ्रामक बताना पड़ रहा है। सरकार का कहना है कि इथेनॉल से माइलेज में बेहद मामूली कमी आती है और यह इंजन के लिए सुरक्षित है, लेकिन वाहन चालकों का असंतोष थमता नजर नहीं आ रहा। दूसरी ओर आरक्षण के मुद्दे पर बीजेपी की मजबूरी भरी चुप्पी साफ दिखाई देती है। आरक्षण इतना संवेदनशील विषय है कि बीजेपी के आधिकारिक हैंडल और बड़े नेता इस ट्रेंड पर पूरी तरह मौन हैं। पार्टी जानती है कि आरक्षण के खिलाफ कुछ भी बोलने से विपक्ष को दलित और पिछड़ा विरोधी नैरेटिव बनाने का मौका मिल जाएगा। इसलिए सरकार सोशल मीडिया पर माहौल बिगडऩे से रोकने के लिए आपत्तिजनक पोस्ट करने वाले अकाउंट्स पर कानूनी कार्रवाई का रुख अपना रही है।

विधानसभा चुनावों को लेकर डर

आने वाले विधानसभा चुनावों के लिहाज से यह दोतरफा माहौल बीजेपी के लिए खतरे की घंटी साबित हो सकता है। शहरी और मध्यम वर्ग हमेशा से बीजेपी का सबसे मजबूत वोट बैंक रहा है। यदि ई20 पेट्रोल से परेशान मध्यम वर्ग और नौकरियों के अवसर को लेकर हताश सामान्य वर्ग का युवा छिटकता है, तो चुनावी गणित बिगड़ सकता है। इसके साथ ही यदि आरक्षण हटाओ का शोर बढ़ता है, तो विपक्षी दल इसे राजनीतिक हथियार बनाकर दलित और पिछड़े वोट बैंक को बीजेपी के खिलाफ लामबंद कर लेंगे। पार्टी न तो इस मुहिम का समर्थन कर सकती है और न ही अपने कोर युवा वोटर को खुलकर नकार सकती है, जो उसे राजनीतिक धर्मसंकट में डालता है।छात्र आंदोलन के सामने सरकार के झुकने के बाद इन दोनों मुद्दों को नजरअंदाज करना बीजेपी के लिए कतई सुरक्षित नहीं होगा। सीजेपी आंदोलन ने यह साबित कर दिया है कि यदि युवा वर्ग किसी मुद्दे पर एकजुट होकर डिजिटल स्पेस पर हावी हो जाए, तो वह सरकार को अपनी बात मानने पर मजबूर कर सकता है। उस सफलता के बाद अब ई10 लाओ और आरक्षण हटाओ जैसे अभियानों को चलाने वाले समूहों को भी लगता है कि वे सोशल मीडिया के जरिए सरकार पर दबाव बना सकते हैं। ऐसे में अगर सरकार ने ई20 पेट्रोल पर लोगों की व्यावहारिक चिंताओं को सिर्फ अफवाह बताकर टाल दिया या आरक्षण पर युवाओं की हताशा को संवाद से नहीं सुलझाया, तो यह असंतोष चुनावों से ठीक पहले एक बड़े राजनीतिक तूफान का रूप ले सकता है।

पंजाब पेपर लीक : दिल्ली में भाजपा का आप के खिलाफ ज़ोरदार विरोध प्रदर्शन

मान सरकार में मंत्री हरजोत सिंह बैंस के इस्तीफे की मांग

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गुरुवार को दिल्ली में आम आदमी पार्टी (आप) और उसके राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल के खिलाफ पंजाब में कथित पेपर लीक मामलों को लेकर बड़ा विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा ने केजरीवाल सरकार पर युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने और धोखे का आरोप लगाया। आप मुख्यालय के बाहर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। पार्टी ने नैतिक आधार पर पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस के तत्काल इस्तीफे की मांग की।

भाजपा का आरोप है कि हाल के महीनों में पंजाब में कई भर्ती और परीक्षा के पेपर लीक हुए हैं, जिससे लाखों उम्मीदवारों का भविष्य अनिश्चितता में पड़ गया है। पंजाब में परीक्षा में कथित गड़बड़ियों को लेकर मान सरकार पर भाजपा के हमलों की यह सबसे ताज़ा कड़ी है। इससे पहले, 28 जुलाई को राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल की अगुवाई में भाजपा सांसदों ने संसद परिसर के अंदर भी प्रदर्शन किया था, जिसमें उन्होंने जवाबदेही की मांग कर नारे लगाए थे। भाजपा का कहना है कि बार-बार लग रहे पेपर लीक के आरोपों ने राज्य की भर्ती प्रक्रिया की विश्वसनीयता को कमज़ोर किया है और नौकरी चाहने वालों के बीच अनिश्चितता पैदा की है।

इस मुद्दे पर शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) ने भी पंजाब सरकार के खिलाफ हमला तेज किया है। पार्टी की सांसद हरसिमरत कौर बादल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से अपील की है कि वे पंजाब में आप सरकार के कार्यकाल के दौरान हुए कथित 11 परीक्षा घोटालों की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच के आदेश दें। हरसिमरत ने कहा कि पंजाब के लोगों को जवाबदेही का हक है और पूरी जांच से कम कुछ भी स्वीकार्य नहीं होगा। कांग्रेस भी विपक्ष के इस हमले में शामिल हो गई है, उसने पंजाब सरकार पर भर्ती परीक्षाओं की शुचिता बनाए रखने में नाकाम रहने का आरोप लगाया है। सोमवार को कांग्रेस सांसदों ने संसद के बाहर प्रदर्शन किया और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के इस्तीफे की मांग की। कांग्रेस ने बरनाला में विरोध प्रदर्शन कर रहे सफाई कर्मचारियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई की भी निंदा की।

हाईकोर्ट से अभिषेक बनर्जी को बड़ी राहत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे और टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी को कलकत्ता हाईकोर्ट से एक बार फिर राहत मिली है। भवानीपुर, कालीघाट और बिष्णुपुर थानों में उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर के मामले में जस्टिस सब्यसाची भट्टाचार्य ने पुलिस को फिलहाल 6 अगस्त तक कोई सख्त कार्रवाई न करने का निर्देश दिया है। साथ ही कोर्ट ने राज्य सरकार को आदेश दिया है कि 6 अगस्त की अगली सुनवाई तक बनर्जी के खिलाफ अब तक दर्ज सभी एफआईआर की सूची कोर्ट में पेश की जाए। यह मामला विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद शुरू हुआ था। नतीजे आने के बाद राज्य के अलग अलग थानों में बनर्जी के खिलाफ कई शिकायतें दर्ज कराई जाने लगीं, जिन्हें पुलिस एफआईआर के रूप में दर्ज कर रही थी।

सीएम मान को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

चंडीगढ़। पंजाब के सीएम भगवंत मान को सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को नोटिस जारी किया है। यह मामला साल 2020 में बिजली दरों में बढ़ोतरी के विरोध प्रदर्शन से जुड़ा है। पुलिस का आरोप है कि प्रदर्शन हिंसक हो गया था, जिसमें पुलिसकर्मी घायल हुए थे। जिसके बाद दंगा, गैरकानूनी जमावड़ा और अन्य धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई थी। हालांकि बाद में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने एफआईआर रद्द कर दी थी।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने एफडीए की कठोर कार्रवाई को पलटा, रैडिसन होटल का लाइसेंस बहाल

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने नवी मुंबई के पार्क इन बाय रैडिसन होटल का फूड लाइसेंस सस्पेंड करने के महाराष्ट्र फ़ूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) के आदेश को रद्द किया है। कोर्ट ने कहा कि केवल दो छोटे कीड़े मिलने के आधार पर यह कार्रवाई जरुरत से ज़्यादा सख्त थी। एक्टिंग चीफ जस्टिस रवींद्र घुगे और जस्टिस गौतम अंखाड की बेंच ने एफडीए को तुरंत होटल का एफएसएसएआई लाइसेंस बहाल करने का निर्देश दिया।

एफडीए ने 3 जुलाई को होटल का लाइसेंस सस्पेंड किया था, यह कार्रवाई अचानक किए गए निरीक्षण के अगले दिन हुई थी। एफडीए ने आदेश में होटल की साफ-सफाई, सैनिटेशन, खाने के स्टोरेज और हैंडलिंग में गंभीर कमियों का आरोप लगाया था। हालांकि, खुद एफडीए ने होटल को 95 प्रतिशत कंप्लायंस रेटिंग दी थी। होटल ने इस आदेश को बहुत कठोर बताकर हाईकोर्ट में चुनौती दी। सरकारी वकील ने कोर्ट में दलील दी कि फूड सेफ़्टी में कोई समझौता नहीं हो सकता और एक कीड़ा भी नियमों के उल्लंघन को दिखाता है, साथ ही अपील के कानूनी प्रावधान का ज़िक्र किया।

हालांकि, अदालत की बेंच ने पूछा कि क्या सिर्फ़ ऐसी चूक के कारण सस्पेंशन जैसा कड़ा कदम उठाना सही था, जबकि संस्थान ने तय नियमों का काफी हद तक पालन किया था। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि सिर्फ़ दो कीड़े मिलने की बात लाइसेंस को सस्पेंड रखने की वजह नहीं हो सकती। एसीजे घुगे ने हल्के-फुल्के अंदाज़ में कहा कि पिछले हफ़्ते उनकी डेस्क पर एक कॉकरोच था और एक मक्खी भी है, जो यह दिखता है कि इसतरह के मामले पूरी तरह टाले नहीं जा सकते। कोर्ट ने इस घटना को होटल की कुल साफ-सफाई के नज़रिए से देखने पर ज़ोर दिया।

अदालत ने अधिकारियों को होटल का फूड बिज़नेस तुरंत फिर से शुरू करने की अनुमति देने का निर्देश दिया। इसके साथ ही, बेंच ने फ़ूड सेफ़्टी नियमों के एक जैसे लागू होने पर भी सवाल उठाया। कोर्ट ने एफडीए को निर्देश दिया कि वह सभी सरकारी और अर्ध-सरकारी खाने-पीने के संस्थानों, जिसमें मंत्रालय और हाईकोर्ट की अपनी कैंटीन भी शामिल हैं, की जांच करे और उन जांचों की स्थिति वीडियो रिकॉर्डिंग के साथ अदालत में पेश करे।

बिना बंटवारे 80 वर्षों से जारी है पारिवारिक कारोबार, एमआरएफ ने पेश की मिसाल

-102 प्रमोटर सदस्यों के बावजूद नहीं हुआ नियंत्रण का विवाद

नई दिल्ली। भारत में पारिवारिक कारोबारों में अक्सर उत्तराधिकार और हिस्सेदारी को लेकर विवाद देखने को मिलते हैं, लेकिन देश की अग्रणी टायर निर्माता एमआरएफ ने लगभग आठ दशकों से एक अलग उदाहरण पेश किया है। कंपनी के प्रमोटर समूह में 102 सदस्य शामिल हैं, फिर भी आज तक कंपनी के नियंत्रण या हिस्सेदारी को लेकर कोई बड़ा सार्वजनिक विवाद सामने नहीं आया। यही कारण है कि एमआरएफ को देश के सबसे सफल पारिवारिक बिजनेस मॉडलों में गिना जाता है।

मीडिया रिपोर्ट से जून 2026 तक उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, कंपनी में प्रमोटर समूह की कुल हिस्सेदारी 27.77 प्रतिशत है। इसमें लगभग 16 प्रतिशत हिस्सेदारी 13 प्रमोटर संस्थाओं और ट्रस्टों के पास है, जबकि करीब 12 प्रतिशत शेयर परिवार के 102 सदस्यों के बीच विभाजित हैं। इतनी बड़ी संख्या में व्यक्तिगत प्रमोटरों के बावजूद कंपनी की निर्णय प्रक्रिया और नेतृत्व में स्थिरता बनी हुई है।

कंपनी की शेयरधारिता संरचना में दो चैरिटेबल ट्रस्टों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। मोवी फाउंडेशन के पास 11.98 प्रतिशत और एवरट्रू चेरिटेवल एंड एजुकेशनल फाउंडेशन के पास 2.99 प्रतिशत हिस्सेदारी है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह व्यवस्था कंपनी की स्वामित्व संरचना को मजबूत बनाती है और बाहरी अधिग्रहण (टेकओवर) की संभावनाओं को कम करती है। एमआरएफ परिवार की एक प्रमुख विशेषता यह भी है कि उसके सदस्य सार्वजनिक जीवन और मीडिया की सुर्खियों से दूर रहना पसंद करते हैं। परिवार में शेयरों का वितरण इस प्रकार किया गया है कि किसी एक व्यक्ति या शाखा के पास अत्यधिक नियंत्रण न रहे। इसके अलावा, परिवार के सदस्य हर वर्ष फैमिली काउंसिल की बैठक में कारोबार और परिवार से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करते हैं। हालांकि इसके लिए कोई औपचारिक लिखित संविधान नहीं है, लेकिन वर्षों से चले आ रहे नैतिक नियमों और आपसी सहमति का पालन किया जाता है।

वर्तमान में कंपनी की कमान दूसरी और तीसरी पीढ़ी के सदस्यों के हाथ में है। केएम मेमन चेयरमैन, राहुल मेमन प्रबंध निदेशक और अरुण मेमन उपाध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाल रहे हैं। परिवार के अन्य सदस्य भी कंपनी के निदेशक मंडल और प्रबंधन में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

जिस वर्ग को कॉकरोच कहकर अपमानित किया, वे जेन-जी युवा हैं- उद्धव ठाकरे

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने जेन-जी और खासकर कॉकरोच की तुलना छत्रपति शिवाजी महाराज से की है। उन्होंने कहा कि जिस तरह आज की नई पीढ़ी को कॉकरोच कहकर खारिज किया जा रहा है, ठीक उसी तरह मुगलों ने भी मराठा योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज को चूहा कहा था। उद्धव ने कहा कि यदि युवाओं को कॉकरोच कहा जाएगा, तो उनका नाराज होना स्वाभाविक है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मुंबई में एक कार्यक्रम में पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने कहा कि लगभग 13 से 28 साल की आयु वाले जिस वर्ग को कॉकरोच कहकर अपमानित किया गया, वे वास्तव में जेन-जी श्रेणी के युवा हैं। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज भी केवल 17 साल के थे जब उन्होंने तोरणा किला जीता था और संत ज्ञानेश्वर ने भी बेहद कम उम्र में ज्ञानेश्वरी की रचना की थी। उद्धव ने आगे कहा कि जिन्हें कॉकरोच कहकर अपमानित किया गया, वे उसी वर्ग से आते हैं जिसे अब हम जनरेशन जी कहते हैं, जिनकी उम्र करीब 13-14 से 27-28 साला के बीच है।

उद्धव ठाकरे ने कहा कि आवाज उठाने और अन्याय के खिलाफ बोलने पर आज के युवाओं को छोटा या कमतर नहीं आंका जाना चाहिए। बता दें उद्धव ठाकरे का यह बयान ऐसे समय में आया है जब संसद के चल रहे मॉनसून सत्र में विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता अपने भाषणों के दौरान जेन-जी की शब्द और स्लैंग्स का खुलकर इस्तेमाल कर रहे हैं। केंद्र सरकार के सुधारों का बचाव करने वाले सत्ता पक्ष के सदस्यों से लेकर नीट विवाद पर सरकार को घेरने वाले विपक्षी सांसदों तक सभी ने सोशल मीडिया पर मशहूर इन शब्दों का बहसों में इस्तेमाल किया है।

उद्धव ठाकरे ने लोकसभा सदस्यों की संख्या बढ़ाने से जुड़े प्रस्तावित विधेयक के औचित्य पर सवाल उठाते हुए उद्धव ने आरोप लगाया कि इस विधेयक के समर्थन के लिए सांसदों को अपनी ओर किया जा रहा है। उद्धव का इशारा पिछले महीने शिवसेना (यूबीटी) के छह लोकसभा सदस्यों के एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना में शामिल होने के घटनाक्रम की ओर था। उद्धव ने कहा कि सांसदों की संख्या बढ़ाने के बजाय रोजगार के अवसर बढ़ाइए। उन्होंने सवाल किया कि यदि मौजूदा 550 सांसदों को ही सदन में बोलने का पर्याप्त अवसर नहीं मिलता है, तो 850 सांसदों को बोलने का समय कैसे मिलेगा।

उन्होंने नीट पेपर लीक मामले को लेकर हुए छात्र आंदोलन और तत्कालीन केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करने वाले युवाओं की तारीफ की। उद्धव ने कहा कि जब सभी को लगने लगा था कि लोकतंत्र खत्म हो गया है, तब युवाओं ने अपने आंदोलन के जरिये उसमें नई जान डाल दी।

असम में बाढ़ का कहर जारी- 78 मौतें, तीन लाख लोग प्रभावित

आईएमडी ने दी भारी बारिश की चेतावनी

गुवाहाटी । असम में बाढ़ की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है, जहां बुधवार को तीन और मौतों के साथ मरने वालों की संख्या 78 हो गई है। शिवसागर और गोलाघाट जिलों में हुई नई मौतों ने राज्य में जारी त्रासदी की गंभीरता को बढ़ा दिया है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) द्वारा जारी ताजा समाचार के अनुसार, राज्य के सात जिलों में 3 लाख से अधिक लोग अभी भी बाढ़ से प्रभावित हैं। बाढ़ का पानी 21 राजस्व सर्कल और 551 गांवों तक पहुँच गया है, जिससे 21,523.08 हेक्टेयर फसल क्षेत्र पूरी तरह जलमग्न हुई है। बाढ़ से प्रभावित सात जिलों में चराईदेव सबसे अधिक प्रभावित हुआ है, जहाँ 1,37,561 लोग बाढ़ की चपेट में हैं। इसके बाद शिवसागर में 84,600 और जोरहाट में 49,911 लोग प्रभावित हैं। हालांकि, मंगलवार को प्रभावितों की संख्या 3.32 लाख थी, जिससे स्थिति में थोड़ा सुधार संकेतित होता है। आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, 71 राहत शिविरों में 16,500 से अधिक विस्थापित लोगों ने शरण ली है, जबकि 30 राहत वितरण केंद्रों के माध्यम से 72,000 से अधिक लोगों को सहायता प्रदान की जा रही है।

बाढ़ ने तटबंधों, सड़कों, मकानों और स्कूलों सहित बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुँचाया है। पशुधन को भी भारी क्षति हुई है, जहाँ 11,000 से अधिक मवेशी बह गए हैं और अन्य 17,000 पशुधन प्रभावित हुए हैं। चिकित्सा और पशु चिकित्सा दल, कई बचाव एजेंसियों के साथ मिलकर प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्य में लगे हुए हैं।

इस बीच, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा से फोन पर बात कर स्थिति का जायजा लिया और केंद्र से हर संभव मदद का भरोसा दिया। मुख्यमंत्री सरमा ने घोषणा की है कि वे असम में काम करने वाले सभी बैंकों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करने वाले हैं, ताकि प्रभावित नागरिकों के ऋणों के लिए विशेष सहायता उपायों पर चर्चा की जा सके। सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने भी अपने दो दिवसीय पूर्वी कमान दौरे के दौरान जारी बाढ़ राहत अभियानों की समीक्षा की और संकट के दौरान नागरिक प्रशासन की सहायता करने के लिए सैनिकों की सराहना की। आगामी दिनों में स्थिति और बिगड़ सकती है, क्योंकि भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 30 जुलाई से 1 अगस्त तक असम, अरुणाचल प्रदेश और नागालैंड के अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ भारी से बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम कार्यालय ने तिनसुकिया जिले के लिए विशेष रूप से ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने भूस्खलन और जलभराव के खतरे की भी चेतावनी दी है, जिससे राहत कार्यों में और चुनौतियाँ आ सकती हैं।

पार्टी में कोई भूमिका नहीं मिलने से नाराज पन्नीरसेल्वम, थाम सकते हैं टीवीके का दामन

चेन्नई। तमिलनाडु के पूर्व सीएम और डीएमके विधायक ओ. पन्नीरसेल्वम नाराज बताए जा रहे हैं। उनकी नाराजगी डीएमके के साथ है। वह पार्टी में कोई भूमिका नहीं मिलने से नाराज हैं। बता दें उन्होंने हाल ही में पार्टी छोड़ने की खबरों का खंडन किया था। सूत्रों का कहना है कि डीएमके में शामिल हुए छह महीने बीत जाने के बाद भी वे और उनके बेटे दोनों को ही पार्टी के भीतर कोई जिम्मेदारी नहीं दी गई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीते विधानसभा चुनाव में थेनी सीट से विधायक बनने के बाद पन्नीरसेल्वम को थेनी लोकसभा क्षेत्र में कोई अहम भूमिका या जिम्मेदारी नहीं सौंपी गई है। इसका मुख्य कारण यह माना जा रहा है कि वहां से डीएमके सांसद थंगा तमिल सेल्वन का निर्वाचन क्षेत्र में दबदबा है और वे ही वहां के राजनीतिक मामलों को देख रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि क्षेत्र में अपनी उपेक्षा और अहम पद न मिलने से निराश होकर पन्नीरसेल्वम और उनके बेटे ओपी रवींद्रनाथ अब डीएमके को अलविदा कहने और अभिनेता-नेता विजय की पार्टी टीवीके में शामिल होने पर विचार कर रहे हैं।

बता दें तमिलनाडु में चुनावों में अपने इतिहास में पहली बार तीसरे स्थान पर खिसकने और लगातार चुनावी हार का सामना करने के बाद, तमिलनाडु में मुख्य विपक्षी दल अन्नाद्रमुक में भी हाल के दिनों टूट का सिलसिला जारी रहा। बीते महीने चार लोकप्रिय पूर्व मंत्रियों और कई पूर्व विधायकों ने अन्नाद्रमुक का साथ छोड़कर सीएम विजय की सत्ताधारी पार्टी टीवीके का दामन थाम लिया था।

टीवीके में शामिल होने वाले प्रमुख नेताओं में पूर्व मंत्री और वरिष्ठ नेता उडुमलाई के राधाकृष्णन, एम सी संपत, कड़म्बूर सी राजू और एन आर शिवपति शामिल हैं। इन सभी नेताओं ने पूर्वी तट मार्ग पर स्थित पनायुर उपनगर में टीवीके के मुख्य कार्यालय का दौरा किया। वहां उन्होंने टीवीके के महासचिव आनंद और चुनाव अभियान प्रबंधन महासचिव आधाव अर्जुना से मुलाकात की और पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

जंतर-मंतर प्रदर्शन में प्रधानमंत्री पर कथित अभद्र टिप्पणी, युवती के खिलाफ जीरो एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली । नई दिल्ली। जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित अभद्र टिप्पणी करने के आरोप में रुचिका सिंह नामक युवती के खिलाफ नोएडा के एक्सप्रेसवे थाने में जीरो एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस के अनुसार मामला आगे की जांच और आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित क्षेत्र को भेजा जाएगा। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि प्रदर्शन के दौरान दिए गए बयान से प्रधानमंत्री के संवैधानिक पद की गरिमा को ठेस पहुंची है। साथ ही यह भी कहा गया है कि कथित टिप्पणी से विद्वेष फैलाने और लोक शांति भंग होने की आशंका उत्पन्न हुई। पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 352, 353(1) और 356(1) के तहत मामला दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार, जंतर-मंतर प्रदर्शन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें रुचिका सिंह कथित रूप से प्रधानमंत्री के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करती दिखाई दे रही हैं। बताया गया है कि वह नोएडा की रहने वाली हैं और इसी कारण उनके खिलाफ जीरो एफआईआर ग्रेटर नोएडा में दर्ज की गई।

विधायक अनुभा मुंजारे ने एसआईटी की जांच पर उठाए सवाल

चावल घोटाले में बड़े चेहरों पर मेहरबानी क्यों?

भाजपा जिला अध्यक्ष के परिवार पर लगाए गंभीर आरोप, डबल मनी मामले में भी निष्पक्ष जांच की मांग, कार्रवाई नहीं हुई तो एसपी कार्यालय घेरने की चेतावनी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के बहुचर्चित चावल घोटाले और डबल मनी प्रकरण को लेकर राजनीतिक माहौल लगातार गर्माता जा रहा है। गुरुवार को स्थानीय सर्किट हाउस में आयोजित पत्रकार वार्ता में बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे ने पुलिस की विशेष जांच टीम (एसआईटी) की कार्रवाई पर गंभीर सवाल खड़े करते हुए आरोप लगाया कि जांच अब निष्पक्ष दिखाई नहीं दे रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस छोटे राइस मिल संचालकों, कर्मचारियों और अन्य आरोपियों पर तो कार्रवाई कर रही है, लेकिन जिन प्रभावशाली लोगों और सत्ता पक्ष से जुड़े नामों की चर्चा सामने आई है, उनके खिलाफ अब तक वैसी सख्त कार्रवाई नहीं हुई है, जैसी अन्य मामलों में देखने को मिली है। विधायक ने चेतावनी दी कि यदि जांच में पारदर्शिता और निष्पक्षता नहीं दिखाई गई तो कांग्रेस जल्द ही पुलिस अधीक्षक कार्यालय का घेराव कर बड़ा आंदोलन करेगी।

पत्रकारों से चर्चा करते हुए अनुभा मुंजारे ने कहा कि चावल घोटला प्रदेशभर में चर्चा का विषय बना गया हैं साथ ही इसमें भाजपा जिला अध्यक्ष रामकिशोर कावरे के परिवार से जुड़े लोगों के नाम सामने आए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि हर्ष राइस मिल के प्रोपराइटर कुमार कावरे और उनके पुत्र अविनाश कावरे से पुलिस केवल पूछताछ कर रही है, जबकि अन्य जिलों और राज्यों के कई राइस मिल संचालकों के खिलाफ गिरफ्तारी जैसी कठोर कार्रवाई की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि यदि कानून सभी के लिए समान है तो इस मामले में अलग-अलग मापदंड क्यों अपनाए जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि हर्ष राइस मिल में साझेदार बताए जा रहे विनोद शर्मा के विरुद्ध कार्रवाई होती है, लेकिन मुख्य संचालकों पर अब तक वैसी कार्रवाई नहीं हुई, जिससे पूरे मामले की निष्पक्षता पर सवाल उठ रहे हैं। विधायक ने पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा का नाम लेते हुए कहा कि पुलिस लगातार निष्पक्ष जांच का दावा कर रही है, लेकिन अब तक कथित मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होना कई सवाल खड़े करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता के दबाव के कारण जांच की दिशा प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि यदि पुलिस वास्तव में निष्पक्ष है तो पूरे मामले के मुख्य लाभार्थियों और कथित सूत्रधारों को भी कानून के दायरे में लाया जाना चाहिए। पत्रकार वार्ता में अनुभा मुंजारे ने भाजपा संगठन पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा जिला अध्यक्ष रामकिशोर कावरे अपने परिवार को बचाने के लिए भोपाल स्तर पर सक्रिय हैं। उन्होंने दावा किया कि विधानसभा सत्र के दौरान उन्होंने स्वयं कई भाजपा नेताओं को भोपाल में इस मामले को लेकर सक्रिय देखा। उन्होंने पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन का नाम लेते हुए भी आरोप लगाया कि उनके करीबी लोगों के नाम भी पूरे घटनाक्रम में चर्चा में हैं और राजनीतिक स्तर पर मामले को प्रभावित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि भाजपा नैतिकता की बात करती है तो उसे अपने जिला अध्यक्ष की भूमिका पर भी निर्णय लेना चाहिए और पूरे मामले में जनता के सामने स्पष्ट पक्ष रखना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पर भी निशाना साधते हुए विधायक ने कहा कि सरकार किसान कल्याण और सुशासन की बात करती है, लेकिन गरीबों के लिए निर्धारित सार्वजनिक वितरण प्रणाली के चावल में कथित गड़बड़ी के मामले में प्रभावशाली लोगों पर कार्रवाई नहीं होना गंभीर विषय है। उन्होंने मांग की कि मुख्यमंत्री स्वयं इस पूरे मामले का संज्ञान लें और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करें। उन्होंने एफसीआई, नागरिक आपूर्ति विभाग तथा अन्य संबंधित अधिकारियों की भूमिका की भी जांच कराने की मांग की। साथ ही खापा और बासी क्षेत्र में संचालित एथेनॉल प्लांटों की भी जांच कराने की बात कही।

विधानसभा में ध्यानाकर्षण प्रस्ताव भी दिया है

डबल मनी प्रकरण को लेकर भी अनुभा मुंजारे ने कई सवाल उठाए। उन्होंने पूर्व विधायक रमेश भटेरे का नाम लेते हुए कहा कि गिरफ्तार मुख्य आरोपी सोमेंद्र कांकरायने से जुड़े वाहन की बरामदगी के बाद कई नए सवाल सामने आए हैं। उनका कहना था कि यदि जांच में किसी भी जनप्रतिनिधि या प्रभावशाली व्यक्ति की भूमिका सामने आती है तो उसके खिलाफ भी बिना किसी भेदभाव के कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने मांग की कि इस पूरे मामले की गहराई से जांच कर यह स्पष्ट किया जाए कि आरोपियों की संपत्तियां, वाहन और अन्य संसाधन किन-किन लोगों के पास और किन परिस्थितियों में पहुंचे। अनुभा मुंजारे ने बताया कि उन्होंने अन्य कांग्रेस विधायकों के साथ मिलकर चावल घोटाले और डबल मनी प्रकरण को लेकर विधानसभा में ध्यानाकर्षण प्रस्ताव भी दिया है। हालांकि विधानसभा का सत्र कम अवधि का होने के कारण इस पर चर्चा नहीं हो सकी, लेकिन मामला विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष विचाराधीन है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे को केवल विधानसभा तक सीमित नहीं रखेगी, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर जनता के बीच जाकर भी आंदोलन करेगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि आने वाले दिनों में पुलिस द्वारा कथित मुख्य आरोपियों के विरुद्ध निष्पक्ष और प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो कांग्रेस कार्यकर्ता जिला मुख्यालय पर बड़ा आंदोलन करेंगे और पुलिस अधीक्षक कार्यालय का घेराव करेंगे। विधायक ने कहा कि यह केवल चावल घोटाले या डबल मनी प्रकरण का मामला नहीं है, बल्कि जनता के विश्वास, किसानों के अधिकार और कानून के समान पालन का विषय है। इसलिए दोषी चाहे कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, उसके विरुद्ध समान रूप से कार्रवाई होना आवश्यक है।

ट्रैक्टर के पीछे बाइक हटाने को लेकर विवाद पड़ोसी ने 2 बेटों के साथ 3 लोगों से की मारपीट, अपराध दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र के ग्राम लवेरी में मामूली बात पर संघर्ष हो गया। ट्रैक्टर के पीछे खड़ी मोटरसाइकिल हटाने की कहासुनी इतनी बढ़ी कि एक व्यक्ति ने अपने दो बेटों के साथ पड़ोसी परिवार के 3 लोगों पर हाथ-मुक्कों और लाठियों से हमला कर दिया। किरनापुर पुलिस ने इस मामले में धनेंद्र चिखलौंड उसके दो बेटे गजेंद्र और जितेंद्र के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम लवेरी निवासी मोतीराम बम्बूरे 52 वर्ष अपने परिवार के साथ खेती करते हैं। उनके पड़ोस में ही धनेंद्र चिखलौंडे परिवार सहित रहता है। दोनों परिवारों के बीच पहले से रंजिश चली आ रही है।29 जुलाई की शाम करीब 7 बजे मोतीराम का बेटा डिलेंद्र बम्बूरे खेत से ट्रैक्टर लेकर आया और उसे घर के सामने डहल में खड़ा कर दिया। इसी दौरान पड़ोसी धनेंद्र चिखलौंडे आया और अपनी मोटरसाइकिल डिलेंद्र के ट्रैक्टर के ठीक पीछे खड़ी कर दी थी।रात करीब 10 बजे डिलेंद्र ने धनेंद्र से ट्रैक्टर के पीछे खड़ी मोटरसाइकिल हटाने को कहा। इसी बात पर दोनों में विवाद शुरू हो गया। विवाद बढ़ते ही धनेंद्र के दोनों बेटे गजेंद्र और जितेंद्र भी मौके पर पहुंच गए। तीनों ने डिलेंद्र को अश्लील गालियां देना शुरू कर दीं। जब डिलेंद्र ने गाली देने से मना किया तो तीनों उस पर हाथ मुक्कों से टूट पड़े।बीच-बचाव करने आए डिलेंद्र के चचेरे भाई रेवेन्द्र बम्बूरे को धनेंद्र ने डंडे से मारपीट कर दिया। इसके बाद मोतीराम भी पहुंचे तो तीनो ने उन पर भी हाथ मुक्कों और लाठी से हमला कर दिया।

मारपीट में डिलेंद्र, रेवेन्द्र और मोतीराम घायल हो गए। हमला करने के बाद तीनों ने मोटरसाइकिल हटाने की बात करने पर जान से मारने की धमकी दी और मौके से फरार हो गए।घटना के बाद तीनों घायल ने किरनापुर थाने पहुंचे और रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने तीनों का अस्पताल में इलाज और मुलाहिजा करवाया। मोतीराम की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी धनेंद्र चिखलौंडे और उसके बेटे गजेंद्र व जितेंद्र के खिलाफ अश्लील गाली गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता कि संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया है। मामले की विवेचना किरनापुर पुलिस कर रही है।

एक युवक ने कुएं के अंदर फांसी लगाकर की आत्महत्या

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। परसवाड़ा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम कनई में बुधवार की शाम एक युवक के द्वारा कुएं के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या करने का मामला सामने आया । 35 वर्षीय युवक अनिल पिता मेवाराम मरावी ने किस वजह से फांसी लगाकर आत्महत्या की अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। परसवाड़ा पुलिस ने इस युवक का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सोप दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अनिल अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था और कृषि कार्य करता था ।यह बताया गया है कि अनिल शादी नहीं हुई थी और उसकी मानसिक स्थिति भी ठीक नहीं थी। इन दिनों अनिल अपनी मां के साथ घर में रहता था। जबकि उसका पिता मेवालाल मजदूरी करने के लिए नागपुर गया हुआ था। 29 जुलाई को दिन में अनिल घर में ही था ।शाम 6:00 बजे जब परिवार के लोग कृषि कार्य करके घर लौटे और घर के सामने कुएं में पानी के लिए गए। तब उन्होंने कुएं की घिरनी में कुए के अंदर अनिल की फांसी में लटकी हुई लाश देखी।अनिल ने घिरनी में नायलॉन की रस्सी बांधकर कुए के अंदर फांसी लगा ली थी। परिजनों ने अनिल की लाश बाहर निकाले और परसवाड़ा पुलिस को सूचना दिए ।परसवाड़ा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर लाश को अपने कब्जे में लिए और 30 जुलाई को पंचनामा कार्यवाही पश्चात अनिल की लाश पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए हैं ।इस युवक ने किस वजह से फांसी लगाकर आत्महत्या की। अभी पूर्ण रूप से स्पष्ट नहीं हो पाया है। इस मामले की आगे जांच परसवाड़ा पुलिस द्वारा की जा रही है।

झाड़ फूंक के भरोसे गंवाए छह घंटे

जहरीले सांप के काटने से महिला की हालत गंभीर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के रूपझर थाना अंतर्गत सोनेवानी पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम उस्काल चक में गुरुवार सुबह एक 36 वर्षीय महिला को जहरीले सांप ने काट लिया। परिजनों ने तत्काल अस्पताल ले जाने के बजाय झाड़ फूंक और देसी उपचार का सहारा लिया। जिससे करीब छह घंटे का बहुमूल्य समय निकल गया। बाद में महिला की हालत बिगड़ने पर उसे जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया। महिला द्रौपदी पति बिसन सिंह उइके 36 वर्ष का जिला अस्पताल में अचेत अवस्था में उपचार किया जा रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम उस्काल चक निवासी श्रीमती द्रोपती उइके परिवार के साथ खेती मजदूरी करती है। परिवार में पति, दो बच्चे तथा अन्य सदस्य हैं। 30 जुलाई की सुबह लगभग 6 बजे द्रोपती का पति और परिवार के अन्य सदस्य कृषि कार्य के लिए खेत चले गए थे। इसी दौरान द्रोपती उइके घर के पीछे स्थित बाड़ी में लघुशंका के लिए गई थीं। तभी उनके बाएं पैर की जांघ में किसी जहरीले सांप ने काट लिया। घटना की जानकारी मिलते ही पति एवं अन्य परिजन खेत से घर पहुंचे। बताया जाता है कि द्रोपती को तत्काल अस्पताल ले जाने के बजाय पहले ग्राम कुलपा में झाड़ फूंक कराने के लिए ले जाया गया। वहां देसी उपचार और झाड़-फूंक का सहारा लिया गया ।लेकिन द्रौपदी की हालत में कोई सुधार नहीं हुआ। इसके विपरीत उसकी तबीयत लगातार बिगड़ती चली गई।

करीब छह घंटे बाद लगभग 3:30 बजे परिजन द्रोपती को जिला अस्पताल बालाघाट लेकर पहुंचे ।जहां चिकित्सक ने उसे तत्काल भर्ती कर उपचार शुरू किया। अस्पताल पहुंचने तक महिला अचेत अवस्था में थी। चिकित्सक की निगरानी में उसका इलाज जारी है ।

आवश्यकता है
क्वार्क में पेज सेटिंग हेतु
कम्प्युटर ऑपरेटर की आवश्यकता है
संपर्क करें-बालाघाट एक्सप्रेस
पद्मेश सिटी केबल, काली पुतली चौक, बालाघाट

आंगनबाड़ी जाने निकली महिला रहस्यमय ढंग से लापता:अपहरण का मामला दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र के ग्राम मड़कापार से 25 वर्षीय विवाहिता रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गई। घर से आंगनबाड़ी जाने की बात कहकर निकली महिला न तो आंगनबाड़ी पहुंची और न ही बैंक में उसका कोई पता चला। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपहरण का मामला दर्ज कर महिला की तलाश शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम मड़कापार निवासी बालकृष्ण पल्हारे खेती-मजदूरी करते हैं। उनके परिवार में दादी, पत्नी वंदना पल्हारे 25 वर्षऔर दो बच्चे हैं। 27 जुलाई की सुबह बालकृष्ण काम पर चले गए थे। दोपहर करीब 1 बजे घर लौटने पर पत्नी वंदना घर पर नहीं मिली। पूछने पर दादी ने बताया कि वंदना सुबह करीब 11 बजे आंगनबाड़ी जाने की बात कहकर घर से निकली थी ।बालकृष्ण ने आंगनबाड़ी पहुंचकर तलाश की लेकिन वहां वंदना नहीं मिली। बाद में उनके चाचा विदेश पल्हारे ने बताया कि वंदना मोहगांव स्थित बैंक में पासबुक और एटीएम संबंधी कार्य कराने जाने की बात कहकर निकली थी। इसके बाद बालकृष्ण ने मोहगांव बैंक पहुंचकर जानकारी ली ।लेकिन वहां भी वंदना का कोई पता नहीं चला। रिश्तेदारों और परिचितों से भी संपर्क किया गया ।किंतु कोई जानकारी नहीं मिली।

घर लौटने पर परिजनों ने देखा कि वंदना घर की आलमारी से अपना मंगलसूत्र, अन्य जेवर, पासबुक, पैन कार्ड और आधार कार्ड भी साथ ले गई है। काफी तलाश के बाद भी उसका पता नहीं चलने पर बालकृष्ण ने किरनापुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने पहले गुम इंसान क्रमांक 66/2026 दर्ज किया और जांच के दौरान परिस्थितियों को देखते हुए अज्ञात आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 140(3) के तहत अपहरण का मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है ।पुलिस के अनुसार लापता वंदना पल्हारे का रंग गोरा, चेहरा लंबा, शरीर इकहरा तथा कद लगभग 5 फीट है। घर से निकलते समय उसने नीले रंग की साड़ी पहन रखी थी। किरनापुर पुलिस महिला की तलाश में जुटी है तथा संभावित स्थानों पर खोजबीन की जा रही है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :**9425138710**, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट